रायपुर। शनिवार, 19 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 48/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल एशियन गेम्स : भारतीय टीम ने जापान को 8 विकेट...
@ विचार अमेरिका की नई पैंतरेबाजी से डरने की जरूरत नहीं...
@ व्यापार सेंसेक्स की चाल थमी, निफ्टी ने लगाई 33% की...

विश्व केसरी खबर झरोखा

भारत और साइप्रस ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की

निकोसिया। साइप्रस में भारत के उच्चायुक्त मनीष ने शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर भारत-साइप्रस द्विपक्षीय एजेंडे की व्यापक समीक्षा की। दोनों पक्षों ने सहयोग के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा करते हुए दोनों देशों के नेताओं के विजन को ठोस परिणामों में बदलने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत के उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उच्चायुक्त मनीष ने विदेश मंत्रालय की उप राजनीतिक निदेशक पॉली इओआन्नू, राष्ट्रपति के राजनयिक कार्यालय में अधिकारी डेमेट्रिस असोस और एशिया एवं ओशिनिया विभाग के प्रमुख जॉर्जियोस जॉर्जियो से मुलाकात की।



हवाई संपर्क मजबूत करने पर भारत और वियतनाम में बातचीत तेज



हनोई। वियतनाम में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने हनोई का दौरा किया और वियतनाम के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएवी) के साथ भारत-वियतनाम हवाई सेवा समझौते पर चर्चा की। दूतावास ने कहा कि भारत और वियतनाम हवाई संपर्क को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे लोगों के बीच आपसी संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने 17-18 सितंबर 2026 को वियतनाम का दौरा किया और वियतनाम के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएवी) के साथ भारत-वियतनाम हवाई सेवा समझौते पर चर्चा की।

फिलीपींस के साउथ कोटाबाटो में स्कूल में गोलीबारी, तीन की मौत; छह घायल

मनीला। फिलीपींस के साउथ कोटाबाटो प्रांत के बांगा स्थित बांगा नेशनल हाई स्कूल में शुक्रवार को गोलीबारी की घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। 'फिलस्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, साउथ कोटाबाटो के गवर्नर रेनाल्ड तमायो ने हताहतों की पुष्टि की है। फिलीपींस रेड क्रॉस ने बताया कि उसने घटना के बाद जीवनरक्षक सहायता उपलब्ध कराने के लिए अपनी टीमों को मौके पर भेजा है। फिलीपींस रेड क्रॉस ने फेसबुक पर जारी बयान में कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार छह घायलों को डैंटम डॉक्टर्स हॉस्पिटल और साउथ कोटाबाटो प्रोविंशियल हॉस्पिटल ले जाया गया है।



नंदीग्राम उपचुनाव: कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान पुराने हत्या मामले में गिरफ्तार

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को शुक्रवार को एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। पूर्व मेदिनीपुर जिला पुलिस के एक अधिकारी ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

यह गिरफ्तारी उस समय हुई, जब नंदीग्राम उपचुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट की उम्मीदवार संचिता डे प्रधान ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नंदीग्राम में कांग्रेस को समर्थन देने का ऐलान किया।

जिला पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान एक पुराने हत्या मामले में आरोपी हैं। अधिकारी ने कहा कि उनके खिलाफ पहले से ही वारंट जारी था और उसी के संबंध में शुक्रवार को उन्हें गिरफ्तार किया गया।

उपचुनाव से पहले कांग्रेस उम्मीदवार की गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव से पहले विपक्ष को खत्म करना चाहती है।

पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डब्ल्यूबीपीसीसी) के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने मीडिया से कहा कि मिलन प्रधान के खिलाफ अचानक मामला दर्ज किया गया और उसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने सवाल उठाया, 'इस तरह भाजपा पश्चिम बंगाल में एकदलीय शासन स्थापित करने की कोशिश कर रही है। क्या इस राज्य के साथ-साथ देश में भी विपक्ष की राजनीति नहीं होगी?' सरकार ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार की गिरफ्तारी के पीछे राजनीतिक साजिश है। हालांकि, भाजपा के पूर्व मेदिनीपुर जिला नेतृत्व ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज कर दिया। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार की गिरफ्तारी से उसका कोई संबंध नहीं है।



नंदीग्राम के अलावा मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव होना है। दोनों सीटों पर 6 अक्टूबर को मतदान होगा और नतीजे 9 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से जीत दर्ज की थी। उन्होंने भवानीपुर में पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को हराया था।

उपचुनाव में नंदीग्राम और असम में कांग्रेस का समर्थन करेंगी ममता बनर्जी



कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक झूठी और जुमला पार्टी है। भाजपा का काम देश के लोकतंत्र, संविधान और शिक्षा प्रणाली को खत्म करना है। ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा अपने मंसूबों को कामयाब करने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रही है। इन्होंने चुनाव से पहले ही यह प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह बहुत दुखद बात है। बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और बंगाल में भी इन्होंने इसी तरह लूटपाट की थी। ममता बनर्जी कोलकाता में मीडिया से बात कर रही थीं। उन्होंने कहा कि भाजपा एक फर्जी पार्टी है।

पेपर लीक मामला: एनटीए में सुधारों की प्रगति पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

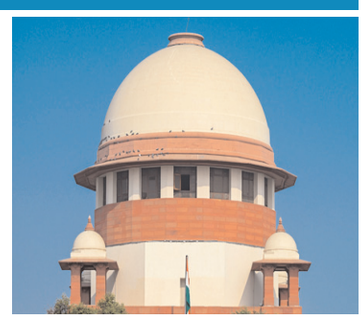
जज ने दिया ऑफिस के दौरे का संकेत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नीट परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए में सुधारों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह एनटीए के कार्यालय का दौरा कर सकता है, ताकि मौके पर जाकर यह देखा जा सके कि परीक्षा आयोजित करने वाला सिस्टम वास्तव में काम कर रहा है या नहीं।

जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन और यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें नीट का पेपर लीक होने के बाद एनटीए में व्यापक सुधार करने की मांग की गई है।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि नंदन नीलेकणि की अगुवाई में गठित एक नए उच्चस्तरीय टास्क फोर्स ने डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया है। उन्होंने अदालत से टास्क फोर्स की रिपोर्ट पेश करने के लिए सितंबर के अंत तक का समय देने का अनुरोध किया। इस पर कोर्ट ने कहा कि एनटीए में सुधार के लिए कमेटी की सिफारिशें सिर्फ रिपोर्ट तक सीमित न रहें, उन पर अमल होना भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई पावर्ड कमेटी के साथ समन्वय कर रहे संयुक्त सचिव को प्रगति पर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।



कोर्ट ने एनटीए को अपनी सुधारों की प्रगति की जानकारी सार्वजनिक करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि एनटीए अपनी वेबसाइट पर संस्था में सुधार के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी वाला हलफनामा डाले, ताकि छात्र और दूसरे पक्ष सुधारों की स्थिति देख सकें। कोर्ट ने एक बार फिर दोहराया कि एनटीए में पर्याप्त स्टाफ और एक्सपर्ट की जरूरत है। केवल डेपुटेशन पर कर्मचारियों से काम नहीं चलना चाहिए। मामले की अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद होगी। इससे पहले 19 अगस्त को भी सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई की थी। तब कोर्ट ने कहा था कि एनटीए में किए जा रहे सुधारों को संस्थागत रूप देने की जरूरत है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह के. राधाकृष्णन समिति और निलेकणि समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दे। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सुधार जमीन पर भी दिखने चाहिए, ताकि नीट जैसी बड़ी परीक्षाओं में गड़बड़ी न हो और छात्रों का भरोसा बना रहे।

छग टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन इकाइयां लीज़ पर देने की तैयारी

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को बढ़ावा देने और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की विभिन्न पर्यटन इकाइयों को लीज़ पर दिए जाने की प्रक्रिया को निवेशकों के लिए सरल एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से 'एक्सप्लोर, इनवेस्ट, ट्रांसफार्म' थीम पर प्री-एनआईटी (नोटिस इनवाइटिंग टेंडर) कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस में निवेशकों और स्टेकहोल्डर्स को पर्यटन बोर्ड की विभिन्न प्रॉपर्टीज, लीज़ एवं टेंडर प्रक्रिया, उपलब्ध सरकारी प्रोत्साहनों, पीपीपी मॉडल तथा डिजिटल तकनीक के उपयोग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही पर्यटन क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाकर पर्यटक सुविधाओं के विस्तार और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर को नई गति देने की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।



पर्यटन बोर्ड की प्रॉपर्टीज में निवेश के अवसरों की दी जानकारी

कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे के प्रस्तुतीकरण से हुई। उन्होंने उपस्थित निवेशकों एवं स्टेकहोल्डर्स को बोर्ड के विभिन्न होटल, मोटल, रिसॉर्ट एवं पर्यटन इकाइयों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रॉपर्टीज की लोकेशन, उपलब्ध सुविधाओं, प्रमुख विशेषताओं तथा पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में उनके विकास की संभावनाओं से अवगत कराया।

चौबे ने बताया कि छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की कई प्रॉपर्टीज प्रमुख पर्यटन स्थलों और आकर्षक लोकेशन पर स्थित हैं। निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता एवं निवेश के माध्यम से इन इकाइयों में पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं का विकास किया जा सकता है। उन्होंने लीज़ एवं टेंडर प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए निवेशकों और स्टेकहोल्डर्स की जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का समाधान भी किया।

उन्होंने कहा कि बोर्ड का प्रयास है कि निवेशकों को लीज़ प्रक्रिया से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां स्पष्ट, पारदर्शी और सुगम तरीके से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि अधिक से अधिक योग्य निवेशक इसमें भाग ले सकें और पर्यटन इकाइयों का बेहतर संचालन एवं विकास सुनिश्चित हो सके।

पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को मिल रही नई दिशा

पर्यटन एवं संस्कृति सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने निवेशकों एवं स्टेकहोल्डर्स को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य नेतृत्व के मार्गदर्शन में पर्यटन उद्योग को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद छत्तीसगढ़ स्पष्ट रणनीति के साथ पर्यटन विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य में पर्यटक सुविधाओं के विस्तार और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और विविध पर्यटन स्थलों को बेहतर सुविधाओं से जोड़कर पर्यटन गतिविधियों का विस्तार किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि राज्य में सुरक्षा एवं परिस्थितियों में सुधार के साथ पर्यटन गतिविधियों में भी बढ़ोतरी हुई है और निवेशकों की रुचि पर्यटन क्षेत्र में बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य में पर्यटन क्षेत्र को निवेश के लिए अनुकूल बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के रिसॉर्ट्स और अन्य प्रॉपर्टीज की आकर्षक लोकेशन निजी क्षेत्र के निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करती हैं।

बिहार के बाढ़ प्रभावितों के लिए नितिन नवीन ने सीएम राहत कोष में दान किया तीन माह का वेतन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को बिहार में आई भीषण बाढ़ की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की त्वरित कार्रवाई, केंद्र के सहयोग और अपने व्यक्तिगत अंशदान का उल्लेख किया। नितिन नवीन ने स्पष्ट किया कि प्रभावित परिवारों को वित्तीय सहायता, राहत शिविरों और फसल क्षति के आकलन के जरिए हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है तथा पूरी सरकार इस संकट में जनता के साथ मजबूती से खड़ी है।



भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि राज्य में हालात पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है और सरकार प्रभावित लोगों तक समय पर राहत व आवश्यक सहायता पहुंचाने के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। संकट की इस घड़ी में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए, एक राज्यसभा सांसद के रूप में उन्होंने अपने तीन महीने के वेतन की राशि 6,35,000 रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष में अंशदान की है।

उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार की ओर से बाढ़ से प्रभावित परिवारों को 7,000 रुपए प्रति परिवार के हिसाब से कुल 550 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविरों, कम्युनिटी किचन, चिकित्सा सुविधाओं और पशुओं के लिए चारे की उचित व्यवस्था की गई है। बचाव कार्यों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें पूरी मुस्तैदी से तैनात हैं।

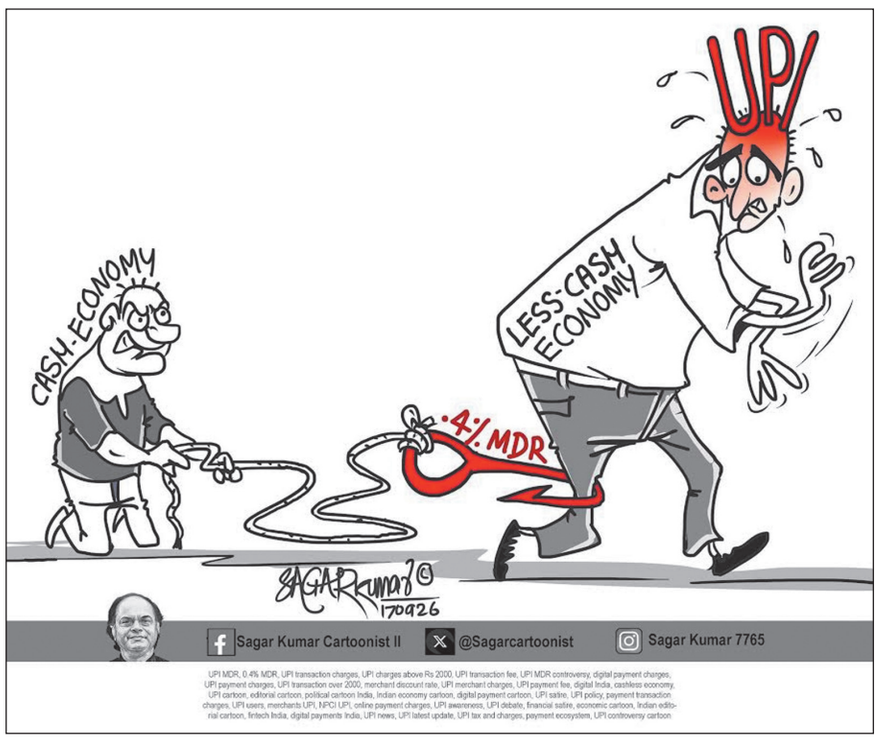
सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों को मिलेगा एक ग्राम का सोने का छल्ला

एजेंसी ■ चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय 28 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों के लिए 'थायमामन थंगा मोथिरम' योजना की शुरुआत करेंगे। योजना के तहत 22 जून 2026 से सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को एक ग्राम वजन का सोने का छल्ला दिया जाएगा।



योजना के शुभारंभ और क्रियान्वयन को लेकर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में समीक्षा बैठक हुई। तमिलनाडु सरकार के अनुसार, राज्य में मातृ एवं शिशु कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। गर्भवती महिलाओं को वित्तीय सहायता, मुफ्त प्रसव और नवजात देखभाल, आपातकालीन प्रसूति सेवाएं, पोषण, प्रसव योजना और प्रेग्नेंसी एंड चाइल्ड ट्रैकिंग इवैल्यूएशन सॉफ्टवेयर जैसी कई योजनाएं लागू की गई हैं। रकार ने बताया कि तमिल संस्कृति और परंपरा में 'थायमामन सीर' की परंपरा को ध्यान में रखते हुए तथा सरकारी चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य सेवाओं में लोगों का विश्वास और मजबूत करने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की जा रही है। इसके लिए 23 जून 2026 को शासनादेश जारी किया गया था। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में हर साल करीब 7.80 लाख बच्चों का जन्म होता है। इनमें 99.9 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में होते हैं।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 20वें रोजगार मेले में युवाओं से होंगे रूबरू

रायपुर में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू करेंगे नियुक्ति पत्र वितरण

संवाददाता ■ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 सितंबर 2026 को दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 20वें रोजगार मेले से जुड़ेंगे। इस अवसर पर वे देशभर के विभिन्न सरकारी विभागों एवं संगठनों में नव नियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे तथा चयनित अभ्यर्थियों को संबोधित करेंगे।

रायपुर में 20वें रोजगार मेले का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, साइंस कॉलेज परिसर, जी.ई. रोड में किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, तोखन साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे।

रायपुर में 125 अभ्यर्थी होंगे शामिल

रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से 125 अभ्यर्थी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहेंगे। इनमें आयकर विभाग, डाक विभाग, रेलवे, सर्वे ऑफ इंडिया, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, गृह मंत्रालय, इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र तथा एम्स रायपुर से संबंधित नव नियुक्त अभ्यर्थी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त इन्हीं विभागों से करीब 90 अन्य अभ्यर्थी भी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि तोखन साहू द्वारा मंच से लगभग 25 नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके बाद अन्य अभ्यर्थियों को संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। मुख्य आयकर आयुक्त, रायपुर संजीव, आईआरएस द्वारा तोखन साहू को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के गायन से होगी। इसके पश्चात स्वागत संबोधन और मुख्य अतिथि का संबोधन होगा। दोपहर 12:30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ेंगे। रोजगार मेले पर लघु फिल्म के प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री रिमोट बटन के माध्यम से रोजगार मेले का शुभारंभ करेंगे और नव नियुक्त युवाओं को संबोधित करेंगे।



45 स्थानों पर आयोजित होगा रोजगार मेला

20वें रोजगार मेले का आयोजन देशभर में 45 स्थानों पर किया जा रहा है। इसके माध्यम से राजस्व विभाग, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, रक्षा मंत्रालय सहित भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में नव नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

20वें रोजगार मेले के साथ विभिन्न सरकारी विभागों एवं संगठनों में लगभग 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके होंगे। रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने तथा उन्हें सरकारी सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए मध्य प्रदेश में निवेश के जबरदस्त अवसर हैं: मोहन यादव

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित सेमीकॉन इंडिया 2026 कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि सेमीकॉन इंडिया एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित हुआ है। मध्य प्रदेश की तरफ से यहां स्टॉल भी लगा है और हमारे अधिकारी अलग-अलग प्रकार के व्यवसायियों से बात भी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में निवेश को लेकर हम देश के अंदर और बाहर भी लगातार प्रयास कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी हमारे राज्य में निवेश के जबरदस्त अवसर हैं।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि बीती जीआईएस में भी हमने कुछ निवेशकों को बुलाया था। उन्होंने कुछ जमीनों का आवंटन भी कराया है। इसी साल 23-24 अक्टूबर को इंदौर में एक बड़ा कार्यक्रम होने वाला है, जिसके आधार पर और मध्य प्रदेश की नीतियों के बलबूते पर पर हम सभी प्रकार के निवेशकों को निवेश का मौका भी देंगे और राज्य का प्रमोशन भी करेंगे।

उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का संतोष है कि इससे जुड़े हुए बहुत सारे ग्रुप अलग-अलग आज दिल्ली में भी मुझसे मिले हैं। इसमें बहुत बड़ा स्कॉप है और इससे सभी सेक्टर से संबंधित लोग इससे जुड़ना चाहते हैं। इसमें हर एक व्यक्ति जुड़कर बात करना चाहता है और विदेशी कंपनियों के साथ भागीदार बनकर भी अपने व्यापार को बढ़ाना चाहता है। इसके लिए हमारे युवाओं को रोजगार भी मिलेगा और स्किल्स के लिए चांस भी रहेगा।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेमीकॉन के लिए मध्य प्रदेश सबसे अच्छा स्थान बनेगा। उन्होंने कहा कि हमने अपने निवेशकों को नीतियां दी हैं। पर्याप्त लैंड बैंक हैं, और स्किल डेवलपमेंट के नजरिए से भी यहां अपार संभावनाएं हैं। देश के मध्य के होने के कारण हमारे यहां कई प्रकार की अनूकूलता है।

शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर है, और बिजली की पर्याप्त उपलब्धता है। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए मध्य प्रदेश हर लिहाज से अनुकूल है।

केरल सरकार नॉलेज वैली और रिसर्च पार्क करेगी शुरू, उच्च शिक्षा मंत्री ने दी जानकारी

विश्व केसरी■



तिरुवनंतपुरम। केरल को दुनिया का एक प्रमुख ज्ञान केंद्र बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार 'नॉलेज वैली' और 'रिसर्च पार्क' शुरू करेगी। यह जानकारी उच्च शिक्षा मंत्री रोजी एम. जॉन ने शुक्रवार को दी।

यह परियोजना केरल में पहले से मौजूद उच्च शिक्षा और रिसर्च व्यवस्था को आधार बनाकर आगे बढ़ाई जाएगी। इसमें निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी।

इस प्रस्ताव पर तीन दिवसीय 'रीइमेजिनिंग केरलम' कार्यक्रम के अंतिम दिन आयोजित एक गोलमेज बैठक में चर्चा हुई। उच्च शिक्षा मंत्री रोजी एम. जॉन और उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव बी. अशोक ने चर्चा का नेतृत्व किया।

रोजी एम. जॉन ने कहा कि यह परियोजना केवल एक और अलग संस्थान बनाने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि ऐसा मंच तैयार करेगी, जो शिक्षा, रिसर्च, उद्योग और वैश्विक अवसरों को आपस में जोड़ेगा।

उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य आर्थिक लाभ पैदा करना और युवाओं के लिए ज्यादा अवसर उपलब्ध कराना है। केरल की रिसर्च क्षमता को व्यावहारिक रूप देने और उससे आर्थिक अवसर पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए।

प्रस्तावित रिसर्च पार्क का उद्योगों के साथ मजबूत जुड़ाव होगा। यहां साझा आधुनिक सुविधाएं और उत्कृष्टता केंद्र उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, नए उत्पादों के शुरुआती मॉडल यानी प्रोटोटाइप तैयार करने और अत्याधुनिक तकनीक के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में शामिल लोगों ने विश्वविद्यालयों, रिसर्च संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत पर जोर दिया। उनका कहना था कि रिसर्च को पारंपरिक शैक्षणिक व्यवस्था तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि पीएचडी कार्यक्रमों में केवल शोध प्रबंध पर अधिक निर्भर रहने के बजाय वास्तविक जीवन की समस्याओं और उद्योगों से जुड़े रिसर्च को ज्यादा महत्व दिया जा सकता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े रिसर्च को एक ऐसा क्षेत्र बताया गया, जहां उद्योगों के साथ साझेदारी मददगार साबित हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

तमिलनाडु में सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों को मिलेगा एक ग्राम का सोने का छल्ला



विश्व केसरी■

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय 28 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों के लिए 'थायमामन थंगा मोथिरम' योजना की शुरुआत करेंगे। योजना के तहत 22 जून 2026 से सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को एक ग्राम वजन का सोने का छल्ला दिया जाएगा।

योजना के शुभारंभ और क्रियान्वयन को लेकर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में समीक्षा बैठक हुई।

तमिलनाडु सरकार के अनुसार, राज्य में मातृ एवं शिशु कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। गर्भवती महिलाओं को वित्तीय सहायता, मुफ्त प्रसव और नवजात देखभाल, आपातकालीन प्रसूति सेवाएं, पोषण, प्रसव योजना और प्रेग्नेंसी एंड चाइल्ड ट्रैकिंग इवैल्यूएशन सॉफ्टवेयर जैसी कई योजनाएं लागू की गई हैं।

सरकार ने बताया कि तमिल संस्कृति और परंपरा में 'थायमामन सीर' की परंपरा को ध्यान में रखते हुए तथा सरकारी चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य सेवाओं में लोगों का विश्वास और मजबूत करने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की जा रही है। इसके लिए 23 जून 2026 को शासनादेश जारी किया गया था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में हर साल करीब 7.80 लाख बच्चों का जन्म होता है। इनमें 99.9 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में होते हैं। करीब 4.20 लाख यानी 53 प्रतिशत प्रसव सरकारी अस्पतालों में होते हैं।

योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले सभी बच्चों को एक ग्राम वजन का सोने का छल्ला दिया जाएगा। प्रत्येक छल्ले पर यूनिक सीरियल नंबर होगा और इन्हें छेड़छाड़-रोधी पैकेजिंग में रखा जाएगा। योजना के लिए पहले चरण में 1,28,000 सोने के छल्ले खरीदे जा चुके हैं।

इस योजना का लाभ तमिलनाडु की स्थायी निवासी माताओं को मिलेगा।

'पाकिस्तानी नौसेना के जहाजों का व्यवहार अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर है', जहाजों की टक्कर पर विदेश मंत्रालय का बयान

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को पश्चिमी अरब सागर में 15 सितंबर को भारतीय नौसेना के आईएनएस कोलकाता और पाकिस्तानी नौसेना के जहाज हुनैन के बीच हुई टक्कर को लेकर पड़ोसी देश के आरोपों को खारिज कर दिया और इसे हमेशा की तरह टालमटोल की नीति बताया।

नई दिल्ली में शुक्रवार को द्वि-साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज हुनैन का व्यवहार 'अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर' था, जिसके कारण यह टक्कर हुई। हालांकि, आईएनएस कोलकाता को कोई नुकसान नहीं हुआ।

जायसवाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, 'हमने हमारे द्वारा दर्ज कराए गए विरोध पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया देखी है। यह वही टालमटोल है, जिसकी हमने उम्मीद की थी। हम इसमें लगाए गए आरोपों और निहितार्थों को खारिज करते हैं। मैं आपके लिए मामले के तथ्यों को दोहराता हूं। आईएनएस कोलकाता पश्चिमी अरब सागर में नियमित तैनाती पर था, जब पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज हुनैन ने समुद्र में अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर तरीके से व्यवहार किया, जिसके परिणामस्वरूप टक्कर हुई।

आयकर रिटर्न दाखिल नहीं करने के मामले में अभिनेता एसजे सूर्या को मद्रास हाईकोर्ट से झटका

विश्व केसरी■



चेन्नई। आयकर रिटर्न दाखिल नहीं करने से जुड़े छह मामलों में डिस्चार्ज की मांग को लेकर अभिनेता और निर्देशक एस.जे. सूर्या की ओर से दायर याचिकाएं वापस लेने के बाद मद्रास हाईकोर्ट ने उन्हें खारिज कर दिया।

आयकर विभाग ने एस.जे. सूर्या के खिलाफ एग्मोर कोर्ट में छह मामले दर्ज कराए थे। विभाग का आरोप था कि उन्होंने वित्तीय वर्ष 2002-03 से 2009-10 के बीच छह वित्तीय वर्षों के लिए आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया।

एस.जे. सूर्या ने इन सभी छह मामलों से डिस्चार्ज की मांग करते हुए मद्रास हाईकोर्ट का रुख किया था। न्यायमूर्ति सुंदर मोहन के समक्ष शुक्रवार को इन याचिकाओं पर सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान आयकर विभाग ने अदालत को बताया कि एस.जे. सूर्या ने वर्ष 2022 में भी इन छह मामलों को रद्द करने की मांग को लेकर याचिकाएं दायर की थीं, जिन्हें पहले ही खारिज किया जा चुका है। विभाग ने यह भी कहा कि मौजूदा याचिकाएं भी उन्हीं आधारों पर दायर की गई हैं।

इसके बाद न्यायाधीश ने कहा कि एस.जे. सूर्या को सभी छह मामलों का सामना करना होगा और इन याचिकाओं पर विचार नहीं किया जा सकता। इस पर एस.जे. सूर्या की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि वह सभी छह याचिकाएं वापस लेना चाहते हैं। अदालत ने याचिकाएं वापस लेने की अनुमति देते हुए सभी छह याचिकाओं को वापस ली गई ।

गुना में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नमो ड्रोन दीदी के साथ उड़ाया ड्रोन

विश्व केसरी■



गुना। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इन दिनों अपने संसदीय क्षेत्र गुना के प्रवास पर हैं। वे बरखेड़ा गिर्द में शुक्रवार को आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर में पहुंचे, जहां उन्होंने नमो ड्रोन दीदी किरण के साथ ड्रोन उड़ाया।

मध्य प्रदेश में शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में जनप्रतिनिधि और अधिकारी गांव तक पहुंचाते हैं। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री सिंधिया बरखेड़ा गिर्द गांव में पहुंचे, जहां किरण ने ड्रोन संचालन की तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने उनकी कार्यकुशलता, आत्मविश्वास एवं तकनीक के प्रति सजगता की सराहना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

नमो ड्रोन दीदी योजना के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का प्रभावी उपयोग कर नई संभावनाओं का सृजन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास तथा आधुनिक तकनीक के विस्तार को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है।

कर्नाटक सरकार ने 'मरीन बायोटेक पॉलिसी' को दी मंजूरी, उडुपी में ब्लू इकोनॉमी इंस्टीट्यूट बनाने का भी फैसला

विश्व केसरी■



बेंगलुरु/मुंबई। कर्नाटक सरकार ने समुद्री क्षेत्र में बड़ी पहल करते हुए 'कर्नाटक मरीन बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी- 2026-31' को मंजूरी दी है। इसके साथ ही तटीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 12 द्वीपों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने का भी फैसला लिया गया है।

पॉलिसी के तहत सरकार उडुपी में 'कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ मरीन बायोटेक्नोलॉजी एंड ब्लू इकोनॉमी' स्थापित करेगी। इसके साथ ही अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, एक बायोबैंक और इनक्यूबेशन सेंटर भी बनाया जाएगा। सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए अगले पांच साल में 60 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव रखा है। इस पहल से समुद्री जैव संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग, रिसर्च और स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा।

कैबिनेट ने दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़ और उडुपी जिलों में स्थित 12 द्वीपों को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर विकसित करने को हरी झंडी दी है। सरकार का लक्ष्य इन द्वीपों को इको-टूरिज्म हब बनाना है।

दूसरी तरफ, भारत सरकार के 'स्वच्छ भारत अभियान' और प्रधानमंत्री के 'स्वच्छता ही सेवा' आह्वान के तहत मुंबई के जुहू बीच पर 'इंटरनेशनल कोस्टल क्लीनअप ड्राइव- 2026' का आयोजन किया गया।

बिहार में 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' शुरू, 30 नवंबर तक छोटे विकास कार्य पूरे करने के निर्देश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' की शुरुआत की। इस अभियान के तहत पंचायत स्तर पर सार्वजनिक सुविधाओं और परिसंपत्तियों को बेहतर एवं स्वच्छ बनाने के साथ नई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को 30 नवंबर तक छोटे-छोटे विकास कार्यों को हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया।

लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'कायाकल्प' पोर्टल का भी लोकार्पण किया।

इस पोर्टल के जरिए विभिन्न योजनाओं की प्रगति की निगरानी आसान होगी और लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी।

शपथ पत्र

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका पंचकौर बघेल पिता / पति स्व. सुफेल बघेल जति भतरा निवासी ग्राम सोरगांव तहसीलदार भानपुरी के द्वारा अपने गां सरादी पति स्व. सुफेल बघेल की जन्म / मृत्यु दिनांक 21 /09 /2023 को होना बताते हुए जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग किया गया है ।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से नियत तिथि 22/09/2026 तक आपत्ति पेश कर सकते है। म्याद पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 08/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीक मुद्रा सहित जारी किया ।

तहसीलदार
भानपुरी

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
-:: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....34692...../ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34692
वार्ड का नाम 29 गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR330F00256** जो की निगम अभिलेख श्री । श्रीमती **MRS. MARYAM NAG** पिता / पति श्री श्रीमती **DEENDAYAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. संदीप वैध पिता श्री प्रशांत वैध 2. अर्पणा वैध पति श्री संदीप वैध पिता । पति श्री श्रीमती 1. पिता श्री प्रशांत वैध 2. पति श्री संदीप वैध** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / malma bikri nama, shapathpatra, aadhar card / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा। आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35380..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 17-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्रक्र. 35380
वार्ड का नाम 48 - गुरू घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR344H00045** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **ARJUNDAS** पिता / पति श्री श्रीमती **PRIYAL MAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती भावना मेघानी पिता/पति श्री/श्रीमती स्व. राजेश कुमार मेधानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35257..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 17-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र क्र. 35257
वार्ड का नाम 33 - शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 33 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR332J0200A** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **BASANT RAM DHAMECH** पिता / पति श्री श्रीमती **MANSHA RAMDHAMECHA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती श्री सूर्यकांत टाटमिया पिता/पति श्री श्रीमती स्व. श्री मणि लाल टाटमिया** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /... 35461..../ न. पा. नि. जोन क्रं- 2/2026
रायपुर, दिनांक 18-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35461
वार्ड का नाम 14-रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR220A00311** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **RAMJANKI MANDIR SARVARAKAR MAHANT HARIDAS JI GURU LATE. MAHANT GIRIVAR DAS JI** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्री महंत सुरेन्द्र दास गुरु स्व. महंत हरिदास पिता/पति श्री/श्रीमती ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /न्यायालय पंजीयक, सार्वजनिक न्यास आदेश पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /... 35452... न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 18-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35452
वार्ड का नाम 12- कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी **RPR330A00032** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **P.L. DEEN** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. उमाकान्ता दीन 2. पीयूष दीन 3. सौरभ दीन पिता/पति श्री श्रीमती स्व. पी.एल.दीन ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **B1. MRITYU PRAMAN PATRA** / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं)
: : मंगलम कामर्शियल अगासेन चौक, रायपुर : : -
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /...35455/ न. पा. नि. जोन क्र 7/2026
रायपुर, दिनांक 18-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35455
वार्ड का नाम - 36 - तात्यापारा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR717D00306** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **HARISH WADHWANI** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE TEKCHAND WADHWANI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्रीमती रम्भा साहू पिता / पति श्री/श्रीमती पति हनुमंत साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवेश कुमार राम ने संगठन को सशक्त बनाने के लिए दिया विस्तार का मंत्र

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक में मंथन

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा, छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण प्रदेश कार्यसमिति बैठक शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सनम जांगड़े की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद शिवेश कुमार राम की विशेष उपस्थिति रही।

बैठक में अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा प्रदेशभर में किए गए संगठनात्मक कार्यों, सामाजिक गतिविधियों एवं जनसेवा के कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। मंडल एवं जिला स्तर पर संगठन की सक्रियता को और प्रभावी बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। आगामी समय के लिए मोर्चा की कार्ययोजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा समाज के विभिन्न वर्गों तक निरंतर संपर्क एवं संवाद स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में सामाजिक समरसता को संगठन की प्राथमिकताओं में रखते हुए समाज के सभी वर्गों के बीच संवाद, संपर्क एवं सहभागिता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। समरस समाज के निर्माण के लिए संगठनात्मक स्तर पर निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया गया। कार्यसमिति में यह संकल्प व्यक्त किया गया कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा समाजहित से जुड़े कार्यों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाई जाएगी और जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे। प्रदेश कार्यसमिति में संगठन को जिला, मंडल एवं बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों से निरंतर जोड़ने पर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण, संवाद और सक्रिय सहभागिता को संगठन की मजबूती का महत्वपूर्ण आधार बताया गया। बैठक का उद्देश्य संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं समाज के बीच संगठन की सक्रियता को और व्यापक बनाना रहा।

विचारधारा एवं जनकल्याणकारी कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाएँ : राम

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवेश कुमार राम ने प्रदेश कार्यसमिति को संबोधित करते हुए संगठन को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान किया। श्री राम ने कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा एवं जनकल्याणकारी कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का आह्वान किया।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री साय ने किया मार्गदर्शन

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने संगठन की कार्यपद्धति, अनुशासन एवं सक्रियता को मजबूत करने पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। साय ने कार्यकर्ताओं को संगठन की शक्ति और विस्तार का आधार बताते हुए निरंतर सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। बैठक में कैबिनेट मंत्रीगण दयालदास बघेल, गुरु खुशवंत साहेब एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वरिष्ठ नेताओं ने अनुसूचित जाति समाज के उत्थान, सम्मान एवं सशक्तीकरण के लिए संगठन की भूमिका को और प्रभावी बनाने पर विचार रखे।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

सरकार की उदासीनता के कारण लाखों श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचितः सुशील सन्नी अग्रवाल

श्रम मंत्री केवल आबकारी विभाग की गतिविधियों में व्यस्त

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल ने वर्तमान राज्य सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों और श्रम विभाग की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा है कि वर्तमान सरकार को प्रदेश के लाखों श्रमिकों के कल्याण और उनकी समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है।

सुशील सन्नी अग्रवाल ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार के दौरान कर्मकार मंडल के अंतर्गत लगभग 30 जन-कल्याणकारी योजनाएं पूरी सक्रियता से संचालित थीं। इन योजनाओं का सीधा और पूरा लाभ प्रदेश के पंजीकृत श्रमिकों को समय पर मिल जाता था। इसके विपरीत, वर्तमान सरकार की प्रशासनिक विफलता और इच्छाशक्ति की कमी के कारण आज पूरे छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में लाखों की संख्या में श्रमिकों के आवेदन लंबित पड़े हुए हैं। लंबित आवेदनों का यह विशाल आंकड़ा साफ दर्शाता है कि सरकार श्रमिकों के हक और अधिकारों को लेकर कितनी असंवेदनशील है।

उन्होंने श्रम विभाग के नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश के श्रम मंत्री विभागीय कार्यों और श्रमिकों की सुध लेने के बजाय केवल आबकारी विभाग की गतिविधियों में ही व्यस्त हैं। श्रम विभाग के अधिकारियों का ध्यान जनहित से पूरी तरह हट चुका है। अग्रवाल ने आगे आरोप लगाया कि पूरे श्रम विभाग के अधिकारियों की चॉइस सेंटरों के साथ मिलीभगत चल रही है, जिसके चलते श्रमिकों को अपने जायज आवेदनों और योजनाओं के लाभ के लिए भटकना पड़ रहा है। श्रमिकों की सहूलियत के लिए ब्लाक स्तर पर जो 'श्रम संसाधन केंद्र' (लेबर रिसोर्स सेंटर) खोले गए थे, वे आज पूरी तरह से विफल और निष्क्रिय साबित हो चुके हैं। वहां न तो श्रमिकों की सुनवाई हो रही है और न ही उन्हें कोई सही मार्गदर्शन मिल पा रहा है। वर्तमान बीजेपी सरकार जिन योजनाओ को लेकर अपना वाहवाही लूट रही है वो पूरी योजनाएं काँग्रेस सरकार की बनाई हुई। केवल नाम बदलकर अमलीजामा पहनाया जा रहा है। ekyc के नाम पर श्रमिकों को परेशान किया जा रहा है जिसके कारण लाखों श्रमिक योजनाओ का लाभ पाने से वंचित हो रहे हैं। सुशील सनी अग्रवाल ने कहा की मैं मिथ्या आरोप नहीं लगा रहा हूँ आप खुद मेरे दिए हुए आँकड़ें देख सकते है। रायपुर जिले मे लंबित आवेदन 86812, धमतरी मे 80009, दुर्ग मे 43556, महासमुंद मे 22346, गरियाबंद जैसे ट्राइबल क्षेत्र मे 26194 आवेदन लंबित दिखाई दे रहे हैं। इस प्रकार पूरे छत्तीसगढ़ मे कुल 1220620 आवेदन लंबित है। इसी तरह योजना के अंतर्गत जैसे 15663 आवेदन, नौनिहाल छात्रवृति योजना मे 356556 आवेदन, बच्चों के गणवेश एवं पुस्तक कॉपी मे 167922 सहित कुल 610310 आवेदन लबित हैं। इससे यह श्रम विभाग की घोर लापरवाही और श्रमिकों के प्रति उदासीनता साफ दिखता है। अग्रवाल ने कहा की श्रम मंत्री के दो खास प्रफुल्ल तिवारी और नरेंद्र पाटनवार दोनों विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का ट्रांसफ़र, फैक्ट्री के लाइसेन्स, बार लाइसेन्स, चॉइस सेंटर के साथ सेटिंग कर लाखों रुपये का लेंन देंन करते हैं जिसके कारण आज गली गली मे बार खुल रहे हैं और पूरा छत्तीसगढ़ के युवा नशे मे डूब रहे हैं। अग्रवाल ने कहा की पूर्व सरकार मे मण्डल की योजनाओ का लाभ लेने हेतु केवल 90 दिवस मे पंजीकृत होने के उपरांत ही मिल जाता था पर आज बहुत सी योजनाओ मे लगभग 3 वर्ष पूर्ण होने पर ही लाभ मिल सकता है। बीजेपी की सरकार केवल दिखावा करती है और अपने प्रधानमंत्री के जनम दिवस पर विश्वकर्मा जयंती के नाम पर श्रमिक सम्मेलन का स्वांग किया जाता हैं, और केवल दिए ही नहीं महंगे इलेक्ट्रॉनिक दिए का इस्तेमाल भी किया गया था। सुशील सन्नी अग्रवाल ने सरकार से मांग की है कि वह राजनीति से ऊपर उठकर प्रदेश के मेहनतकशों के भविष्य से खिलवाड़ करना बंद करे। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जिलों में लंबित लाखों आवेदनों का तत्काल निपटारा कर श्रमिकों को उनका हक नहीं दिया गया, तो कांग्रेस पार्टी श्रमिकों के अधिकारों के लिए सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।

कोटवारी जमीन बिक्री में पटवारी अटैच, सात सदस्यीय टीम करेगी जांच

विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। कोबिया पटवारी हल्का नंबर 27 में कोटवारी जमीन की बिक्री का मामला सामने आने के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने पटवारी बोधी राम निषाद को जिला कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा में अटैच कर दिया है। वहीं पूरे मामले की जांच के लिए बेमेतरा एसडीएम दिव्या पोटाई के नेतृत्व में सात सदस्यीय टीम गठित की गई है। टीम को निर्धारित समय सीमा में जांच पूरी कर प्रतिवेदन कलेक्टर को सौंपना होगा।

मामले में शुरुआती जांच में ही राजस्व रिकॉर्ड और जमीन के दस्तावेजों को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कोबिया हल्का नंबर 27 में केवल कोटवारी जमीन की बिक्री का मामला नहीं है, बल्कि आसपास की जमीनों के राजस्व रिकॉर्ड और नक्शे में भी गड़बड़ी की आशंका है। कई भू-स्वामियों ने अपनी जमीन दूसरे खातेदारों के नाम दर्ज होने की शिकायत की है। इसके बाद दर्जनों भू-स्वामी अपनी जमीन का सीमांकन कराने के लिए राजस्व कार्यालय में आवेदन दे रहे हैं।

ऑनलाइन रिकॉर्ड में कोटवारी भूमि का उल्लेख हटाने का आरोप

कोटवारी जमीन बिक्री के मामले में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कैफियत को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। शिकायत के अनुसार ऑनलाइन दस्तावेज के कैफियत कॉलम में जमीन के कोटवारी होने का उल्लेख दर्ज था। बाद में इस उल्लेख को हटाकर ऑनलाइन दस्तावेज जारी किए जाने की बात सामने आई है। इसी दस्तावेज के आधार पर पंजीयन की प्रक्रिया आगे बढ़ी और प्रवीण दास मानिकपुरी के नाम जमीन की रजिस्ट्री हुई।

यह मामला इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि कोटवार के नाम शासन से आबंटित जमीन के हस्तांतरण पर सवाल उठ रहे हैं। शासन ने संबंधित जमीन कोटवार संतु दास मानिकपुरी के नाम आबंटित की थी। अब इस जमीन की खरीद-बिक्री में राजस्व रिकॉर्ड में कथित बदलाव और दस्तावेजों के आधार पर रजिस्ट्री होने की जांच की जा रही है।

पटवारी के साथ अन्य अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल

मामले में केवल पटवारी की भूमिका की जांच नहीं होगी, बल्कि राजस्व रिकॉर्ड तैयार करने से लेकर ऑनलाइन दस्तावेज और पंजीयन की प्रक्रिया तक जुड़े अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में रहेगी। शिकायत में राजस्व अभिलेख में कथित कूटरचना कर जमीन की खरीद-बिक्री किए जाने का आरोप लगाया गया है।

नो पार्किंग पर खड़े माल वाहक गाड़ियां दे रहे दुर्घटना को आमंत्रण

लाइसेंस नहीं तो कटेगा चालान, एसीसी सीमेंट फैक्ट्री के कार्य प्रणाली पर उठे सवाल

विश्व केसरी■



भिलाई-जामुल (संतोष सिंह)। एसीसी कंपनी की सीमेंट से भरी गाड़ियां बोगदा फूल नंदिनी रोड पर खड़े रहती हैं। इससे आवा जाही में आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां तक की वाहन चालकों को दुर्घटना की आशंका बनी रहती है वहीं पिछले कई अवसरों पर कई बड़ी दुर्घटना भी सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद अब तक कोई सार्थक कार्यवाही सामने नहीं आ पाई है, जबकि यातायात के अधिकारी और कर्मचारी बोगदा पुल के नीचे गाड़ी पर कार्यालय जमा कर दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहनों की चालान की कार्रवाई आसानी से करते हैं। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि जिन स्थानों पर सड़क ब्लॉक करके दुर्घटना की समस्या को और चुनौती को पेश किया जा रहा है ।वहीं पर यातायात की निरीक्षक चालान काटते खड़े दिखाई पड़ते हैं।

उल्लेखनीय है कि जामुल स्थित एसीसी सीमेंट फैक्ट्री की सीमेंट से भरी गाड़ियां 24 घंटे सड़क के दाएं और बाएं और खड़ी रहती हैं। इसे निरंतर जाम की चुनौती बनती है बावजूद कई बार सीमेंट फैक्ट्री के प्रबंधन को शिकायत की गई। लेकिन अब तक कोई परिणाम सामने नहीं आ पाया है। बता दें कि इस मार्ग से न केवल दोपहिया और चार पहिया वाहन गुजरते हैं, बल्कि स्कूल बस भी चलती हैं जो कई बार जाम में फंस जाती हैं। इसे पढ़ने वाले बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां तक की मार्ग में कई बार दुर्घटना घटित हो चुकी है इससे लोग परेशान हैं और घबराहट से वाहन चलाते हुए गंतव्य तक पहुंचाते हैं। जबकि पुलिस की गाड़ियां पर कार्यालय बन जाता है और गाड़ियों के चालान की कार्रवाई की जाती है। सवाल यह है कि गाड़ियों के चालान तो काट दिए जा रहे हैं, पर क्या यातायात को बहाल करना सुगम बनाना यातायात निरीक्षक को का कर्तव्य नहीं है। अगर है तो ध्यान दिया जाना चाहिए, नहीं तो निरंतर यह चुनौती बनी रहेगी और एक बड़ी समस्या से आने वाले दिनों में यातायात विभाग को जूझना पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक यह भी कहा जाता है कि कंपनी की गाड़ी को लेकर पुलिस वाले कार्रवाई करने में घबराते हैं। सार्थक कदम नहीं उठा पाते हैं या फिर यह अन्य कोई और व्यवस्था है, जिसके कारण पुलिस के निरीक्षक कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं।

अलग स्थानों पर दबिश देकर 19.5 लीटर अवैध शराब जप्त किया गया

विश्व केसरी■





धमतरी (राजशेखर नायर)। थाना केरेगांव पुलिस ने मुखबिर से प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अवैध शराब बिक्री में संलिप्त एक महिला सहित 02 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

राजीव नगर फुटहामुड़ा, माकरदोना: थाना केरेगांव पुलिस टीम द्वारा सूचना की तस्दीक के बाद राजीव नगर फुटहामुड़ा में दबिश दी गई। मौके पर रमुला बाई कमार पति स्व. रंजीत कमार, उम्र 32 वर्ष, निवासी राजीव नगर फुटहामुड़ा (माकरदोना) को अवैध शराब बिक्री करते पकड़ा गया। उसके कब्जे से 3.500 लीटर शराब, कीमत लगभग 350/-रूपये एवं बिक्री रकम 200/-रूपये, कुल 550/-रूपये की जब्ती की गई। प्रकरण में अपराध क्रमांक 22/2026, धारा 34(ए) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इसी प्रकार पुलिस टीम द्वारा ग्राम बांसपारा कुकरेल स्थित आरोपी के घर की बाड़ी में दबिश दी गई, जहां चंदर कमार पिता कृपाराम कमार, उम्र 26 वर्ष, निवासी बांसपारा कुकरेल को अवैध कच्ची महुआ शराब की बिक्री करते पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 16 लीटर अवैध महुआ शराब, कीमत लगभग 1,600/-रूपये एवं बिक्री रकम 350/-रूपये, रूपये कुल 1,950/-रूपये की जब्ती की गई।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और कदम जीके इलेक्ट्रिक ने की 25 ई-रिक्शा की आपूर्ति

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक महासम्मेलन 2026 में जीके इलेक्ट्रिक को छत्तीसगढ़ श्रम विभाग की दीदी ई-रिक्शा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को ई-रिक्शा उपलब्ध कराने में 25 वाहनों के आपूर्ति साझेदार के रूप में सहभागी बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर लाभार्थियों को प्रदान किए जाने वाले ई-रिक्शा का फ्लैग ऑफ माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ विष्णु देव साय जी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में माननीय श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, माननीय सांसद सुनील सोनी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड संजय श्रीवास्तव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

यह पहल श्रमिक परिवारों एवं पात्र लाभार्थियों को स्वरोजगार और स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से यह योजना पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देती है।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर जी के इलेक्ट्रिक के डायरेक्टर पुनीत परवानी जी ने बताया की दीदी ई-रिक्शा योजना जैसे जनकल्याणकारी अभियान का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व और सम्मान की बात है। जीके इलेक्ट्रिक के लिए यह केवल ई-रिक्शा की आपूर्ति नहीं, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके लिए आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराने में अपना योगदान देने का अवसर है।

व्यापारिक संगठनों ने किया संवाद

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण आर्थिक विकास, स्थानीय व्यापार को नई गति देने तथा प्रदेश की स्वदेशी वस्तुओं, कला, संस्कृति और पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) एवं स्वदेशी व्यापारी मंच के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय व्यापक व्यापारी संवाद का आयोजन किया गया।

बंसुला डीपा के शिव मंदिर में धातु की सामग्री चोरी, ग्रामीणों में आक्रोश

विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। समीपस्थ ग्राम बंसुला डीपा स्थित रुद्रा खेल मैदान के समीप दर्राखांचा तालाब किनारे स्थित शिव मंदिर में अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा तांबे का चेरू पात्र, तांबे का सर्प सहित अन्य धातु की पूजन सामग्री चोरी किए जाने का मामला सामने आया है।

घटना की जानकारी 16 सितंबर, बुधवार को नुआखाई पर्व के अवसर पर सुबह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे ग्रामीणों को हुई।

मंदिर से पूजन सामग्री गायब मिलने के बाद ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। बताया गया कि यह शिव मंदिर बंसुला डीपा के ग्रामीणों की आस्था का प्रमुख केंद्र है।

मंदिर निर्माण एवं प्राण-प्रतिष्ठा की पहल शिवजी के अनन्य भक्त पवन कुमार पटेल, पिता स्व. लीलाम्बर पटेल द्वारा की गई थी।

ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर का निर्माण एवं प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त में सुबह करीब 4 बजे से ही श्रद्धालुओं के स्नान के बाद मंदिर में पूजा-अर्चना का क्रम शुरू हो जाता है, जो देर रात तक चलता रहता है।

श्रद्धालुओं की लगातार आवाजाही को देखते हुए मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर सामान्यत: ताला-चाबी नहीं लगाई जाती। इसी व्यवस्था का फायदा उठाकर चोरी किए जाने की आशंका ग्रामीणों द्वारा जताई जा रही है।

बुधवार सुबह नुआखाई पर्व के अवसर पर ग्रामीण जब भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने मंदिर पहुंचे।



तब गर्भगृह में स्थापित धातु की पूजन सामग्री गायब मिली। विशेष रूप से तांबे का सर्प, चेरू पात्र सहित अन्य बहुमूल्य धातु की सामग्री नहीं मिलने पर भक्तों को चोरी की आशंका हुई।

घटना की जानकारी तत्काल बंसुला डीपा के जनप्रतिनिधियों को दी गई। इसके बाद ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में मंदिर परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गर्भगृह से पूजन सामग्री गायब होने की पुष्टि हुई। घटना की जानकारी फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर में पहुंचे और चोरी को लेकर नाराजगी व्यक्त की.

पहले भी हो चुकी है चोरी की घटना

बंसुला डीपा के ग्रामीणों ने बताया कि शिव मंदिर परिसर में चोरी की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी मंदिर के भीतर से दान पेटी समेत अन्य सामान चोरी होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

बंसुला डीपा के ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर में श्रद्धालुओं की लगातार आवाजाही होने के बावजूद सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण ऐसी घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

बंसुला डीपा के श्रद्धालू महिला पुरुषों के अनुसार, करीब दो-चार महीने पहले भी मंदिर में चोरी की घटना सामने आई थी। ग्रामीणों के अनुसार, उस समय बंसुला डीपापारा गांव के ही एक 32 वर्षीय व्यक्ति के संबंध में सामान लेकर अन्य स्थान पर बिक्री किए जाने की जानकारी सामने आई थी। मामले में ग्रामीणों की बैठक हुई थी, जिसमें समझाइश देकर भविष्य में ऐसी घटना नहीं दोहराने की बात कही गई थी, यह बात भी ग्रामीणों ने बताई।

ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व की घटना के बाद भी अब दोबारा मंदिर से धातु की पूजन सामग्री चोरी होना गंभीर चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने मंदिर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

एक कॉल आया... और राजकुमार अग्रवाल बन गए किसी अनजान मां की जिंदगी की उम्मीद

विश्व केसरी■



बसना (अशोक प्रधान)। एक फोन कॉल... सामने से सिर्फ इतनी जानकारी कि एक गर्भवती महिला को रक्त की सख्त जरूरत है। न कोई पहचान पूछी, न यह जानने की कोशिश की कि महिला कौन है और किस परिवार से है। जरूरतमंद की जिंदगी बचाने की पुकार सुनते ही पत्रकार राजकुमार अग्रवाल रक्तदान के लिए पहुंच गए।

13 सितंबर 2026 को राजकुमार अग्रवाल ने 12वीं बार रक्तदान किया। इस बार उनका रक्त एक ऐसी गर्भवती महिला के लिए जीवनदायी बना, जिसे रक्त की कमी के चलते इसकी तत्काल आवश्यकता थी।

मानवता की असली पहचान शायद यही है— जब मदद करने से पहले यह नहीं पूछा जाता कि सामने वाला अपना है या पराया। एक कॉल आया और बिना किसी स्वार्थ के रक्तदान के लिए आगे आना समाज के लिए एक प्रेरणादायी संदेश है। रक्तदान के बाद राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान किसी व्यक्ति की पहचान देखकर नहीं, बल्कि जरूरत देखकर किया जाना चाहिए। हमारा छोटा सा प्रयास किसी मां की जिंदगी बचा सकता है, किसी बच्चे को अपनी मां का प्यार मिल सकता है और किसी परिवार के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट सकती है।

एक कॉल... एक रक्तदाता... और एक जिंदगी बचाने की कोशिश

आज जब रक्त की जरूरत के समय कई परिवार परेशान होकर मदद की तलाश करते हैं, ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदाता किसी फरिश्ते से कम नहीं होते। राजकुमार अग्रवाल का 12वीं बार रक्तदान यह संदेश देता है कि रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति जिम्मेदारी है।

संपादकीय

विज्ञापन, अखबार और जवाबदेही का सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

अखबार के प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित हर सामग्री पाठक के मन में एक विशेष विश्वसनीयता पैदा करती है। यही कारण है कि जब किसी विवादित व्यक्ति या संस्था के पक्ष में पूरे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित होता है और उसका प्रस्तुतीकरण समाचार या तथ्यात्मक पड़ताल जैसा दिखाई देता है, तो मामला केवल विज्ञापन और भुगतान तक सीमित नहीं रहता। वह मीडिया की विश्वसनीयता, संपादकीय विवेक और सामाजिक जवाबदेही से जुड़ जाता है।

12 सितंबर 2026 को 'द हिन्दू' के दिल्ली, मोहाली और उत्तर भारत के संस्करणों में ' एक डेरा' से संबंधित एक पूरे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित हुआ। इसी तरह का विज्ञापन 'दैनिक भास्कर' के दिल्ली संस्करण में भी प्रकाशित होने की रिपोर्ट सामने आई। विज्ञापन का शीर्षक था—'क्या है डेरा? तथ्य बनाम कल्पना'। इसमें डेरा और उसके प्रमुख जो जेल में बन्द ही के पक्ष में कई दावे तथा उनके विरुद्ध चल रहे मामलों को लेकर बचाव का पक्ष प्रस्तुत किया गया था।

विवाद बढ़ने के बाद 'द हिन्दू' ने 13 सितंबर को अपने प्रथम पृष्ठ पर बिना शर्त माफी प्रकाशित की। अखबार ने विज्ञापन को 'आपत्तिजनक' और 'अत्यंत आपत्तिजनक' बताते हुए पाठकों से क्षमा मांगी। 15 सितंबर को अखबार ने यह भी कहा कि वह उस विज्ञापन का बिल नहीं उठाएगा और उससे कोई व्यावसायिक लाभ नहीं लेना चाहता।

यहां से मीडिया की जिम्मेदारी पर एक बड़ा सवाल खड़ा होता है। यदि किसी सामग्री के प्रकाशन के बाद स्वयं प्रकाशक यह स्वीकार करता है कि वह सामग्री गंभीर रूप से आपत्तिजनक थी, तो स्वाभाविक प्रश्न है कि प्रकाशन से पहले उसकी जांच और मूल्यांकन की व्यवस्था कैसी थी? विज्ञापन विभाग और संपादकीय विभाग के बीच संस्थागत दूरी आवश्यक है, लेकिन क्या केवल यह दूरी किसी समाचारपत्र को प्रकाशित सामग्री के सामाजिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त कर देती है?

मुद्दा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि विज्ञापन साधारण उत्पाद या सेवा का प्रचार नहीं था। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इसमें डेरा प्रमुख से जुड़े कानूनी मामलों, उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों और संस्था की सामाजिक गतिविधियों को लेकर पक्ष रखा गया था। विज्ञापन में डेरा की ओर से नशामुक्ति, रक्तदान, वृक्षारोपण और अन्य सामाजिक गतिविधियों से संबंधित आंकड़े भी प्रस्तुत किए गए थे। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि विज्ञापन में दिखाई नहीं देती थी।

यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। किसी व्यक्ति या संस्था को अपना पक्ष रखने का अधिकार है। समाचारपत्रों को विज्ञापन प्रकाशित करने का व्यावसायिक अधिकार भी है। लेकिन विज्ञापन को विज्ञापन के रूप में स्पष्ट रूप से चिह्नित करना और पाठक को यह बताना कि उसके दावे विज्ञापनदाता के हैं, मीडिया संस्थान की जिम्मेदारी का केवल एक हिस्सा है। जब वही सामग्री प्रथम पृष्ठ पर, अखबार के नाम और प्रतिष्ठा के ठीक नीचे, समाचार-जैसे शीर्षकों और आंकड़ों के साथ प्रस्तुत होती है, तब पाठक के मन में उसके प्रभाव का प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है।

विज्ञापन पर अस्वीकरण भी इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। संबंधित प्रकाशनों में यह उल्लेख किया गया था कि विज्ञापन की रचनात्मक सामग्री में अखबार की संपादकीय या पत्रकारिता संबंधी भूमिका नहीं है। फिर भी मीडिया विशेषज्ञों के बीच यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल अस्वीकरण पर्याप्त है, विशेषकर तब जब भुगतान की गई सामग्री अत्यंत प्रमुख स्थान पर प्रकाशित हो और उसकी भाषा समाचार जैसी प्रतीत हो।

13 सितंबर को सामने आई तस्वीरों और रिपोर्टों के अनुसार वही विज्ञापन 'दैनिक जागरण' के प्रथम पृष्ठ पर भी प्रकाशित हुआ। यह तथ्य अपने आप में किसी अखबार की संपादकीय नीति पर अंतिम निष्कर्ष देने के लिए पर्याप्त नहीं है, लेकिन इससे एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक प्रश्न जरूर पैदा होता है—क्या बड़े समाचारपत्रों के पास संवेदनशील विज्ञापनों की स्वीकार्यता तय करने के लिए कोई स्पष्ट नैतिक कसौटी होनी चाहिए?

यह प्रश्न केवल 'दैनिक जागरण', 'दैनिक भास्कर' या 'द हिन्दू' का नहीं है। कल कोई अन्य समाचारपत्र भी ऐसी स्थिति में हो सकता है। यदि मीडिया संस्थान केवल यह कहकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त कर दें कि 'यह विज्ञापन था, समाचार नहीं', तो धीरे-धीरे विज्ञापन और समाचार के बीच की रेखा पाठक के लिए धुंधली हो सकती है।

पत्रकारिता की सबसे बड़ी पूंजी उसका पाठक-विश्वास है। विज्ञापन से मिलने वाली आय महत्वपूर्ण है, क्योंकि समाचारपत्रों के संचालन में आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। लेकिन व्यावसायिक आवश्यकता और सार्वजनिक विश्वसनीयता के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी है। विशेषकर ऐसे मामलों में, जिनमें न्यायालयों में चले मामलों, गंभीर आरोपों या दंडित व्यक्तियों से जुड़े प्रश्न शामिल हों, विज्ञापन की भाषा और प्रस्तुतीकरण पर अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित है।

यहां मीडिया के सामने एक व्यावहारिक रास्ता भी हो सकता है। विवादित या संवेदनशील विज्ञापनों के लिए स्वतंत्र पूर्व-जांच व्यवस्था हो। ऐसे विज्ञापनों को प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित करने के लिए विशेष अनुमति आवश्यक हो। तथ्यात्मक दावों और न्यायिक मामलों से संबंधित सामग्री में स्पष्ट रूप से लिखा जाए कि कौन-सा दावा विज्ञापनदाता का है। यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध न्यायालय का निर्णय मौजूद है।

अमेरिका की नई पैंतरेबाजी से डरने की जरूरत नहीं

ललित गर्ग

विश्व राजनीति में शक्ति केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक आकार से निर्धारित नहीं होती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि कोई महाशक्ति अपने प्रभाव का इस्तेमाल किस प्रकार करती है। आज अमेरिका की व्यापार एवं प्रतिबंध नीति इसी कसौटी पर बहस के केंद्र में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने टैरिफ और आर्थिक प्रतिबंधों को विदेश नीति के प्रमुख उपकरणों के रूप में अधिक आक्रामक ढंग से इस्तेमाल किया है। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर संभावित 100 प्रतिशत तक टैरिफ का अधिकार देने वाला नया अमेरिकी विधेयक इसी बदलते रुख का ताजा उदाहरण है, लेकिन इस नये बिल के जरिये वह भारत पर दबाव नहीं बना सकता। भारत को इससे डरने की अपेक्षा नहीं है, क्योंकि नई बन रही विश्व-संरचना में यह बिल अधिक प्रभावी नहीं बन सकेगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 16 सितंबर 2026 को यह विधेयक पारित किया है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि 100 प्रतिशत टैरिफ स्वत: लागू नहीं हुआ है, विधेयक राष्ट्रपति को ऐसा शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत के संदर्भ में यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस भारत के ऊर्जा आयात का प्रमुख स्रोत बना हुआ है। अगस्त 2026 में भारत रूस से लगभग 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात कर रहा था। ऐसे में यदि अमेरिकी राष्ट्रपति इस अधिकार का इस्तेमाल करते हैं, तो इसका सीधा असर भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर पड़ सकता है और साथ ही भारत की ऊर्जा लागत पर भी दबाव बन सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

यहीं से असली सवाल उठता है-क्या व्यापारिक टैरिफ अब केवल व्यापार संतुलन सुधारने का साधन रह गए हैं या वे विदेश नीति को मनवाने का माध्यम भी बनते जा रहे हैं? अमेरिका और भारत के बीच व्यापार छोटा नहीं है। 2025 में दोनों देशों का वस्तु एवं सेवा व्यापार लगभग 239.6 अरब डॉलर रहा और अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार अमेरिका ने भारत से 103.8 अरब डॉलर की वस्तुएं आयात की। इसलिए किसी बड़े अतिरिक्त टैरिफ का असर केवल भारत पर नहीं पड़ेगा, अमेरिकी आयातकों, उपभोक्ताओं और दोनों देशों की कंपनियों पर भी उसका प्रभाव पड़ सकता है। भारत के लिए चुनौती दोहरी है। पहली चुनौती अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने की है और दूसरी ऊर्जा सुरक्षा की। यदि रूसी तेल पर निर्भरता अचानक घटानी पड़े तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों से महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में पहले से मौजूद अस्थिरता ऐसी स्थिति को और जटिल बना सकती है। दूसरी ओर अमेरिका को भी यह देखना होगा कि अत्यधिक टैरिफ से वैश्विक तेल आपूर्ति, कीमतों और अपने सहयोगी देशों के साथ आर्थिक संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसीलिए मौजूदा कानून में राष्ट्रपति के लिए राष्ट्रीय हित के आधार पर छूट की गुंजाइश भी रखी गई है।

भारत की प्रतिक्रिया का महत्व यहीं बढ़ जाता है। भारत ने न तो किसी शक्ति-गुट के साथ अपने संबंध समाप्त करने की नीति अपनाई है और न ही अपने आर्थिक हितों को किसी एक देश की प्राथमिकताओं के अधीन करने की बात कही है। भारत का घोषित दृष्टिकोण ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, राष्ट्रीय हितों की रक्षा और सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संबंध बनाए रखना है। यही रणनीतिक स्वायत्तता बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी बन सकती है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में हाल में संपन्न 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखना उपयोगी होगा। भारत की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में 11 सदस्य देशों ने 140-बिंदु नई दिल्ली घोषणा को स्वीकार किया। ब्रिक्स ने सीमा-पार भुगतान को अधिक सुगम बनाने तथा सदस्य देशों की स्थानीय मुद्राओं में व्यापारिक निपटान की संभावनाओं पर आगे काम करने का समर्थन किया। साथ



ही भारत ने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी साझा ब्रिक्स मुद्रा का प्रस्ताव नहीं है। यह अंतर समझना बेहद जरूरी है। दुनिया तत्काल डॉलर को हटाकर कोई नई वैश्विक मुद्रा स्थापित करने की स्थिति में नहीं है। डॉलर अभी भी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था में अत्यंत प्रभावशाली है। लेकिन यदि अनेक देश धीरे-धीरे द्विपक्षीय व्यापार में अपनी-अपनी मुद्राओं का उपयोग बढ़ाते हैं, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां विकसित करते हैं और डॉलर पर निर्भरता कम करने के रास्ते तलाशते हैं, तो लंबे समय में वैश्विक वित्तीय व्यवस्था अधिक बहुध्रुवीय हो सकती है। विशेषज्ञ विश्लेषण भी यही संकेत देता है कि डॉलर से दूरी की प्रक्रिया अभी धीमी और क्रमिक है, न कि कोई तत्काल बदलाव।

भारत-रूस संबंध इसका एक व्यावहारिक उदाहरण हैं। सितंबर 2026 में रूसी पक्ष ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार का बड़ा हिस्सा अब रुपये और रूबल में निपटाया जा रहा है। इससे यह संकेत मिलता है कि प्रतिबंधों और भुगतान संबंधी बाधाओं के बीच वैकल्पिक वित्तीय व्यवस्थाएं विकसित की जा सकती हैं। ब्रिक्स की दिशा को इसलिए अमेरिका-विरोधी संगठन के रूप में देखना भी सही नहीं होगा। नई दिल्ली घोषणा का मूल जोर आर्थिक सहयोग, व्यापार, भुगतान व्यवस्था, विकास और बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार पर है। भारत के लिए इसका महत्व इस बात में है कि वह पश्चिम और गैर-पश्चिम दोनों आर्थिक शक्तियों के साथ संवाद रखते हुए अपने लिए अधिक विकल्प तैयार कर सके। 2025-26 में भारत का ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार 417 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान भी इस समूह के बढ़ते आर्थिक महत्व को दर्शाता है।

अमेरिका की वर्तमान नीति का सबसे गंभीर प्रभाव शायद टैरिफ से भी आगे जाकर विश्वास और नीति-पूर्वानुमेयता पर पड़ सकता है। जब व्यापारिक शुल्क बार-बार विदेश नीति के दबाव के साधन के रूप में इस्तेमाल होते हैं, तो अन्य देश स्वाभाविक रूप से वैकल्पिक बाजार, वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां खोजने लगते हैं। यह प्रक्रिया अमेरिका को तत्काल कमजोर कर देगी, ऐसा कहना जल्दबाजी होगीय लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि ऐसी नीतियां दूसरे देशों को जोखिम कम करने के लिए नए विकल्प तलाशने का प्रोत्साहन देती हैं। भारत के लिए यह समय प्रतिक्रिया की राजनीति से आगे बढ़कर रणनीतिक तैयारी का है। अमेरिकी बाजार भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए व्यापार वार्ता और संवाद के रास्ते खुले रखना आवश्यक है। साथ ही यूरोप, पश्चिम एशिया, अफ्रीका, आसियान, रूस और ब्रिक्स देशों में बाजारों का विस्तार, घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना, निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना और ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण भी उतना ही जरूरी है। भारत की ताकत किसी एक ध्रुव से दूरी बनाने में नहीं, बल्कि अनेक ध्रुवों के बीच अपने हितों के लिए पर्याप्त विकल्प बनाए रखने में है।

आज की दुनिया 1990 के दशक जैसी एकध्रुवीय व्यवस्था नहीं रही। चीन का आर्थिक विस्तार, भारत का बढ़ता बाजार, रूस की ऊर्जा क्षमता, पश्चिम एशिया की रणनीतिक भूमिका और ग्लोबल साउथ की बढ़ती सामूहिक आवाज विश्व व्यवस्था को नया आकार दे रही है। ऐसे समय में किसी भी महाशक्ति के लिए दूसरे देशों पर लगातार दबाव डालकर अपनी प्राथमिकताएं मनवाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो सकता है। भारत की हालिया ब्रिक्स अध्यक्षता ने यह संदेश जरूर दिया है कि भारत टकराव के बजाय संवाद, सहयोग और बहुपक्षीय विकल्पों को महत्व देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिन आर्थिक और कूटनीतिक मंचों पर अपनी भूमिका बढ़ाई है, उनका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा जब भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए सभी प्रमुख शक्तियों से संतुलित संबंध बनाए रखे।

अमेरिका के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। उसकी आर्थिक शक्ति, डॉलर की वैश्विक भूमिका, तकनीकी क्षमता और रणनीतिक गठबंधन आज भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इन्हीं शक्तियों की दीर्घकालीन प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उनका उपयोग साझेदारी और भरोसा बनाने के लिए कितना किया जाता है। यदि टैरिफ, प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का सामान्य माध्यम बनते गए, तो दुनिया के दूसरे देश अपने लिए वैकल्पिक रास्ते खोजेंगे। और यही शायद बदलती विश्व व्यवस्था का सबसे बड़ा संकेत है-दुनिया अमेरिका से अलग होने की घोषणा नहीं कर रही, लेकिन वह अमेरिका पर निर्भरता के विकल्प जरूर तलाश रही है। भारत के सामने इसलिए चुनौती केवल अमेरिकी टैरिफ की नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी जगह और अधिक मजबूत करने की है। यदि भारत ऊर्जा सुरक्षा, निर्यात विविधीकरण, तकनीकी आत्मनिर्भरता और बहुपक्षीय सहयोग को साथ लेकर चलता है, तो किसी भी बाहरी दबाव का सामना करने की उसकी क्षमता बढ़ेगी। यही दृढ़ता भारत की विदेश नीति को अधिक स्वायत्त और विश्व व्यवस्था को अधिक संतुलित बनाने में योगदान दे सकती है।

प्रकाशमान सत्य श्रीकृष्ण की आनंदमयी अनुभूति हैं राधारानी

डॉ. दीपक गोस्वामी-

'सदा राधिकानाम जिह्वाग्रत: स्यात...' यह केवल स्तुति नहीं, साधना का संकेत है। जिह्वा पर राधा हों तो वाणी में माधुर्य उतरता है, नयन में राधा हों तो दृष्टि में करुणा आती है, श्रवण में राधा हों तो सुनना भी साधना बन जाता है और हृदय में राधा हों तो मनुष्य के भीतर प्रेम का जन्म होता है।

राधा कौन हैं? यह प्रश्न जितना सरल दिखता है, उतना ही गहरा है।

दार्शनिक दृष्टि से श्री राधा को कृष्ण की आह्लादिनी शक्ति के रूप में समझा जाता है, वह शक्ति जिसके माध्यम से आनंद स्वयं को अनुभव करता है। कृष्ण यदि प्रकाशमान सत्य हैं तो राधा उस सत्य की आनंदमयी अनुभूति हैं। दीपक और प्रकाश को अलग-अलग दिखाया जा सकता है, पर उनके अस्तित्व को पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता। इसी भावभूमि में राधा-कृष्ण की एकात्मता का दर्शन सामने आता है।

भक्ति की दृष्टि से वही राधा वृषभानु नंदिनी, बरसाने की लाड़िली और ब्रज की ठकुरानी हैं। वह केवल किसी कथा की पात्र नहीं, ब्रज की भाव-संस्कृति का प्राण हैं। सखियों के बीच उनकी हँसी, उनका मान, उनकी चितवन, उनका रूठना और फिर सहज हो जाना,इन सबमें भक्त प्रेम की ऐसी भाषा पढ़ता है, जिसे शब्दों में पूरी तरह बाँध पाना कठिन है।

और रस की दृष्टि से राधा केवल प्रेम करने वाली नहीं, प्रेम की पराकाष्ठा हैं। संसार का प्रेम प्राय: पाने की इच्छा से शुरू होता है। राधा का प्रेम पाने से आगे जाकर स्वयं को अर्पित करने की ओर ले जाता है। वहाँ प्रश्न यह नहीं रहता कि मुझे क्या मिला, प्रश्न यह हो जाता है कि मैंने अपने प्रिय के लिए क्या छोड़ दिया। यही राधा-तत्व की सबसे बड़ी मधुरता है।

यदि प्रेम केवल अधिकार होता तो मिलन ही उसकी अंतिम मंजिल होता। यदि प्रेम केवल स्वार्थ होता तो दूरी असह्य होती। पर राधा का प्रेम बताता है कि सच्चा नेह कभी-कभी निकटता से अधिक विरह में बोलता है। वहाँ प्रिय की प्रसन्नता अपने सुख से बड़ी हो जाती है।इसीलिए राधा का मान भी प्रेम का ही एक रूप माना गया है। उनका रूठना विरोध नहीं, प्रेम की गहराई का अभिनय है, उस आत्मीयता का संकेत है जहाँ औपचारिकता समाप्त हो जाती है। भक्ति-साहित्य ने इसी भाव को इतने रंगों में चित्रित किया कि राधा का मान स्वयं एक रस बन गया।

कृष्ण के लिए संसार में अनेक उपमाएँ हैं - योगेश्वर, परमात्मा, जगद्गुरु, मुरलीधर। पर ब्रज की गलियों में वही कृष्ण राधा के श्याम बन जाते हैं। यहाँ ऐश्वर्य पीछे छूट जाता है और माधुर्य आगे आ जाता है। यही ब्रज की विशेषता है।

ब्रज में 'राधे-राधे' केवल अभिवादन नहीं। यह एक भाव-संकेत है। सामने वाला कौन है, कितना बड़ा है, कितना छोटा है? इन प्रश्नों से पहले एक ही संबोधन सबको जोड़ देता है - राधे। एक नाम, जिसमें दूरी घटती है और आत्मीयता बढ़ती है।

राधा के सौंदर्य का वर्णन करने बैठो तो शब्द स्वयं संकोच करने लगते हैं। उपमाएँ छोटी पड़ जाती हैं। कवि चंद्रमा कहता है तो चंद्रमा भी फीका लगता है, कमल कहता है तो कमल को ही लज्जा आती है। पर वास्तव में राधा का सौंदर्य केवल मुखाकृति का सौंदर्य नहीं है। वह भाव का सौंदर्य है - करुणा का, समर्पण का, माधुर्य का और उस प्रेम का जिसमें 'मैं' धीरे-धीरे मिटने लगता है। इसीलिए राधा को केवल 'सुंदर' कहना उनके अर्थ को छोटा कर देना है। वह सौंदर्य की अनुभूति हैं।

शक्ति-दर्शन में संधिनी, संवित् और आह्लादिनी का उल्लेख मिलता है। आह्लादिनी का संबंध आनंद और प्रेम से जोड़ा जाता है और गौड़ीय वैष्णव परंपरा में श्री राधा को इस शक्ति की पूर्णतम अभिव्यक्ति माना गया है। यहीं से राधा केवल कथा नहीं रहतीं, वह तत्व बन जाती हैं।

कृष्ण को यदि आनंद का परम स्रोत माना जाए, तो राधा उस आनंद की अनुभूति हैं। समुद्र और उसकी लहर का उदाहरण इसी भाव को समझाने में सहायक है। लहर समुद्र से अलग दिखाई दे सकती है, पर उसका अस्तित्व समुद्र से ही है।

बोध कथा

भेड़िया और मेमना

'जिग्नेश ने कल मुझे अपने घर बुलाया है,' जोश बहुत उत्साहित था। 'स्कूल से ही उसकी माँ मुझे अपने साथ ले जाएगी।'

'घर कहाँ है उसका?' रोष ने पूछा।

'सैम के घर के सामने,' जोश ने जवाब दिया।

'सैम का घर कहाँ है?' रोष ने पूछा।

'जिग्नेश के घर के सामने,' जोश बोला।

'और उन दोनों का घर कहाँ है?' रोष ने फिर पूछा।

'आमने सामने,' मासूम जवाब मिला।

'अच्छा झुआन्गज़ी,' रोष ने हार मान ली। 'मैं तेरी माँ से पूछ लूँगा।'

'ज़ुआंग झोउ?' जोश रुका, और बाप की बात पर ध्यान देने लगा।

'च्वांग्त्से,' रोष ने हामी भर कर आगे कहा, 'महान चीनी विचारक और ज़ेन बौद्ध दार्शनिक जो दो हज़ार साल पहले हुआ करता था। एक मशहूर एशियाई कहानी है झुआन्गज़ी के बारे में। ' 'वो और हुईज़ी एक बार हाओ झरने के बांध के किनारे-किनारे चले जा रहे थे। सुंदर धूप खिली हुई थी। नदी के मीठे पानी में रहने वाली नन्ही मछलियाँ बांध के साफ पानी में इधर-उधर उछल कूद मचा रही थीं।'

'ये छोटी मछलियाँ,' झुआन्गज़ी ने टिप्पणी की, 'पानी से बाहर उछलतीं और मनचाही दिशा में दौड़ी जातीं। सही में मौज ले रही हैं।'

'आप तो मछली नहीं हो,' हुईज़ी ने बात पकड़ ली। 'आपको कैसे पता कि मछली को क्या पसंद है?'

'आप तो मैं नहीं हो,' झुआन्गज़ी ने कहा। 'आपको कैसे पता कि मुझे नहीं पता, कि मछली को क्या पसंद है?'

'मैं आप नहीं हूँ,' हुईज़ी ने बहस की, 'तो मुझे यकीनन नहीं पता कि आपको क्या पता है। लेकिन आप मछली नहीं हो। तो आपको निश्चित रूप से नहीं पता कि मछली को क्या पसंद है!'

कविता

हिंदी : हमारी अस्मिता

डॉ अनुज प्रभात

हिंदी है पहचान हमारी,
हिंदी है अभिमान हमारा।
शब्द-शब्द में देश धड़कता,
हिंदी है स्वाभिमान हमारा।

भाषा से ही राष्ट्र सँवरता,
भाषा से साहित्य निखरता;
अतीत की जब बात करें हम,
भाषा में इतिहास उतरता।

निज भाषा हिंदी है अपनी,
माटी की सौंधी-सी गंध लिए;
सिंधु-सभ्यता की स्मृतियों से
युग-युग के संबंध लिए।

संस्कृति की यह आत्मा बनकर
जन-मन में रस घोल रही,
लोक-कंठ से राजभवन तक?
अपनी पहचान बोल रही।

सीमाओं के पार निकलकर
विश्व-क्षितिज तक जा पहुँची,
भारत की संवेदना लेकर
अब हिंदी विश्व में जा पहुँची।

हिंदी केवल भाषा भर नहीं,
यह जीवन की रवानी है;
इसके अक्षर-अक्षर में
भारत की अमिट कहानी है।

हिंदी नाम है हिंदुस्तान का,
हिंदी स्वप्न अरमानों का;
आओ, मिलकर इसे सँवारें—
मान बढ़ाएँ हिंदी का।

निज भाषा का मान रहे तो
निज संस्कृति सम्मानित होगी;
हिंदी जब समृद्ध बनेगी,
भारत की पहचान समृद्ध होगी।

दीनदयाल चौक,
फारबिसगंज -
अररिया (बिहार
)854318
मो.7979966155
/9470023249

व्यंग्य केसरी

राजनीति में सत्यवादी की तलाश



बेबाक बनारसी

एक दिन अचानक आत्मज्ञान जागा और हमने तय किया कि राजनीति के इस अथाह समंदर में एक अदद सत्यवादी ढूँढकर ही दम लेंगे। शुभचिंतकों ने समझाया कि जिस तरह राशन की कतार में धीरज और कोयले की खान में सफेदी नहीं मिलती, उसी तरह सियासत की सीढ़ियों पर सच का दम घुट जाता है। पर हम भी धुन के पक्के थे; हाथ में दिया लेकर लोकतंत्र के सबसे बड़े बाज़ार में निकल पड़े।

पहले चौराहे पर एक खादीधारी नेताजी भारी जनसैलाब को संबोधित कर रहे थे। लाउडस्पीकर गरज रहा था, 'भाइयों-बहनों, हमारी सरकार बनी तो हर गली में दूध की नदियाँ बहेंगी और गरीबी को बोरियों में भरकर सीमा पार फेंक दिया जाएगा!' भाषण खत्म होते ही हमने लपककर उनका कुर्ता थामा और धीरे से पूछा, 'नेताजी, क्या यह सच है?' नेताजी ने हमें ऐसे घूरा मानो हमने उनके गुप्त बैंक खाते का पासवर्ड माँग लिया हो। फिर हमारे कंधे पर हाथ रखकर फुसफुसाए, 'पागल हो क्या भाई? राजनीति में सच बोलना वैसा ही अक्षम्य अपराध है जैसे हलवाई से यह पूछना कि समोसे का आलू तीन दिन पुराना तो नहीं। यह झूठ नहीं, जनता के सपनों का लोकल एक्सटेंशन है।'

आगे बढ़े तो एक टीवी स्टूडियो के बाहर राष्ट्रीय प्रवक्ता जी मिल गए। उनका कोट प्रेस था और चेहरे पर असीम गंभीरता। हमने विनती की, 'प्रवक्ता महोदय, संसद से सड़क तक कोई एक ऐसा राजनेता बताइए जो कभी झूठ न बोलता हो?' प्रवक्ता जी ने ठहाका लगाया और बोले, 'सत्यवादी तो राजा हरिश्चंद्र भी आधे-अधूरे थे, उन्होंने कम से कम कोई पीआर एजेंसी तो हायर नहीं की थी! राजनीति में सच बोलना राजनीतिक आत्महत्या की पहली सीढ़ी है। यहाँ जो सच बोल दे, उसकी ज़मानत ज़ब्त हो जाती है और जो सबसे सलीके से झूठ को 'जनहित' साबित कर दे, वह चाणक्य कहलाता है।'

हार-थककर हम एक नवयुवक प्रत्याशी के पास पहुँचे, जिसने कल ही राजनीति में ईमानदारी की क्रांति लाने का पर्चा भरा था।

हमने कहा, 'बेटा, तुमसे उम्मीद है। तुम तो सच बोलोगे?' उसने मुस्कुराकर हमारे पाँव छुए और निहायत अदब से कहा, 'चाचा, सच केवल विपक्ष में रहते हुए बयान देने के काम आता है। सत्ता मिलते ही सच को राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर फाइलों में दबा दिया जाता है।'

तभी मंच से एक बागी नेता की आवाज़ गूँजी, 'भाइयों, मैं सिर्फ कमीशन खाने और अपनी सात पीढ़ियों को सेट करने चुनाव लड़ रहा हूँ!' भीड़ सन्न रह गई। हमें लगा, मिल गया आज का हरिश्चंद्र! पर अगले ही पल उनकी पार्टी ने प्रेस नोट जारी कर दिया कि 'नेताजी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है, उनके बयान को गंभीरता से न लिया जाए।'

इतिहास

19 सितंबर का भारतीय और विश्व इतिहास में विशेष महत्व है, क्योंकि इस दिन कई ऐतिहासिक घटनाएँ, जन्म और निधन हुए हैं।महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ।1893: न्यूज़ीलैंड दुनिया का ऐसा पहला देश बना, जिसने महिलाओं को मतदान (वोट) देने का अधिकार दिया।1957: संयुक्त राज्य अमेरिका ने नेवादा के रेगिस्तान में अपना पहला भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।1983: कैरीबियन द्वीप समूह स्थित 'सेंट किट्स एवं नेविस' ब्रिटिश उपनिवेश से स्वतंत्र हुआ।1985: मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी में इतिहास का सबसे भयानक भूकंप आया, जिसमें भारी तबाही हुई और हजारों लोगों की जान गई।2007: भारत के विस्फोटक बल्लेबाज युवराज सिंह ने टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही ओवर में लगातार 6 छक्के लगाकर इतिहास रचा और 12 गेंदों पर सबसे तेज अर्धशतक (50 रन) का रिकॉर्ड बनाया।


स्टेट बैंक चौक


रोहित एजेंसी


शबरी चौक


मठ मंदिर


मध्यनगरी चौक


गोपाल केंवट घर


रामघाट

नगर के विभिन्न स्थानों में विराजे प्रथम पूज्य गणेश



गणेशोत्सव को लेकर नगर में उत्साह का माहौल, चौक-चौराहों में की गई स्थापना

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। प्रथम पूज्य भगवान गणेश के महापर्व गणेश चतुर्थी के अवसर पर धर्मनगरी शिवरीनारायण में आस्था और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। नगर के विभिन्न चौक-चौराहों, गली-मोहल्लों एवं सार्वजनिक स्थलों के साथ ही घरों में विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमाएं विराजित की गई हैं। गणपति बप्पा की स्थापना के साथ ही नगर में गणेशोत्सव की धूम शुरू हो गई है।

गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के लिए युवाओं एवं गणेश उत्सव समितियों द्वारा आकर्षक पंडाल तैयार किए गए हैं। कहीं भव्य विद्युत सज्जा की गई है तो कहीं आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। सुबह-शाम भगवान श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना, आरती एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

नगर के विभिन्न हिस्सों में विराजित गणेश प्रतिमाओं के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। बच्चों और युवाओं में गणेशोत्सव को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। गणेश समितियों द्वारा पूरे उत्सव के दौरान धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारियां भी की जा रही हैं।

धर्मनगरी शिवरीनारायण में गणेशोत्सव के चलते शाम होते ही नगर का वातावरण भक्तिमय हो जाता है। पंडालों में गूंजती गणपति बप्पा मोरया की जयघोष से पूरा नगर गुंजायमान हो रहा है। श्रद्धालु भगवान श्री गणेश जी से सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

गणेशोत्सव को लेकर नगरवासियों में खासा उत्साह है और आगामी दिनों में विभिन्न गणेश पंडालों में होने वाले धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को लेकर भी लोगों में उत्सुकता बनी हुई है।

सात दिन बाद भी कैमरों से दूर हमलावर बाघिन, जंगल-खार में लगातार मिल रहे सुराग; दहशत में किसान

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। कोटा क्षेत्र के ग्राम दवनपुर में किसान पर हमले के सात दिन बाद भी बाघिन वन विभाग के ट्रैक कैमरों में कैद नहीं हो सकी है। हालांकि दवनपुर समेत आसपास के दानोखार, झिंगटपुर, लारीपारा, परसदा और पिपरखुंटी के जंगल-खार में उसकी मौजूदगी की सूचनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इससे ग्रामीणों में दहशत बढ़ गई है। खेतों में जाने से किसान बच रहे हैं, जिसका सीधा असर खरीफ फसल की देखभाल पर पड़ रहा है।

सात दिन से तलाश जारी, कैमरों में नहीं आई बाघिन

शनिवार सुबह करीब 7 बजे दवनपुर निवासी किसान संजू मरकाम खेत में खाद डालने गया था। इसी दौरान अचानक बाघिन ने उस पर हमला कर दिया। संजू ने साहस दिखाते हुए हाथ में रखे प्लास्टिक के घमेला से बाघिन के मुंह पर वार किया। इसके



बाद बाघिन जंगल की ओर भाग गई। घटना के बाद वन विभाग ने बाघिन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए क्षेत्र में ट्रैक कैमरे लगाए और निगरानी बढ़ा दी। इसके बावजूद सात दिन बाद भी बाघिन कैमरों में नजर नहीं आई है।ण वहीं ग्रामीणों से उसकी गतिविधियों की सूचनाएं लगातार मिल रही हैं। रविवार को दानोखार में बाघिन दिखाई देने की सूचना मिली। सोमवार सुबह झिंगटपुर के जंगल में उसकी मौजूदगी की खबर सामने आई। इसके बाद झिंगटपुर और लारीपारा के बीच स्थित खार में बाघिन द्वारा एक गाय पर हमला किए जाने की बात सामने आई। घायल गाय की कुछ देर बाद मौत हो गई। मंगलवार को परसदा और पिपरखुंटी क्षेत्र के ग्रामीणों ने भी बाघिन के देखे जाने की सूचना दी।

खेतों में जाने से डर रहे किसान

बाघिन की लगातार गतिविधियों से ग्रामीणों में भय का माहौल है। कई किसानों ने खेतों में जाना लगभग बंद कर दिया है। खरीफ फसल में इस समय खाद डालने, निंदाई और अन्य जरूरी कृषि कार्य चल रहे हैं, लेकिन बाघिन के डर से किसान खेतों तक जाने से बच रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि समूह में जाने के बावजूद जंगल और खार से लगे खेतों में काम करना जोखिम भरा महसूस हो रहा है।

गांवों में मुनादी कर किया जा रहा सतर्क

बाघिन की गतिविधियों को देखते हुए दवनपुर के कोटवार कन्हैया दास मानिकपुरी ने गांव में मुनादी कर ग्रामीणों को सतर्क किया है। लोगों को शाम के बाद अकेले घर से बाहर नहीं निकलने तथा जंगल-खार की ओर जाने से बचने की सलाह दी गई है। दानोखार, झिंगटपुर, लारीपारा, परसदा, पिपरखुंटी और मानपुर क्षेत्र में भी ग्रामीणों को अलर्ट किया गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघिन की जल्द पहचान और लोकेशन ट्रेस करने के साथ उसकी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की है, ताकि किसान सुरक्षित रूप से अपने खेतों में काम कर सकें।

ट्रैक टीम लगातार कर रही निगरानी

एटीआर की फील्ड डायरेक्टर प्रियंका पांडे ने बताया कि बाघिन की तलाश के लिए ट्रैक टीम लगातार निगरानी कर रही है। फिलहाल बाघिन ट्रैक कैमरों में नजर नहीं आई है। क्षेत्र के ग्रामीणों को सतर्क कर दिया गया है और उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

- प्रियंका पांडे, फील्ड, डायरेक्टर, एटीआर, बिलासपुर

सिलपहरी औद्योगिक क्षेत्र में अब खूंटाघाट-अहिरन के सरफेस वाटर से पूर्ण होगी पानी की जरूरत

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। सिलपहरी औद्योगिक क्षेत्र में पानी की समस्या दूर करने के लिए अब भूजल के बजाय खूंटाघाट बांध और अहिरन नदी के सरफेस वाटर का उपयोग किया जाएगा। इसके लिए सीएसआईडीसी ने नगर निगम की मुख्य पाइपलाइन से औद्योगिक क्षेत्र को कनेक्शन देने का प्रस्ताव रखा था, जिसे कलेक्टर-कमिश्नर की टीएल बैठक में मंजूरी मिल गई है। सीएसआईडीसी ने कनेक्शन और पाइपलाइन बिछाने से संबंधित अपना इस्टीमेट भी नगर निगम को भेज दिया है।

भूजल स्तर कम होने से बढ़ी परेशानी

सिलपहरी औद्योगिक क्षेत्र में भूजल का स्रोत सीमित होने के कारण उद्योगों के सामने लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है। कई स्थानों पर बोर कराने के बावजूद पर्याप्त पानी नहीं मिल पाया। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र के भूजल में कैल्शियम सिलिकेट की मात्रा होने के कारण पानी खींचने में भी परेशानी आती है। ऐसे में उद्योगों के लिए स्थायी और वैकल्पिक जलस्रोत उपलब्ध कराना जरूरी हो गया था।

निगम की पाइपलाइन से मिलेगा कनेक्शन

नगर निगम खूंटाघाट बांध और अहिरन नदी से



सरफेस वाटर लेकर पाइपलाइन के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों तक पानी पहुंचा रहा है। इसी पाइपलाइन से सिलपहरी औद्योगिक क्षेत्र को जोड़ने का प्रस्ताव सीएसआईडीसी ने रखा था। इसके लिए पाइपलाइन में आधा इंच का कनेक्शन देने की मांग की गई है। मंजूरी मिलने के बाद अब कनेक्शन देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

तीन किलोमीटर दूर है मौजूदा पाइपलाइन

वर्तमान में निगम की पानी की पाइपलाइन महामंद जाने वाले मार्ग से होकर गुजरती है, जो सिलपहरी औद्योगिक क्षेत्र से करीब तीन किलोमीटर दूर है। औद्योगिक क्षेत्र तक पानी पहुंचाने के लिए आवश्यक पाइपलाइन बिछाने और कनेक्शन का खर्च सीएसआईडीसी स्वयं उठाएगा। पानी की आपूर्ति के लिए इंटकवेल बनाने की भी योजना है। अधिकारियों का कहना है कि प्रस्तावित व्यवस्था से निगम की मौजूदा जलापूर्ति प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा।

17 लघु उद्योगों को मिलेगा सीधा लाभ

सिलपहरी औद्योगिक क्षेत्र में वर्तमान में करीब 17 लघु उद्योग संचालित हैं। इसके अलावा कुछ बड़ी औद्योगिक इकाइयां भी मौजूद हैं और नई छोटी इकाइयां स्थापित होने की प्रक्रिया में हैं। ऐसे में औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार के लिए पर्याप्त और नियमित पानी की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। सरफेस वाटर की सुविधा मिलने से उद्योगों की भूजल पर निर्भरता कम होगी। साथ ही भविष्य में नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भी पानी का एक वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध रहेगा। इससे क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

माता शबरी के लिए भगवान नारायण यहां आए थे : राघवाचार्य

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। अवधपुरी धाम उत्तर प्रदेश से पधारे हुए आनंत श्री विभूषित स्वामी राघवाचार्य महाराज ने शिवरीनारायण पहुंचकर भगवान नर -नारायण का दर्शन किया। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने उन्हें भगवान का दर्शन पूजन कराया। शिवरीनारायण के संदर्भ में आचार्य जी ने कहा कि- *माता शबरी भगवान की परम भक्त थीं। भगवान ने उन्हें यहां नवधा भक्ति का उपदेश दिया भगवान नारायण उनके लिए यहां पर आए थे*। यहां पर भगवान का दर्शन करके परम आनंद की अनुभूति होती है। *सन 2010 में पूज्य महाराज जी की कृपा से इस पवित्र भूमि में भगवान की कथा कहने का, रघुनाथ जी की कथा सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। यह दिव्य स्थान है,भगवान



रघुनाथ जी का अनुज लक्ष्मण जी के साथ विग्रह विद्यमान है। भगवान यहां माता सीता की खोज करते हुए आए थे यह सनातन धर्म का केंद्र है। उन्होंने मठ मंदिर में भी दर्शन पूजन किया और अपने बीते हुए समय को याद किया। इस अवसर पर अयोध्या से पधारे हुए संत महात्म गण तथा भाजपा जिला अध्यक्ष अंबेश जांगड़े, विकास शर्मा,त्यागी जी महाराज, सुखराम दास जी, बुद्धेश्वर केसरवानी, विष्णु हरी गुप्ता, निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे, खगेश वर्मा, पुनिराम केसरवानी, अंकित दुबे सहित अनेक प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

किसान कृष्ण कुमार धान के बदले अन्य फसल लेकर किसानों को कर रहे प्रेरित

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। जिले के विकासखण्ड जैजैपुर के ग्राम खम्हारडीह निवासी किसान कृष्ण कुमार चंद्रा लंबे समय से अपनी भूमि पर मुख्य रूप से धान की खेती करते आ रहे थे। खेती उनके परिवार की आजीविका का प्रमुख साधन थी, लेकिन पारंपरिक तरीके से धान की खेती करने पर लागत और मेहनत के अनुपात में बचत सीमित रहती थी। लगभग 5 एकड़ भूमि में धान की खेती से उन्हें करीब 125 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता था। धान का कुल विक्रय मूल्य लगभग 3 लाख 87 हजार 500 रुपये होता था। वहीं इनपुट लागत, श्रमिक लागत एवं अन्य कृषि खर्चों को मिलाकर लगभग 1 लाख 70 हजार रुपये व्यय होता था। सभी खर्चों को



निकालने के बाद कृषक को लगभग 2 लाख 17 हजार रुपये की बचत प्राप्त होती थी। लगातार खेती में बढ़ती लागत और बेहतर आमदनी की आवश्यकता को देखते हुए कृषक ने अपनी पारंपरिक खेती में बदलाव करने का निर्णय लिया। वे ऐसी फसल प्रणाली अपनाना चाहते थे, जिसमें उपलब्ध भूमि का बेहतर उपयोग हो और वर्तमान के साथ-साथ भविष्य में भी आय का अतिरिक्त स्रोत तैयार हो सके।

किसान कृष्ण कुमार चंद्रा ने उद्यान विभाग अंतर्गत संचालित ''राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल पाम योजना'' के तहत ऑयल पाम की खेती और लौकी सब्जी की खेती को अपनाकर अपनी खेती में नया बदलाव किया। उन्होंने अपनी लगभग 5 एकड़ भूमि में ऑयल पाम के 286 पौधे लगाए। ऑयल पाम के पौधों के बीच उपलब्ध रिक्त स्थान का उपयोग भी उन्होंने प्रभावी ढंग से किया और वहां लौकी की खेती शुरू की। इस तरह एक ही भूमि से वर्तमान में सब्जी उत्पादन के माध्यम से आय प्राप्त करने के साथ-साथ भविष्य के लिए ऑयल पाम से आय का आधार तैयार किया गया। किसान के अनुसार लौकी की फसल का उत्पादन अच्छा रहा। इसमें फफूंद एवं बीमारी का प्रकोप अपेक्षाकृत कम होने के कारण फसल प्रबंधन में भी सुविधा रही। लौकी की खेती से उन्हें लगभग 800 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ, जिसका कुल विक्रय मूल्य करीब 8 लाख रुपये रहा। इसमें लगभग 3 लाख 60 हजार रुपये की लागत आई। लागत निकालने के बाद कृषक को करीब 4 लाख 40 हजार रुपये की बचत प्राप्त हुई। इस प्रकार पहले धान की खेती से प्राप्त करीब 2 लाख 17 हजार रुपये की बचत की तुलना में अब लौकी की खेती से करीब 4 लाख 40 हजार रुपये की बचत हुई, जिससे किसान की बचत में लगभग 2 लाख 22 हजार रुपये की वृद्धि हुई। इसके साथ ही ऑयल पाम के लगाए गए 286 पौधे भविष्य की आय का आधार बन रहे हैं।

अब 24 घंटे खुला रहेगा उसलापुर का रेल कोच रेस्टोरेंट

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। नगर के प्रमुख रेलवे केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहे उसलापुर स्टेशन पर अब देर रात ट्रेन का इंतजार करने वाले यात्रियों को खान-पान के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। रेलवे ने स्टेशन परिसर में संचालित रेल कोच रेस्टोरेंट को 24 घंटे खुला रखने का निर्णय लिया है। अभी तक रेस्टोरेंट रात 10 बजे बंद हो जाता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यात्रियों को देर रात से सुबह तक स्टेशन पर ही गर्म भोजन, नाश्ता और अन्य खान-पान की सुविधा मिल सकेगी।

रात 10 बजे के बाद भी ट्रेनों की आवाजाही

उसलापुर स्टेशन पर रात 10 बजे के बाद भी ट्रेनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस सहित कई महत्वपूर्ण एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें रात और तड़के इस स्टेशन से गुजरती हैं। रात 10:25 बजे दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस (18205/18201) तथा दुर्ग-



कानपुर बेतवा एक्सप्रेस (18203) का आवागमन होता है। इसके बाद रात 10:30 बजे बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस (18236) रवाना होती है।देर रात 11:20 बजे दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस (15160), रात 1:20 बजे भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस (18235) और तड़के 2:25 बजे गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस (15232) पहुंचती है। सुबह 4 बजे चिरिमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस (18258), 5:40 बजे छपरा-दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस (15159), 6:10 बजे अमरकंटक एक्सप्रेस (12854), 6:20 बजे गरीबरथ एक्सप्रेस (12535), 7:45 बजे हमसफर एक्सप्रेस (22868) और 8:05 बजे रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस (18248) का आवागमन होता है।

एक लाख दीपों से जगमगाया त्रिवेणी संगम

विश्व केसरी■

रिगनी / खरौद (नीरज शर्मा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को यादगार और ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा शिवरीनारायण मंडल की ओर से महानदी के त्रिवेणी संगम तट पर भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान त्रिवेणी संगम के तट पर एक लाख दीप प्रज्ज्वलित किए गए लाखों दीपों से जगमगाते महानदी तट का दृश्य लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर विधि-विधान के साथ भव्य गंगा आरती भी की गई।

कार्यक्रम में पवन साय, अमर अग्रवाल, नारायण चंदेल, डॉ. रामसुंदर दास महाराज, अम्बेश जांगड़े, संजय अग्रवाल, राहुल थवाईत, कलेक्टर



जन्मेजय महोबे, एसपी विजय कुमार पांडेय, एसडीओपी तोमेश वर्मा एवं थाना प्रभारी के.पी. सिंह भाजपा ,लोकेश शुक्ला मंडल अध्यक्ष शिवरीनारायण, ललीत कश्यप जिला महामंत्री,शिवम केडिया युवा मोर्चा अध्यक्ष आकाश यादव अमन मुकीम निकेश केशरवानी रितेश केशरवानी वैभव केशरवानी भुनेश्वर कश्यप युवराज यादव रिंकू कुंभकार कबीर साहू प्रियांशु निर्मलकर प्रतीक तिवारी अखिलेश भीष्म यशवंत वैष्णव अनिकेत रायसागर आशीष दुबे अमन कुम्भकार छतराम देवांगन अजय केवट दिनेश साहू गोपाल पटेल खगेन्द्र साहू मेलाराम कश्यप सिद्धार्थ शुक्ला एवं

पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शाम होते ही महानदी के तट पर दीप प्रज्ज्वलन का सिलसिला शुरू हुआ। देखते ही देखते त्रिवेणी संगम दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। नदी के किनारे एक साथ जलते दीपों का दृश्य मनमोहक रहा। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

गंगा आरती के दौरान भक्तिमय हुआ माहौल- दीप प्रज्ज्वलन के बाद महानदी तट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। आरती के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मंत्रोच्चार और आरती की धुन से त्रिवेणी संगम का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने आरती में शामिल होकर महानदी की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

प्रांतीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य समापन



विश्व केसरी■

चांपा (नीरज शर्मा)। सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चाम्पा में आयोजित तीन दिवसीय प्रांतीय कबड्डी प्रतियोगिता का गुरुवार को गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से पहुंची टीमों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के शानदार मुकाबलों से पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साहवर्धक नारों से गूंजता रहा।

समापन समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंजीनियर रवि पांडे, प्रदेश प्रवक्ता एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत जांजगीर-चांपा की अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता मिरी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक लोमस राम साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद देवांगन, प्रतियोगिता संयोजक डॉ. शांति कुमार सोनी एवं प्राचार्य अश्वनी कुमार कश्यप मंचासीन रहे। प्राचार्य अश्वनी कुमार कश्यप ने अपने संबोधन में सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं प्रांत खेल प्रमुख दिवाकर स्वर्णकार ने प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी आगामी 18 से 21 सितंबर तक चाम्पा विद्यालय में आयोजित क्षेत्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सेंसेक्स सपाट, निफ्टी ने पकड़ी रफ्तार

विश्व केसरी

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 19.63 अंक यानी 0.03 प्रतिशत गिरकर 74,294.96 पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 75.80 अंक यानी 0.33 प्रतिशत बढ़कर 23,346.40 पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमश: 1.24 प्रतिशत और 1.74 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मेटल, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी सीमेंट और निफ्टी केमिकल ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।



निफ्टी 50 इंडेक्स में अदाणी पोर्ट्स, अदाणी एंटरप्राइजेज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और अपोलो हॉस्पिटल टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि टीसीएस, टीएमपीवी, एसबीआई लाइफ, कोल इंडिया, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी, टाटा कंज्यूमर और सन फार्मा के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता की चिंताओं के बावजूद, कच्चे तेल की कीमतों और ग्लोबल यील्ड में नरमी से रिस्क लेने की इच्छा बढ़ी, जिससे भारतीय इक्विटी में रिकवरी जारी रही। बड़े सेंट्रल बैंकों द्वारा उम्मीद के मुताबिक, पॉलिसी एक्शन के बाद मिले पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों से निवेशकों का भरोसा और बढ़ा।

एक्सपर्ट ने आगे कहा कि रिकवरी सभी सेक्टर में दिखी, हालांकि प्रॉफिट बुकिंग के कारण आईटी शेयरों में गिरावट आई, क्योंकि इस बात की चिंता बनी हुई थी कि लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों का असर ग्लोबल टेक खर्च पर पड़ सकता है। हालांकि तेल की कीमतों और यील्ड में हालिया नरमी से कुछ समय के लिए राहत मिली है, लेकिन मार्केट की रिकवरी कितनी बनी रहेगी, यह ग्लोबल मैक्रो रिस्क में और कमी आने और विदेशी निवेशकों के निवेश में ठोस बढ़ोतरी पर निर्भर करेगा।

आयकर कानून की धारा 147ए पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम राहत, आकलन प्रक्रिया पर भी रोक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 147ए को असंवैधानिक घोषित किया गया था और अधिकार क्षेत्र वाले आकलन अधिकारियों द्वारा जारी किए गए द्वारा जारी किए गए पुनर्मूल्यांकन नोटिसों को भी रद्द कर दिया था।



जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और के. विनोद चंद्रन की बेंच ने केंद्र सरकार और अन्य इनकम टैक्स अधिकारियों की ओर से दायर एक विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश दिया। इस एसएलपी में 10 सितंबर को हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि मुख्य मामले का अंतिम निपटारा होने तक असेसमेंट की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जाएगी और आदेश दिया कि मामले को अंतिम सुनवाई के लिए 3 दिसंबर को लिस्ट किया जाए। जस्टिस पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने आदेश दिया कि हाईकोर्ट के फैसले और आदेश पर तब तक रोक रहेगी, जब तक मुख्य मामले का अंतिम निपटारा नहीं हो जाता और असेसमेंट की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जाती।

यह कार्यवाही पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के सामने दायर याचिकाओं के एक समूह से जुड़ी थी, जिनमें इनकम टैक्स एक्ट की धारा 147ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। इस धारा को फाइनेंस बिल, 2026 के माध्यम से 1 अप्रैल, 2021 से पिछली तारीख से लागू किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने यह घोषणा करने की मांग की थी कि धारा 147ए संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(जी) और 265 का उल्लंघन करती है। उन्होंने एक्ट की धारा 148 के तहत जारी नोटिसों को भी चुनौती दी और तर्क दिया कि ये नोटिस एक्ट की धारा 151ए और उसके तहत बनाई गई योजना में बताए गए ऑटोमेटेड एलोकेशन मैकेनिज्म के माध्यम से जारी नहीं किए गए थे। हाईकोर्ट ने 10 सितंबर को सुनाए गए अपने फैसले में कहा था कि धारा 147ए को पिछली तारीख से लागू करने से मौजूदा कानूनी ढांचे को दरकिनार नहीं किया जा सकता, जिसके तहत रैंडमाइज्ड एलोकेशन और फेसलेस कार्यवाही की आवश्यकता होती है।

भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह 13 प्रतिशत बढ़कर 12.12 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अब तक (1 अप्रैल से 17 सितंबर तक) सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 12.12 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। यह जानकारी केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से शुक्रवार को दी गई।

सरकारी डेटा के मुताबिक, सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 15 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 14.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

कॉर्पोरेट कर संग्रह 19.48 प्रतिशत बढ़कर लगभग 5.56 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जबकि व्यक्तिगत आयकर और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) से होने वाला कर संग्रह 6 प्रतिशत बढ़कर 6.16 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया है।। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में, 1 अप्रैल से 17 सितंबर के बीच सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) संग्रह 53 प्रतिशत बढ़कर 40,214 करोड़ रुपए हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान रिफंड जारी करने में 29 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई और यह 2.2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया।



17 सितंबर तक एडवांस टैक्स संग्रह 16.18 प्रतिशत बढ़कर 5.22 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसमें एडवांस कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4.16 लाख करोड़ रुपए और नॉन-कॉर्पोरेट एडवांस टैक्स संग्रह 9.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.06 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

पिछले महीने के आखिर में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में भारत का राजकोषीय घाटा 4.55 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पूरे वित्त वर्ष के लिए तय लक्ष्य का 26.8 प्रतिशत है।

यह पिछले साल इसी अवधि के राजकोषीय घाटा से कम है, जो 4.7 लाख करोड़ रुपए था और पूरे वित्त वर्ष के अनुमान का 29.9 प्रतिशत था।

वित्त वर्ष 2027 के लिए, केंद्र सरकार ने 16.96 लाख करोड़ रुपए के राजकोषीय घाटे का बजट रखा है, जो देश की जीडीपी का 4.3 प्रतिशत है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 प्रतिशत का राजकोषीय घाटे लक्ष्य हासिल किया था और राजकोषीय समेकन के तहत मौजूदा वित्त वर्ष के लिए इसे घटाकर जीडीपी का 4.3 प्रतिशत कर दिया है।

राजकोषीय घाटे में कमी आने से अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत होती है और कीमतों में स्थिरता के साथ विकास का रास्ता खुलता है। इससे सरकार की उधारी कम होती है, जिससे बैंकिंग सेक्टर में कॉर्पोरेट्स और उपभोक्ताओं को कर्ज देने के लिए ज्यादा फंड बचता है, और इससे आर्थिक विकास में तेजी आती है।

तेल की कीमतों में उछाल से निपटने पाकिस्तान ने सरकारी वाहनों के ईंधन कोटे में कटौती की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने सरकारी खर्च में कटौती के लिए एक नए दौर के उपायों की घोषणा की है। इनमें सरकारी वाहनों के लिए ईंधन आवंटन में कटौती भी शामिल है। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति बाधित होने के बीच पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के मद्देनजर ये कदम उठाए गए हैं। यह जानकारी कई मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है।

कई रिपोर्टों के अनुसार, इन उपायों में सरकारी वाहनों के लिए ईंधन आवंटन में कटौती, सरकारी संस्थाओं द्वारा नए वाहनों की खरीद पर रोक, अधिकारियों की विदेश यात्राओं पर प्रतिबंध और आधिकारिक रात्रिभोज पर रोक शामिल है।

इस साल खर्च कटौती के लिए दूसरी बार घोषित किए गए इन उपायों में आईटी उपकरणों को छोड़कर सरकारी संस्थाओं द्वारा टिकाऊ वस्तुओं की खरीद पर रोक और बैठकों के लिए टेलीकॉन्फ्रेंसिंग का इस्तेमाल करने का निर्देश भी शामिल है।



पाकिस्तान ने मार्च में ऊर्जा बचाने के लिए दो सप्ताह के लिए स्कूल बंद कर दिए थे, सभी सरकारी विभागों में ईंधन के इस्तेमाल में कटौती की थी और कंपनियों से अधिक कर्मचारियों को घर से काम करने की सुविधा देने का आग्रह किया था।

बढ़ती कीमतों के असर को कम करने के लिए दक्षिण एशियाई देश ने बुधवार से मोटरसाइकिल, रिक्शा और छोटी कारों के मालिकों को प्रति लीटर 100 पाकिस्तानी रुपए की ईंधन सब्सिडी भी लागू की है। यह सब्सिडी हर महीने तय सीमा तक ईंधन की खरीद पर दी जा रही है।

ईरान संकट और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ओर से कर्ज चुकाने की मांग ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इससे पहले से ही भारी कर्ज के बोझ तले दबे देश की आर्थिक स्थिति पर और दबाव बढ़ा है। इसके अलावा, सरकार के बढ़ते रक्षा खर्च ने स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों के लिए उपलब्ध संसाधनों को सीमित कर दिया है, जो दीर्घकालिक और स्थिर आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी हैं।

पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में निर्यात की हिस्सेदारी 1990 के दशक में करीब 16 प्रतिशत से घटकर 2024 में लगभग 10.4 प्रतिशत रह गई है, जबकि कर्ज-जीडीपी अनुपात करीब 70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरानी क्षेत्र पर संयुक्त हमले किए जाने के बाद 28 फरवरी को ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी, जिसके बाद पाकिस्तान को खाड़ी देशों से होने वाली तेल आपूर्ति बाधित हो गई।

रियल एस्टेट ट्रांसपेरेंसी में भारत ने लगाई बड़ी छलांग, वैश्विक रैंकिंग में 26वें स्थान पर पहुंचा: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत ने वैश्विक रियल एस्टेट पारदर्शिता सूचकांक में पांच स्थानों की छलांग लगाते हुए 26वां स्थान हासिल किया है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया के सबसे अधिक सुधार करने वाले पांच बाजारों में शामिल हो गया है और एशिया-प्रशांत क्षेत्र का सबसे बड़ा सुधारक देश बनकर उभरा है।



जेएलएल की ग्लोबल रियल एस्टेट ट्रांसपेरेंसी इंडेक्स (जीआरईटीआई) रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रगति के साथ भारत 'ट्रांसपेरेंट' श्रेणी के मध्य स्तर में पहुंच गया है, जो नियामकीय ढांचे, लेनदेन प्रक्रियाओं और स्थिरता संबंधी मानकों में लगातार हुई प्रगति का परिणाम है।

जेएलएल इंडिया की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राधा धीर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने वैश्विक स्तर पर चौथा और पिछले 20 वर्षों में तीसरा सबसे बड़ा सुधार दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया के सबसे पारदर्शी बाजारों के बराबर पहुंचने और 'हाइली ट्रांसपेरेंट' श्रेणी में प्रवेश करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, पारदर्शिता में सुधार के साथ-साथ भारत में निवेश गतिविधियों में भी रिकॉर्ड वृद्धि देखने को मिली है। वर्ष 2025 में निजी इक्विटी निवेश बढ़कर 10.5 अरब डॉलर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 17 प्रतिशत अधिक था। वहीं, 2026 की पहली छमाही में यह निवेश 4.3 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत ज्यादा है।

भारत का ऑफिस आरईआईटी बाजार भी तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2024 में जहां इसका आकार 104 मिलियन वर्ग फुट था, वहीं 2026 में यह बढ़कर 164 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार, देश के लगभग आधे ग्रेड-ए ऑफिस स्टॉक अब आरईआईटी के लिए उपयुक्त माने जा रहे हैं।

भारत ने सबसे मजबूत सुधार नियामकीय और कानूनी मानकों के क्षेत्र में दर्ज किया। इस श्रेणी में देश की रैंकिंग 37वें स्थान से बढ़कर 19वें स्थान पर पहुंच गई। इसके पीछे रेरा (आरईआरए) का परिपक्व होना, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में उदारीकरण और भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण प्रमुख कारक रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की डेटा सेंटर क्षमता वर्ष 2029 तक 1.6 गीगावाट से बढ़कर 6 गीगावाट होने का अनुमान है। इसके लिए करीब 110 अरब डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी। वैश्विक हाइपरस्केलर कंपनियां एआई-तैयार डेटा सेंटर सुविधाओं के लिए 50 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता जता चुकी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बीएसई रियल्टी इंडेक्स और इंडिया आरईआईटी इंडेक्स निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण बेंचमार्क बन चुके हैं। वहीं, आरईआईटी और सूचीबद्ध फ्लेक्सिबल स्पेस ऑपरेटरों में तिमाही वित्तीय रिपोर्टिंग और वार्षिक खुलासा मानकों के मजबूत होने से पूरे क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ी है।

लेनदेन प्रक्रिया के मामले में भी भारत ने अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखी है। इस पैमाने पर भारत वैश्विक स्तर पर 10वें और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तीसरे स्थान पर रहा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वाणिज्यिक रियल एस्टेट वित्तपोषण से जुड़े आंकड़ों की उपलब्धता और विश्वसनीयता में सुधार हुआ है। संस्थागत निवेश में बढ़ोतरी, आरईआईटी बाजार के विस्तार और सख्त नियामकीय ढांचे ने इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

टाटा संस आईपीओ को एसपी ग्रुप के चेयरमैन शापूर मिस्त्री ने बताया 'सामाजिक और नैतिक जरूरत'

विश्व केसरी

मुंबई। टाटा संस की लिस्टिंग पर टाटा ट्रस्ट्स के विरोध के बाद एसपी ग्रुप के चेयरमैन शापूर मिस्त्री ने शुक्रवार को टाटा समूह की फ्लेगशिप कंपनी की लिस्टिंग को 'सामाजिक और नैतिक जरूरत' बताया।

मिस्त्री ने टाटा संस पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे पूर्ण स्पष्टता आ चुकी है और लिस्टिंग से पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत होगी। उनके यह टिप्पणी टाटा ट्रस्ट्स के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें ट्रस्ट्स ने कहा था कि वे टाटा संस को पब्लिक करने के लिए सहमत नहीं हैं और सभी उपलब्ध विकल्पों पर विचार किया जाना चाहिए, 'सिर्फ लिस्टिंग पर ही नहीं'। मिस्त्री ने कहा कि उनका ग्रुप टाटा संस के साथ सकारात्मक बातचीत करने के लिए तैयार है। फिलहाल टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर टाटा ट्रस्ट्स और कंपनी के बोर्ड के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। एक तरफ टाटा ट्रस्ट्स, जिसकी टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है, लिस्टिंग के पक्ष में नहीं है। वहीं, गुरुवार की बोर्ड बैठक में टाटा संस के बोर्ड सदस्यों ने लिस्टिंग को मंजूरी दी थी। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस बोर्ड को दिए अपने बयान में ट्रस्ट का रुख फिर से दोहराया और कहा कि बोर्ड लिस्टिंग के मुद्दे पर पहले ही फैसला ले चुका है। नोएल टाटा ने एक बयान में कहा था, 'इस तरह के मामले के लिए कागजात, स्पष्टीकरण, सलाह और समय की जरूरत होती है और मुझे इसमें कोई शक नहीं कि ये सब तैयार किए जा रहे हैं। बोर्ड को पूरी जानकारी दी जाएगी।'



उन्होंने यह भी बताया कि आरबीआई के आदेश में खास तौर पर लिस्टिंग के बारे में नहीं कहा गया है। नोएल टाटा ने कहा, 'आरबीआई के आदेश में 'लिस्टिंग का कोई जिक्र नहीं है',' और आगे कहा कि इसमें 'किसी खास कदम' का जिक्र नहीं है और न ही यह कहा गया है कि टाटा संस ने नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने अभी तक आरबीआई के कम्युनिकेशन के कानूनी असर पर कोई राय नहीं बनाई है, जिसमें यह भी शामिल है कि टाटा संस को क्या करना है और कब तक करना है।

सोने और चांदी में लौटी तेजी, दाम करीब 0.70 प्रतिशत तक बढ़े

विश्व केसरी

मुंबई। सोने और चांदी में शुक्रवार को तेजी देखी गई और शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब आधा प्रतिशत तक बढ़ गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,981 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,52,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 10:30 बजे यह 217 रुपए या 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,53,198 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,171 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,53,495 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। यह दिखाता है कि सोने में रुझान तेजी का बना हुआ है।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का 5 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,38,205 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,38,478 रुपए प्रति किलो पर खुला।



फिलहाल यह 1,557 रुपए या 0.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,39,762 रुपए प्रति किलो पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,38,478 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,39,954 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,406 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ 66 डॉलर प्रति औंस पर थी।

मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि फेड की ओर से 25 आधार अंक की ब्याज दर बढ़ोतरी उम्मीद के मुताबिक थी, जबकि डॉलर की मजबूती और इक्विटी मार्केट में हालिया गिरावट का असर बुलियन पर पड़ रहा है।

आगे चलकर, फेड के फैसले पर अमेरिकी बाजार की प्रतिक्रिया और बॉन्ड की बढ़ी हुई कीमतें सोने के लिए अहम कारक बनी रहेंगी। भारतीय बाजार में सोने की रेंज 1,49,000 रुपए से 1,53,500 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रह सकती है।

'कुछ दर्द दिखाई नहीं देते', जानिए मानसिक पीड़ा से जुड़े 5 बड़े मिथक और उनके तथ्य



मानसिक स्वास्थ्य हमारे जीवन का उतना ही जरूरी हिस्सा है, जितना शारीरिक स्वास्थ्य। फिर भी मानसिक परेशानी को लेकर समाज में आज भी कई तरह के भ्रम और झिझक मौजूद हैं। खासकर आत्महत्या जैसे संवेदनशील विषय पर खुलकर बात करने के बजाय अक्सर चुप्पी साध ली जाती है। यही चुप्पी कई बार किसी परेशान व्यक्ति को और अकेला महसूस करा सकती है। इसलिए जरूरत है कि हम आत्महत्या से जुड़े मिथकों को समझें, उन्हें तोड़ें और संवेदनशीलता के साथ लोगों का साथ दें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सबसे आम भ्रम है कि जो लोग आत्महत्या की बात करते हैं, वे वास्तव में ऐसा करना नहीं चाहते। हकीकत यह है कि गहरे मानसिक और भावनात्मक दर्द से गुजर रहे कई लोग सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी परेशानी या आत्महत्या से जुड़े विचार व्यक्त कर सकते हैं। ऐसे किसी भी संकेत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

दूसरा मिथक है कि किसी व्यक्ति से आत्महत्या के बारे में पूछने से उसके मन में यह विचार आ सकता है। ऐसा नहीं है। संवेदनशीलता और बिना जज किए सीधे बातचीत करना व्यक्ति को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का मौका दे सकता है। कई बार किसी परेशान इंसान को समाधान से पहले सिर्फ एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जो उसकी बात ध्यान से सुने।

यह मानना भी सही नहीं है कि आत्महत्या करने वाला व्यक्ति मरने का पूरी तरह दृढ़ निश्चय कर चुका होता है। आत्महत्या के विचारों से जूझ रहे कई लोग गहरे भावनात्मक दर्द से राहत चाहते हैं और उनके मन में दुविधा भी हो सकती है। ऐसे समय में समय पर सहायता और उचित हस्तक्षेप महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

एक और भ्रम है कि आत्महत्या हमेशा बिना किसी चेतावनी के होती है। कई मामलों में व्यक्ति पहले से कुछ संकेत दे सकता है, जैसे लगातार निराश रहना, लोगों से दूरी बनाना, चिड़चिड़ापन, व्यवहार में अचानक बदलाव या मृत्यु के बारे में बात करना। इन संकेतों को गंभीरता से लेना जरूरी है।

यह भी जरूरी नहीं कि केवल मानसिक बीमारी से जूझ रहे लोग ही आत्महत्या करते हैं। मानसिक विकार एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक हो सकते हैं, लेकिन आत्महत्या के पीछे मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, जैविक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय कई कारणों का जटिल मेल हो सकता है। इसलिए किसी की परेशानी को छोटा न समझें। उसे सुनें, समझें और बिना किसी निर्णय के उसके साथ खड़े रहें। जरूरत महसूस होने पर विशेषज्ञ सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 14416 पर संपर्क किया जा सकता है।

सांस की सेहत का रखें ख्याल, धूल-धुएं से बचाव के साथ अपनाएं ये आसान उपाय



हवा में बढ़ता धुआं, धूल और पार्टिकुलेट प्रदूषण सिर्फ बाहर निकलने में परेशानी नहीं पैदा करता, बल्कि सांस से जुड़ी दिक्कतों को भी बढ़ा सकता है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से अस्थमा या किसी दूसरी सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों को प्रदूषित हवा में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। ऐसे में थोड़ी सी सतर्कता और रोजमर्रा की कुछ आसान आदतें सांस की सेहत को बेहतर रखने में मदद कर सकती हैं।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि हवा में मौजूद धूल, धुआं और बारीक कण सांस के साथ शरीर के अंदर पहुंच सकते हैं। इससे कुछ लोगों में खांसी, गले में खराश, नाक बंद होना, सांस लेने में परेशानी या घरघराहट जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

इसके अलावा, ईएनएसओ से जुड़ी सूखे की परिस्थितियां कुछ क्षेत्रों में जंगलों में आग और धूल भरी आंधियों का खतरा बढ़ा सकती हैं। इससे हवा में धुआं और पार्टिकुलेट प्रदूषण बढ़ने पर सांस की समस्याएं और परेशान कर सकती हैं। इसलिए बच्चों और बुजुर्गों के साथ-साथ पहले से सांस की बीमारी वाले लोगों को खास सावधानी रखनी चाहिए।

सांस और गले को आराम देने के लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। बहुत ठंडे पानी की जगह गुनगुना पानी या हर्बल इन्फ्यूजन लिया जा सकता है। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और गले में होने वाली सूखापन या खराश में कुछ राहत मिल सकती है।

हल्की सर्दी-जुकाम या खांसी में कुछ पारंपरिक घरेलू उपाय भी आजमाए जाते हैं। जैसे सूखी अदरक यानी सोंठ को गुड़ के साथ लेना, हल्दी वाला दूध या तुलसी के रस में शहद मिलाकर लेना। हालांकि, ये उपाय लक्षणों में राहत के लिए हो सकते हैं, किसी गंभीर बीमारी का इलाज नहीं हैं।

नाक बंद होने या गले में खराश जैसी परेशानी में भाप लेना कुछ लोगों को आराम दे सकता है। इसी तरह गुनगुने नमक या हल्दी वाले पानी से गरारे करने से गले की परेशानी में राहत मिल सकती है। भाप लेते समय बहुत गर्म पानी से जलने से बचें, खासकर बच्चों के मामले में।

सांस और शरीर को सक्रिय रखने के लिए योग भी मददगार हो सकता है। भुजंगासन और गोमुखासन जैसे आसनों को अपनी क्षमता के अनुसार अभ्यास में शामिल किया जा सकता है। इनके साथ नाड़ी शोधन और भ्रामरी प्राणायाम भी किए जा सकते हैं।

लेकिन अगर सांस लेने में ज्यादा परेशानी, लगातार खांसी, सीने में दर्द, तेज घरघराहट या सांस फूलने जैसी समस्या हो, तो केवल घरेलू उपायों पर निर्भर न रहें और डॉक्टर से सलाह लें।

केला खाने का सही समय कौन सा? सुबह, खाली पेट या रात, जानिए क्या कहता है विज्ञान



बहुत से लोग केले को नाश्ते, वर्कआउट से पहले या बाद में और कभी-कभी रात की हल्की भूख के समय भी खा लेते हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में कई तरह की धारणाएं मौजूद हैं। कोई इसे सुबह खाली पेट खाने की सलाह देता है तो कोई रात में केला खाने को नुकसानदायक बताता है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो केले को खाने का कोई एक समय नहीं है। केला एक आम फल है, जो कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे आप अपनी सहूलियत और शरीर की जरूरत के हिसाब से खा सकते हैं।

अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार , एक केले में करीब 422 मिलीग्राम पोटैशियम और 0.4 मिलीग्राम विटामिन बी6 होता है। पोटैशियम नसों और मांसपेशियों के काम और शरीर में पानी के संतुलन के लिए जरूरी है, जबकि विटामिन बी6 प्रोटीन के इस्तेमाल और कई एंजाइम संबंधी प्रक्रियाओं में मदद करता है। केले में कार्बोहाइड्रेट भी अच्छी मात्रा में होता है। इसी वजह से जिम जाने वाले और खिलाड़ी इसे स्नैक के तौर पर खाना पसंद करते हैं। इससे तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन सिर्फ केला खाने से शरीर की सभी पोषक जरूरतें पूरी नहीं होंगी। इसे संतुलित भोजन का एक हिस्सा मानना बेहतर है।

अगर खाली पेट केला खाना सही है या गलत, तो अगर किसी को सुबह केला खाने से कोई परेशानी नहीं होती, तो इसे नाश्ते में शामिल किया जा सकता है। वहीं जिन लोगों को खाली पेट फल खाने के बाद पेट फूलने या भारीपन जैसी समस्या महसूस होती है।

सिर्फ स्वाद नहीं, सेहत का आधार है आयुर्वेद आहार, आयुष मंत्रालय ने बताया महत्व



नई दिल्ली। आज के समय में लोग अपने खान-पान को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। क्या खाना चाहिए, किस तरह का भोजन हमारी दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए और पारंपरिक खान-पान को किस नजरिए से देखा जाए, इन सवालों पर लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। ऐसे में आयुर्वेद आहार की अवधारणा को समझना जरूरी हो जाता है।

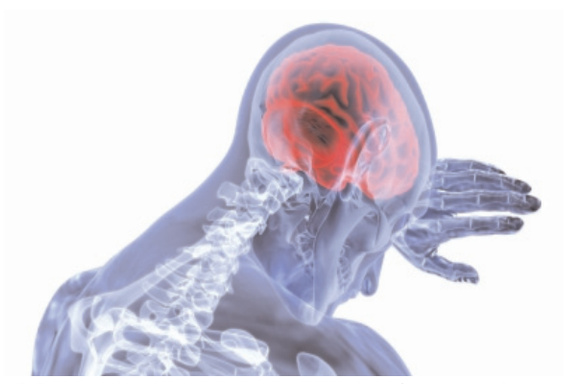
आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयुर्वेद आहार यानी ऐसा आहार, जिसकी अवधारणा आयुर्वेद के सिद्धांतों और पारंपरिक ज्ञान से जुड़ी है। इसे समझने के लिए केवल भोजन पर ध्यान देना काफी नहीं है। इसके साथ हमारी परंपरा और भोजन से जुड़े तय मानकों को भी समझना जरूरी है।

आयुर्वेद आहार के लिए एक निर्धारित नियामक व्यवस्था भी मौजूद है। खाद्य सुरक्षा और मानक (आयुर्वेद आहार) विनियम, 2022 के तहत आयुर्वेद आहार के लिए एक नियामक ढांचा तैयार किया गया है। इसमें श्रेणी ए की व्यवस्था भी शामिल है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद आहार के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक व्यवस्थित और जिम्मेदार ढांचे में लाना है। आयुर्वेद आहार को आसान भाषा में समझने के लिए तीन बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं- आहार, परंपरा और मानक।

पहला है आहार। इसका सीधा मतलब है कि हम क्या खाते और पीते हैं। हमारे रोजमर्रा के भोजन में शामिल सभी चीजें हमारी आहार व्यवस्था का हिस्सा हैं। आयुर्वेद में भोजन को केवल भूख मिटाने का साधन नहीं माना जाता, बल्कि खान-पान और जीवनशैली को भी महत्वपूर्ण माना गया है।

दूसरा है परंपरा। भारत में भोजन से जुड़ा ज्ञान और तरीके सदियों से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचते रहे हैं। अलग-अलग इलाकों में मौसम, स्थानीय उपलब्धता और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर भोजन तैयार करने और खाने के अलग-अलग तरीके देखने को मिलते हैं। यही पीढ़ियों से चला आ रहा ज्ञान आयुर्वेद आहार को समझने में अहम भूमिका निभाता है। तीसरा है मानक। किसी भी खाद्य पदार्थ के उत्पादन और उसके बारे में लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए स्पष्ट नियम और जिम्मेदार व्यवस्था जरूरी होती है। मानक इसी व्यवस्था का आधार हैं। ये भोजन के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक तय ढांचे के भीतर रखने में मदद करते हैं।

मिडिल एज में तीन चीजों पर नियंत्रण से 13 साल तक टल सकता है डिमेंशिया : अध्ययन



मिडिल एज में उच्च रक्तचाप, टाइप-2 मधुमेह और धूम्रपान को अगर नियंत्रित रखा तो तय है कि डिमेंशिया की शुरुआत को औसतन 13 वर्ष तक टाला जा सकता है। यह दावा एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में किया गया है।

अमेरिकी मेडिकल जर्नल 'न्यूरोलॉजी' में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 12,400 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य आंकड़ों का लगभग 26 वर्षों तक विश्लेषण किया। अध्ययन की शुरुआत में प्रतिभागियों की औसत आयु 56 वर्ष थी। फॉलो अप पीरियड के दौरान 3,000 से अधिक प्रतिभागियों में डिमेंशिया बढ़ा।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों में मिडिल एज के दौरान उच्च रक्तचाप, टाइप-2 मधुमेह और धूम्रपान जैसे तीनों जोखिम कारक मौजूद नहीं थे, वे औसतन 30.1 वर्ष तक डिमेंशिया से मुक्त रहे। वहीं, जो इन्हें नियंत्रित नहीं कर पाए, उनमें डिमेंशिया-मुक्त अवधि केवल लगभग 17 वर्ष रही। इस प्रकार दोनों समूहों के बीच करीब 13 वर्षों का अंतर दर्ज किया गया।

अध्ययन के वरिष्ठ लेखक और अमेरिका के एनवाईयू लैंगोन हेल्थ से जुड़े डॉ. जोसेफ कोरेश ने कहा कि डिमेंशिया की प्रक्रिया लक्षण सामने आने से कई वर्ष पहले ही शुरू हो जाती है। ऐसे में मिडिल एज में हृदय और रक्त वाहिकाओं से जुड़े जोखिमों को नियंत्रित करना मस्तिष्क के दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

विशेषज्ञों के अनुसार, उच्च रक्तचाप और मधुमेह मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जबकि धूम्रपान ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन को बढ़ाकर मस्तिष्क कोशिकाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

क्या आपकी डाइट में पर्याप्त कैल्शियम है? जानिए स्रोत, फायदे और रोजाना कितनी जरूरत



हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है और कैल्शियम उनमें से एक बेहद जरूरी खनिज है। आमतौर पर कैल्शियम का नाम सुनते ही सबसे पहले हड्डियों और दांतों का ख्याल आता है, लेकिन इसकी भूमिका सिर्फ इतनी ही नहीं है। इसलिए रोज की डाइट में पर्याप्त कैल्शियम लेना जरूरी है।

कैल्शियम हमारी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में मौजूद कैल्शियम का बड़ा हिस्सा हड्डियों और दांतों में संग्रहित रहता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों के सही तरीके से काम करने में मदद करता है। दिल की सामान्य धड़कन और रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया में भी कैल्शियम की भूमिका होती है।

कैल्शियम की जरूरत सिर्फ बच्चों को बढ़ती हड्डियों के लिए नहीं, बल्कि हर उम्र के व्यक्ति को होती है। उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए भी पर्याप्त कैल्शियम और संतुलित आहार जरूरी है।

कैल्शियम पाने के लिए हमेशा सप्लीमेंट की जरूरत हो, ऐसा नहीं है। संतुलित डाइट के जरिए भी इसे हासिल किया जा सकता है। दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही और पनीर कैल्शियम के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

इसके अलावा सोयाबीन, बादाम, दालें, अंजीर, मूली, गाजर और हरी पत्तेदार सब्जियों को भी अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। अलग-अलग खाद्य पदार्थों को मिलाकर खाने से डाइट ज्यादा पौष्टिक और संतुलित बनती है।

सिर्फ कैल्शियम खाना ही काफी नहीं है। शरीर कैल्शियम को अच्छी तरह अवशोषित कर सके, इसके लिए विटामिन-डी भी महत्वपूर्ण है। इसलिए कैल्शियम युक्त भोजन के साथ विटामिन-डी के पर्याप्त स्रोतों और स्वस्थ जीवनशैली पर भी ध्यान देना चाहिए।

आम तौर पर वयस्कों के लिए कैल्शियम की दैनिक आवश्यकता लगभग 1.0 से 1.5 ग्राम प्रतिदिन बताई जाती है। हालांकि वास्तविक जरूरत उम्र, लिंग और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। इसलिए अपनी व्यक्तिगत जरूरत के लिए डॉक्टर या डाइटीशियन की सलाह लेना बेहतर है।



गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय की फिल्म 'तुम मेरे हो' का फर्स्ट पोस्टर रिलीज, इस दिन फिल्म होगी रिलीज

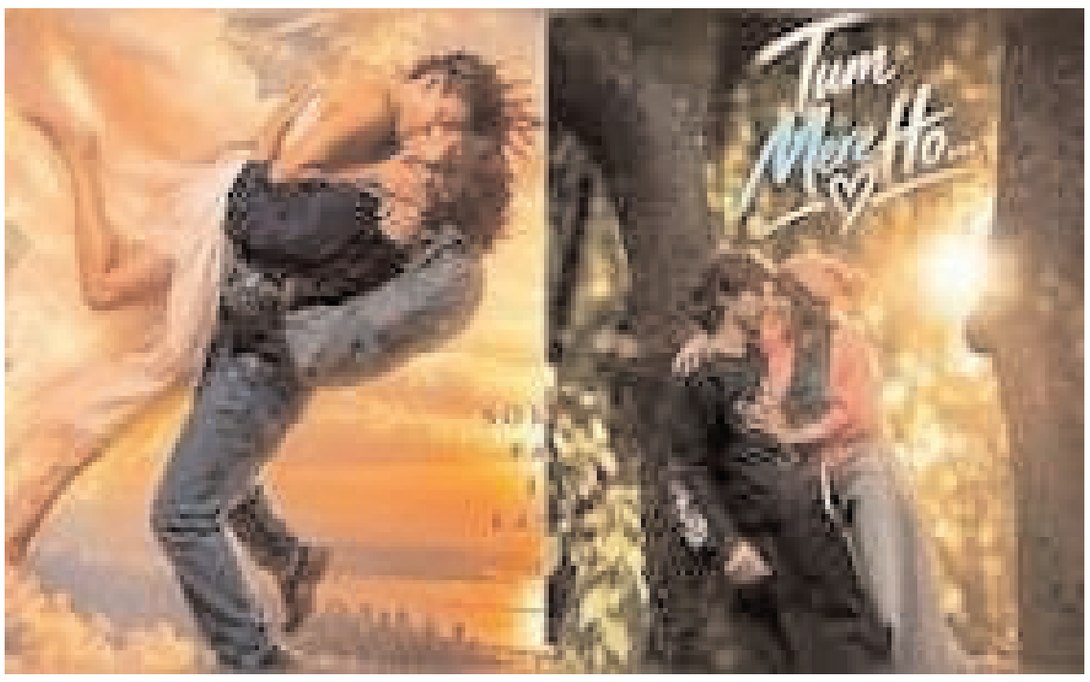


मुंबई। अभिनेता गुरमीत चौधी और ईशा मालवीय आगामी फिल्म 'तुम मेरे हो' में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। शुक्रवार को फिल्म के मेकर्स ने पहला पोस्टर रिलीज किया है, जिसमें एक इंटेंस लव स्टोरी की झलक देखने को मिल रही है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर किया, जिसमें गुरमीत और ईशा बादलों के बीच से गिरते हुए नजर आ रहे हैं, पीछे शहर और ढलते हुए सूरज का नजारा है और दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब हैं। पोस्टर पर फिल्म का नाम लिखा है, 'तुम मेरे हो'। पोस्टर शेयर कर मेकर्स ने लिखा, ''तुम मेरे हो' की दुनिया में खो जाइए। यह फिल्म 23 अक्टूबर को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी, क्योंकि कभी-कभी प्यार में पड़ना सबसे आसान होता है। असली कहानी तो उसके बाद शुरू होती है।'

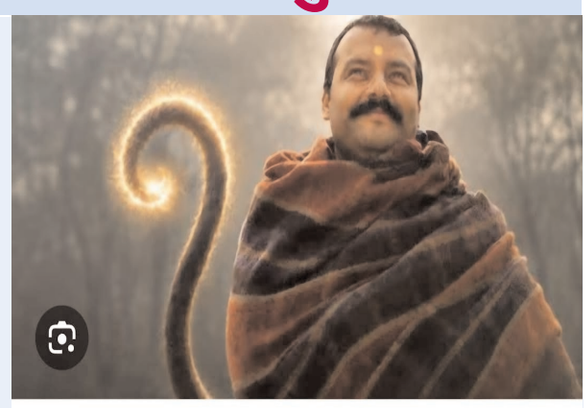
यह एक्शन और एडवेंचर से भरपूर एक इंटेन्स लव स्टोरी होगी, जिसके जरिए अभिनेत्री ईशा मालवीय बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

प्रोड्यूसर और गुरमीत चौधरी की पत्नी देबीना बनर्जी ने भी अपने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर कर पति गुरमीत के साथ अपने बैनर देबगुरु फिल्म्स के तहत बनी पहली फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। फर्स्ट लुक शेयर करते हुए देबिना ने लिखा, 'बहुत-बहुत स्पेशल दिन है। 'तुम मेरे हो' 23 अक्टूबर को नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। नई शुरुआत, नए सपनों और दिल के बेहद करीब एक कहानी के नाम। मैं और गुरु अपनी पहली प्रोड्यूस की हुई फिल्म देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले पेश कर रहे हैं, मेरा दिल गर्व और खुशी से भरा हुआ है। उन्होंने लिखा, 'इस सपने को साथ बुनने से लेकर इसे बड़े पर्दे पर जिंदा होते देखने तक यह सफर सच में बहुत खास रहा है और गुरमीत चौधरी तुम्हें एक एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर इस खूबसूरत कहानी को निभाते हुए देखकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। तुमने इस फिल्म में कितना पैशन, मेहनत और दिल लगाया है। अब मैं इंतजार नहीं कर सकती कि सभी लोग इसे देखें।

देबीना बनर्जी ने अभिनेत्री ईशा मालवीय के लिए लिखा, 'ईशा मालवीय तुम्हें बॉलीवुड डेब्यू के लिए ढेर सारी बधाई। यह एक बहुत ही खूबसूरत शुरुआत है और मुझे बहुत खुशी है कि 'तुम मेरे हो' तुम्हारी बॉलीवुड जर्नी की शुरुआत बन रही है।' इस फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है। इसे 'रेवा क्रिएटिव हाउस' और 'देबगुरु फिल्म्स' के बैनर तले बनाया जा रहा है, जिसकी निर्माता गुरमीत की पत्नी देबीना बनर्जी और आरती एस. हैं।



एक चमत्कार ही है 'हनुमान अंश



विश्व केसरी■

'हनुमान अंश' फिल्म देखने के बाद जो मेरे मुख से पहली प्रतिक्रिया निकली वह थी! ' यह नीम करौली बाबा का चमत्कार ही है जो फिल्म पूरे भारत में रिकॉर्ड कलेक्शन के साथ चल गई '। भारतीय सिनेमा में संतों और आध्यात्मिक व्यक्तित्वों,देवी देवताओं पर फिल्म बनाना आसान काम नहीं है। आज से कई साल पहले 'संतोषी मां' पर फिल्म बनी थी उसने भी उस समय रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी, लोगो में आस्था इतनी थी कि लोग सिनेमा हाल में श्रद्धा पूर्वक पैसे फेंका करते थे। ऐसा इसीलिए होता है कि इन चरित्रों के साथ करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी होती है और दर्शक उन्हें केवल एक फिल्मी पात्र के रूप में नहीं देखते बल्कि अपनी आस्था श्रद्धा के अनुकूल देखते है तथा उसमें भक्ति स्वरूप डूब जाते है। ऐसे में किसी संत के जीवन को पर्दे पर उतारना उनकी श्रद्धा, संवेदनशीलता और सिनेमाई दृष्टिकोण से बहुत कठिन और महत्वपूर्ण चुनौती स्वरूप हो जाता है। 'हनुमान अंश' इसी चुनौती को स्वीकार करती फिल्म है। निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने इस फिल्म के माध्यम से प्रसिद्ध संत नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी आध्यात्मिक यात्रा को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। फिल्म में शोबिनव सत्य ने नीम करौली बाबा की केंद्रीय भूमिका निभाई है। उनके साथ विहान शेडगे, चंदन आनंद, पूर्णिमा तिवारी,अनिल रस्तोगी और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म के भजन प्रभावशाली अर्थपूर्ण है।

'हनुमान अंश' का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि फिल्म नीम करौली बाबा को केवल चमत्कारों के माध्यम से प्रस्तुत करने की कोशिश नहीं करती, बल्कि उनकी आध्यात्मिक यात्रा और मानवीय पक्ष को भी सामने लाती है।कहानी का केंद्र एक ऐसे व्यक्ति की यात्रा है, जिसके जीवन में सांसारिक मोह, पारिवारिक संबंध, पीड़ा, तलाश और अंतत: अध्यात्म का प्रवेश होता है। यही यात्रा आगे चलकर उन्हें उस मुकाम तक ले जाती है, जहां वे अपने अनुयायियों के लिए 'महाराज जी' बन जाते हैं।फिल्म यह प्रश्न भी उठाती है कि आखिर कोई साधारण मनुष्य असाधारण आध्यात्मिक व्यक्तित्व कैसे बनता है? क्या संतत्व केवल चमत्कारों से प्राप्त होता है या उसके पीछे त्याग, साधना, करुणा और मानव सेवा की लंबी प्रक्रिया होती है?यहीं फिल्म अपने विषय को केवल धार्मिक कथा न रखकर मानवीय कथा में बदल देती है। फिल्म में नीम करौली बाबा की हनुमान भक्ति को कथा के केंद्र में रखा गया है। फिल्म का संदेश केवल यह नहीं है कि चमत्कार होते हैं। इसके पीछे प्रेम, सेवा, करुणा और दूसरे के दुख को समझने की भावना को महत्वपूर्ण बनाया गया है।फिल्म यह भी बताती है कि भक्ति का वास्तविक अर्थ केवल पूजा नहीं बल्कि मानवता की सेवा भी है। नीम करौली बाबा के बारे में पहले से जानकारी रखने वाले दर्शक उनकी जीवन-यात्रा को एक मानवीय कहानी के रूप में देख सकते है। उनके भक्त केवल देश में ही नहीं पूरे विश्व में फैले हुए है उनमे कई प्रसिद्ध एवं बड़े लोगों के नाम शामिल है। जो लोग नीम करौली बाबा को नहीं जानते वे भी इस फिल्म को देखने के बाद इतिहास के पन्नो में उन्हें ढूंढेंगे जरूर। फिल्म के सभी कलाकारों ने अपनी अपनी भूमिका को प्रभावशाली ढंग से निभाने की पुरजोर कोशिश की है, फिल्म के केंद्र बिंदु नीम करौली बाबा की भूमिका निभाने वाले शोभिनव सत्य के बारे में दर्शकों के अलग अलग विचार हो सकते है।

आईफा अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे करण जौहर-वरुण धवन, डिजिटल अवॉर्ड्स में पंकज त्रिपाठी-अली फजल संभालेंगे मंच

विश्व केसरी■

मुंबई। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईफा अवॉर्ड्स 2027) को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, आईफा डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 की कमान अभिनेता पंकज त्रिपाठी और अली फजल संभालेंगे जबकि मुख्य आईफा अवॉर्ड्स 2027 को करण जौहर और वरुण धवन होस्ट करते नजर आएंगे। इसके अलावा सलमान खान, शाहिद कपूर, करीना कपूर खान और जान्हवी कपूर अपनी शानदार परफॉर्मेंस से अवॉर्ड नाइट में चार चांद लगाएंगे।

आईफा अवॉर्ड्स 2027 का आयोजन 22 और 23 जनवरी को अबू धाबी के यास आइलैंड स्थित एतिहाद एरिना में किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस समारोह में इंडियन सिनेमा के कई बड़े सितारे एक ही मंच पर नजर आएंगे। दुनियाभर से इंडियन फिल्मों को पसंद करने वाले दर्शक भी इस सेलिब्रेशन का हिस्सा बनेंगे। अवॉर्ड्स के साथ म्यूजिक, डांस और स्टार्स की परफॉर्मेंस समारोह को खास बनाने वाली है।



इस बार बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की परफॉर्मेंस भी आईफा 2027 का बड़ा आकर्षण होगी। इस पर सलमान ने कहा, ''आईफा और मेरा रिश्ता बहुत पुराना है और जब भी आईफा मुझे बुलाता है, तो मेरे के लिए यह एक खास एहसास होता है। यह मेरे लिए सिर्फ एक अवॉर्ड शो नहीं है बल्कि यह फिल्मों और उन दर्शकों का सेलिब्रेशन है, जिन्होंने कलाकारों को इतना प्यार दिया है। मैं पिछले कई सालों से आईफा का हिस्सा रहा हूं और यहां परफॉर्म भी कर चुका हूं। हालांकि अबू धाबी लौटना मेरे लिए हमेशा कुछ अलग महसूस होता है क्योंकि इस शहर से मेरी कई खास यादें जुड़ी हुई हैं।''

दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं रणवीर-दीपिका, सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचकर लिया बप्पा का आशीर्वाद



विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड के पॉपुलर कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जल्द ही दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। गणेशोत्सव पर शुक्रवार को दोनों मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे और भगवान गणपति का आशीर्वाद लिया।

इस दौरान दोनों ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आए। दीपिका बेबी बंप के साथ काफी सावधानी से चलती दिखीं, जबकि रणवीर भीड़ के बीच से तेजी से आगे बढ़ते हुए उनके पास पहुंचे।

मंदिर के लिए दीपिका ने हॉट ऑरेंज, जंगल ग्रीन और पर्पल शेड्स के कॉम्बिनेशन वाला मैटरनिटी एथनिक आउटफिट चुना। वहीं, रणवीर पर्पल कलर के कुर्ते और वाइट पायजामे में नजर आए। दोनों का लुक सिंपल था, लेकिन फेस्टिवल के लिए बिल्कुल परफेक्ट था।

मंदिर के बाहर रणवीर और दीपिका को देखने के लिए काफी लोग मौजूद थे। दीपिका बेबी बंप के साथ सावधानी से आगे बढ़ती हुई दिखीं। इसी दौरान रणवीर भीड़ को पार करते हुए तेजी से आगे बढ़े और दीपिका के साथ आकर चलने लगे। दोनों ने मंदिर में भगवान गणपति के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया।

सिद्धिविनायक मंदिर जाने से एक दिन पहले रणवीर सिंह मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा के दर्शन करने भी पहुंचे थे। गुरुवार रात वह करी रोड इलाके में स्थित नवसाचा गणपति के दर्शन करने गए। इस दौरान रणवीर क्रीम कलर के कुर्ते में नजर आए थे और उन्होंने बप्पा का आशीर्वाद लिया।

रणवीर और दीपिका अपने दूसरे बच्चे के स्वागत का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले सितंबर 2024 में दोनों एक बेटी के माता-पिता बने थे। उन्होंने बेटी का नाम दुआ रखा। कपल ने दुआ को अब तक ज्यादातर मीडिया और पब्लिक की नजरों से दूर रखा है और सोशल मीडिया पर भी उसकी कुछ ही झलकियां शेयर की हैं।

सितंबर 2026 में दुआ के दूसरे जन्मदिन के मौके पर रणवीर और दीपिका ने बेटी की शुरुआती दिनों की कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में दीपिका की मैटरनिटी शूट की झलक देखने को मिली थी। इससे पहले अप्रैल 2026 में कपल ने अपने दूसरे बच्चे के आने की खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की थी।

स्वरा भास्कर से लेकर रिया अहीर तक, 'राइज एंड फॉल' में जाने से पहले शहजाद पूनावाला ने कई मुद्दों पर दी राय

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला इन दिनों एक नए रियलिटी शो को लेकर चर्चा में हैं। अगस्त 2026 में भाजपा से इस्तीफा देने के बाद अब वह प्राइम वीडियो के रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इसी बीच शहजाद ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कई चर्चित मुद्दों और लोगों को लेकर अपनी राय रखी।

उन्होंने अभिनेत्री स्वरा भास्कर के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया दी और अयोध्या राम जन्मभूमि मामले पर उनके रुख को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने मॉडल रिया अहीर के साथ सोशल मीडिया पर हुई बहस और दिशा सालियान मामले में चल रही जांच को लेकर भी बात की।

शहजाद ने कहा, ''मैं स्वरा भास्कर से इतना ही कहना चाहूंगा कि स्वरा बस कर। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि हिंदू विरोध और देश विरोध से जुड़ी बातें बंद करें। राम मंदिर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने फैसले सुनाया था, क्या स्वरा और राहुल गांधी को लगता है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत था? लंबे समय तक चले राम जन्मभूमि आंदोलन के बाद अदालत के फैसले को लेकर इस तरह की प्रतिक्रिया देना हिंदू समाज के धैर्य को नजरअंदाज करना है।''

शहजाद का बयान स्वरा भास्कर के उस हालिया इंटरव्यू के बाद आया है, जिसमें उन्होंने 2019 के अयोध्या फैसले को याद करते हुए कहा था कि वह उस समय काफी दुखी और परेशान थीं। स्वरा ने एक पॉडकास्ट में बताया था कि फैसले के बाद उन्होंने अपने फोन में मौजूद कई मुस्लिम दोस्तों और परिचितों को मैसेज किया था।

शबाना आजमी के बर्थडे पर दिव्या दत्ता ने लुटाया प्यार, बोलीं- 'जिंदगी का सबसे ब्राइट रंग हो आप'

विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता और जानी-मानी अभिनेत्री शबाना आजमी की दोस्ती काफी पुरानी है। शबाना आजमी के 75वें जन्मदिन पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो शेयर कर अपनी भावनाएं जाहिर कीं। इस वीडियो के साथ दिव्या ने एक दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने शबाना आजमी की जिंदगी को लेकर उनके उत्साह, अभिनय के प्रति जुनून और हर पल को खुलकर जीने की उनकी आदत की जमकर तारीफ की।

दिव्या दत्ता ने वीडियो शेयर करते हुए शबाना आजमी के लिए बेहद प्यार भरा नोट लिखा। उन्होंने कहा, ''जिंदगी का सबसे ब्राइट रंग हो आप... जिंदगी जीने का आपका जोश, एक कलाकार के तौर पर आपकी उत्सुकता और हर पल को हंसी के साथ सेलिब्रेट करने का आपका अंदाज काफी अलग है। आप एक अलग ही क्लास की अभिनेत्री हो। आप लेजेंड हो। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे आपको जानने, आपसे प्यार करने और आपके खास पलों को सेलिब्रेट करने का मौका मिला।''



दिव्या ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, ''हैप्पी बर्थडे शबाना दी। आपसे बहुत प्यार करती हूं। आपका वो हाथ जो मेरे ऊपर रहता है, मेरे लिए सबसे कीमती है।''

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में दोनों अभिनेत्रियां साथ में कैमरे के लिए पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं।

दिव्या दत्ता और शबाना आजमी ने साथ में कई प्रोजेक्ट्स में काम किया है। दोनों 2016 में आई फिल्म 'चॉक एंड डस्टर' में नजर आई थीं। इस फिल्म में शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों की जिंदगी से जुड़ी कहानी दिखाई गई थी। इसके अलावा, दोनों चर्चित शॉर्ट फिल्म 'शीर कोरमा' का भी हिस्सा रही हैं। इस प्रोजेक्ट में दोनों के काम को काफी पसंद किया गया था। साथ काम करते हुए दोनों के बीच जो रिश्ता बना, वह आगे चलकर दोस्ती में बदलता गया।

शबाना आजमी 18 सितंबर को अपना 7*ं* जन्मदिन मना रही है। इस खास मौके कोउन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े अपने करीबी दोस्तों और सहयोगियों के साथ सेलिब्रेट किया। जन्मदिन से पहले ही उनके लिए खास जश्न का आयोजन किया गया था। इस दौरान फिल्म इंडस्ट्री के कई लोग उनके साथ नजर आए और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

शबाना के जन्मदिन से पहले अभिनेत्री विद्या बालन और उनके पति, निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर ने भी उन्हें एक खास सरप्राइज दिया। दोनों की ओर से शबाना के लिए एक अनोखा केक तैयार करवाया गया था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में विस्फोट 15 की मौत; 50 से अधिक घायल

विश्व केसरी■

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में शुक्रवार को पुलिस लाइंस क्षेत्र स्थित एक मस्जिद के पास हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। यह धमाका जुमे की नमाज के दौरान हुआ, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

पाकिस्तान के स्थानीय मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक, जिला मुख्यालय (डीएचक्यू) अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट ताहिर अली शाह ने बताया कि अस्पताल में 15 शव और 50 से अधिक घायल लोगों को लाया गया है। घायलों में कई पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, विस्फोट मस्जिद के पास हुआ, जिससे वहां एक बड़ा गड्ढा बन गया। धमाके की वजह से मस्जिद का बाहरी हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसकी एक दीवार भी ढह गई।



घटना के तुरंत बाद पुलिस लाइंस क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई। राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुट गए। अधिकारियों के मुताबिक, बचाव अभियान जारी है।

यह विस्फोट ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान में, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में, कानून-व्यवस्था से जुड़े कर्मियों को निशाना बनाकर हमलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है।

इससे पहले 10 सितंबर को बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले के कंक क्षेत्र में एक पुलिस चौकी पर अज्ञात हमलावरों ने हमला किया था, जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई थी और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ था। हमले के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया था।

इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की मासिक सुरक्षा रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त में पाकिस्तान में 199 आतंकी हमले दर्ज किए गए, जबकि जुलाई में इनकी संख्या 144 थी। अगस्त के हमलों में 158 लोगों की मौत हुई और 181 लोग घायल हुए।

चीन-ईरान के बीच ब्रिक्स समिट में नहीं दिखी नजदीकी: रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। चीन भले ही ईरान का सबसे अहम आर्थिक साझेदार है, लेकिन बीजिंग ने अपनी व्यापक मध्य पूर्व रणनीति को तेहरान के साथ जोड़ने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

एमबीएन न्यूज वेबसाइट पर छपे एक लेख के मुताबिक, पिछले हफ्ते दिल्ली में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से दूरी बनाए रखी। इस मौके पर दोनों नेताओं के बीच सार्वजनिक तौर पर कोई बातचीत नहीं हुई।

जिम स्नाइडर ने अपने लेख में लिखा, 'शी जिनपिंग भारत में एक दिन से भी कम समय तक रहे। उन्होंने मेजबान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और अपनी सुरक्षा और शासन से जुड़ी पहल के लिए ग्लोबल साउथ के देशों का समर्थन पाने की भी संक्षिप्त कोशिश की। ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं है कि



उन्होंने पेजेशकियन से बात की हो। यह उन दो देशों के बीच एक साफ दूरी दिखाता है, जिन्हें अक्सर रणनीतिक साझेदार के तौर पर पेश किया जाता है।'

एमबीएन के पहले 'ग्रेट पावर्स इंडेक्स' में मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका यानी एमईएनए क्षेत्र के किसी भी दूसरे देश के मुकाबले ईरान को चीन के ज्यादा करीब बताया गया है। हालांकि, लेख के मुताबिक दोनों देशों के रिश्ते आंकड़ों में जितने सीधे दिखते हैं, असल में उससे कहीं ज्यादा जटिल हैं। लेख में विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि चीन इस समय यह दिखाना नहीं चाहता कि वह ईरान के बहुत ज्यादा करीब है। इसके उलट, शी जिनपिंग ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति अपना समर्थन कहीं ज्यादा खुलकर दिखाया है।

चीनी राष्ट्रपति की यह दूरी पिछले महीने किर्गिस्तान के बिश्केक में हुए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भी दिखाई दी थी। लेख में कहा गया, 'शी जिनपिंग ने पुतिन, उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव और किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सादिर जापारोव के साथ औपचारिक बैठकें कीं, जिनकी तस्वीरें भी सामने आईं। वहीं पेजेश्कियन के साथ उनकी सिर्फ एक छोटी सी मुलाकात हुई और उन्हें काफी कम तवज्जो मिली।'

लेख में कहा गया है कि चीन और ईरान के रिश्तों की सबसे बड़ी वजह हमेशा आर्थिक हित रहे हैं।

उम्मीद भरे रिश्तों में से एक है भारत-दक्षिण कोरिया संबंध: कोरियाई राजदूत

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत में दक्षिण कोरिया के राजदूत ली सियोंग-हो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल के जन-सेवा के सफर की सराहना करते हुए कहा कि पूरी दुनिया उनका सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत-दक्षिण कोरिया के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं।

छात्र कार्यक्रम पर आईएएनएस से बात करते हुए राजदूत ली सियोंग-हो ने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों के लिहाज से यह एक बहुत ही ऐतिहासिक पड़ाव है। यह एक मील का पत्थर है। हम वास्तव में कोरिया और भारत को जोड़ने वाले मजबूत पुल बना रहे हैं। छात्र ही वे लोग हैं, जो आगे चलकर हमारी साझेदारी और दोस्ती को और मजबूत करेंगे। भारत में 'कोरियन एजुकेशन फेयर' की यह शुरुआत है। मेरा मानना है कि यह पहला एजुकेशन फेयर है, लेकिन निश्चित रूप से आखिरी नहीं है। हम कोरिया और भारत के बीच शिक्षा के क्षेत्र में इस जुड़ाव को लगातार मजबूत और बड़ा करते रहेंगे। दोनों देशों के मजबूत रिश्तों पर बात करते हुए राजदूत ली सियोंग ने प्रधानमंत्री की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी एक महान नेता हैं और मेरा मानना है कि पूरी दुनिया उनका सम्मान करती है।

अमेरिका के नए टैरिफ कानून का चीन ने किया विरोध

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। रूस से तेल-गैस खरीद पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने वाले अमेरिकी कानून 'सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' को लेकर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की।

चीन के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कांग्रेस के इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे कानूनों का अंतरराष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है। चीन ऐसे कानूनों का विरोध करता है।

चीन विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'चीन दूसरे देशों के साथ बराबरी और आपसी फायदे के आधार पर सामान्य आर्थिक और व्यापारिक सहयोग करता है। यह सहयोग किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है और इसमें किसी तरह की रुकावट या दबाव नहीं होना चाहिए।



चीन ऐसे कानूनों के जरिए दूसरे देशों पर अधिकार जताने और एकतरफा पाबंदियां लगाने का कड़ा विरोध करता है, जिनका अंतरराष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है और जिन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी भी नहीं मिली है।'

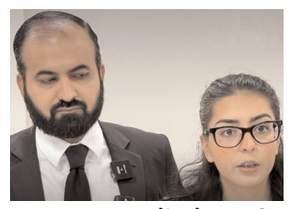
इस विधेयक में रूसी उत्पादों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। साथ ही, रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों से आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। सीनेटर केटी ब्रिट के कार्यालय के अनुसार, जिन देशों की ओर से रूस से आयात की जाने वाली प्राकृतिक गैस रूस के कुल गैस निर्यात का 15 प्रतिशत से कम है और जो अपनी खरीद कम करने के लिए गंभीर कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट दी जा सकती है।

इस कानून का उद्देश्य यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को जारी रखने के लिए मिलने वाले आर्थिक संसाधनों को कम करना है। इसके तहत रूसी अधिकारियों, बैंकों, ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं और रूस के सैन्य अभियानों का समर्थन करने वाली विदेशी संस्थाओं को निशाना बनाया गया है। ये प्रावधान उन बड़े देशों पर लागू होंगे जो रूस से बड़ी मात्रा में ऊर्जा आयात करते हैं या रूस पर लगे तेल प्रतिबंधों को दरकिनार करने में मदद करते हैं।

समिति ने कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि हर 180 दिन में समीक्षा करेगा और जरूरत पड़ने पर अन्य देशों को भी इस सूची में जोड़ा जा सकता है।

जमानत मिलने के चंद घंटों बाद मानवाधिकार वकीलों को फिर किया गया गिरफ्तार

विश्व केसरी■



इस्लामाबाद। स्थानीय मीडिया की शुक्रवार की रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के कुछ ही घंटों बाद, पाकिस्तानी मानवाधिकार वकील ईमान जैनब मजारी-हजीर और उनके पति हादी अली चट्ठा को फिर से गिरफ्तार कर लिया गया और इस्लामाबाद की आतंकवाद-रोधी अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने सोशल मीडिया पोस्ट मामले में दोनों वकीलों की सजा पर रोक लगा दी, जिसके बाद उन्हें फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) के रवैये पर सवाल उठाए। बेंच ने कहा कि यह अजीब बात है कि आईएचसी ने सुप्रीम कोर्ट के 12 मई के आदेश का जिक्र तो किया, लेकिन उसका पालन नहीं किया। मदारी-हाजिर और चट्ठा को 23 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था और एंटी-टेररिज्म कोर्ट (एटीसी) ने उन्हें 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया था। 24 जनवरी को, डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट ने सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े मामले में कई आरोपों के तहत दोनों को 17-17 साल की जेल और 36-36 मिलियन पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया।

राष्ट्रपति ली ने की कोरियाई प्रायद्वीप में शांति की अपील

विश्व केसरी■



सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने शुक्रवार को एक बार फिर कहा कि वह 1950-53 के कोरियाई युद्ध को रोकने वाले युद्धविराम समझौते की जगह एक स्थायी शांति व्यवस्था बनाना चाहते हैं। यह बात उन?होंने नेशनल असेंबली में आयोजित समारोह में कही।

यह समारोह प्योंगयांग संयुक्त घोषणा की याद में आयोजित किया गया था। इस घोषणा पर 19 सितंबर 2018 को तत्कालीन दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे-इन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने प्योंगयांग में अपनी शिखर बैठक के बाद हस्ताक्षर किए थे। राष्ट्रपति ली का भाषण उनकी ओर से राजनीतिक मामलों के विशेष सलाहकार किम क्यूंग-सू ने पढ़ा।

2018 की इस घोषणा में दोनों कोरियाई देशों ने सीमा पर सैन्य तनाव और दुश्मनी खत्म करने के साथ-साथ आपसी सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया था।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ली ने कहा कि इस घोषणा के बावजूद उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच बातचीत और सहयोग रुक गया है, जबकि तनाव बढ़ा है। इसी दौरान उत्तर कोरिया ने अपनी परमाणु हथियार क्षमता भी तेजी से बढ़ाई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अब उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच बातचीत दोबारा शुरू होने की उम्मीद के संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दक्षिण कोरिया इस बातचीत को जल्द शुरू कराने में मदद करेगा और कोशिश करेगा कि यह आगे चलकर कोरियाई प्रायद्वीप में स्थायी शांति व्यवस्था बनाने पर बातचीत का रास्ता खोले। ली का इशारा जाहिर तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर था, जो उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ फिर से कूटनीतिक बातचीत शुरू करने की कई बार कोशिश कर चुके हैं।

राष्ट्रपति ली ने कहा, 'हमारी सरकार पूरी कोशिश करेगी कि यह पहल उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच बातचीत दोबारा शुरू होने तक पहुंचे और आगे चलकर कोरियाई प्रायद्वीप में युद्ध खत्म करने तथा शांति व्यवस्था स्थापित करने पर बातचीत में बदले।' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार 2018 के समझौते को एक अहम पड़ाव और दिशा दिखाने वाले समझौते के रूप में मानती रहेगी और उसी के मुताबिक अपनी कोशिशें आगे बढ़ाएगी।

भारत में एआई का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचना जरूरी: माइक्रोसॉफ्ट सीईओ

विश्व केसरी■



सिएटल। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने तकनीकी क्षेत्र के लीडर्स से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का लाभ भारत के किसानों, कारोबारों और समुदायों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि एआई की क्षमता इस बात पर निर्भर करेगी कि कितने व्यापक स्तर पर लोग इसका इस्तेमाल कर सकते हैं और इसके विकास में योगदान दे सकते हैं।

सिएटल में आयोजित आईडियाज4इंडिया फोरम को संबोधित करते हुए नडेला ने कहा कि किसी सामान्य-उद्देश्य वाली तकनीक के लाभ देशों और विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय संप्रभुता, ज्ञान पर नियंत्रण और मानव निगरानी पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'यह तभी संभव होगा, जब पूरी दुनिया इस ज्ञान से लाभ उठा सके और इसमें अपना योगदान भी दे सके।'

भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इंडियन अमेरिकन टेक सीईओ फोरम का आयोजन किया, जिसमें भारतीय मूल के 40 से अधिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) शामिल हुए। इसमें एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे। नडेला ने एआई की क्षमता को दिल्ली में देखे गए एक प्रदर्शन के उदाहरण से समझाया।

भीषण युद्ध के बीच ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन का न्यूयॉर्क दौरा, शर्तों के साथ अमेरिका ने दी इजाजत

विश्व केसरी■



वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी भीषण युद्ध के बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और उनका प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह अमेरिका का दौरा करने वाले हैं। इसके लिए अमेरिका की ओर से भी इजाजत दे दी गई है।

दरअसल, न्यूयॉर्क में अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा की हाई-लेवल बैठक होनी है। ट्रंप प्रशासन ने ईरान के नेताओं को अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र की उच्च स्तरीय बैठकों में शामिल होने की इजाजत देने पर सहमति जताई है।

द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, 'मेजबान देश के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों के मुताबिक, ईरानी सरकार के मुख्य प्रतिनिधिमंडल को संयुक्त राष्ट्र महासभा के हाई-लेवल वीक में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। समाचार एजेंसी 'यूएनबी' ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि ईरानी राष्ट्रपति और प्रतिनिधिमंडल की इस न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान उन पर यात्रा संबंधी पाबंदियां रहेंगी। अमेरिकी विदेश विभाग की नीति के अनुसार उन पर लग्जरी और अन्य सामान खरीदने पर रोक होगी।

द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, ईरानी प्रतिनिधिमंडल को यात्रा से जुड़े जरूरी दस्तावेज दिए जाने का मतलब है कि उसके सदस्य संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में हिस्सा ले सकेंगे, जो मंगलवार से शुरू हो रही है। यह संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च-स्तरीय सप्ताह का 81वां सत्र होने वाला है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले की अमेरिकी सरकारें आम तौर पर दुनिया के नेताओं को इन उच्च स्तरीय बैठकों में शामिल होने के लिए वीजा देती रही हैं। हालांकि, ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल घोषणा की थी कि वह फिलिस्तीनी प्राधिकरण और फिलिस्तीन मुक्ति संगठन के सदस्यों के वीजा या तो रद्द कर रहा है या उन्हें वीजा देने से इनकार कर रहा है।

जिनेवा में उठा बलूचिस्तान का मुद्दा

विश्व केसरी■



जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने बलूचिस्तान में हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों का मुद्दा दुनिया के सामने रखा। संगठन ने पाकिस्तानी अधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे कार्यकर्ताओं, छात्रों और लापता लोगों के परिवारों को मनमाने ढंग से हिरासत में ले रहे हैं, उन्हें जबरन गायब कर रहे हैं और उनके खिलाफ बदले की कार्रवाई कर रहे हैं।

जिनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 63वें सत्र को संबोधित करते हुए हेग स्थित 'ग्लोबल ह्यूमन राइट्स डिफेंस' (जीएचआरडी) ने कहा, 'हम परिषद का ध्यान कब्जे वाले बलूचिस्तान में मानवाधिकार संकट की ओर तुरंत दिलाना चाहते हैं, जहां बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, छात्रों और लापता लोगों के परिवारों को पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से जबरन गायब किए जाने, मनमानी हिरासत और बदले की कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।' संगठन ने बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के नेताओं की लगातार हिरासत का मुद्दा भी उठाया। उसने महरंग बलूच, बीबो बलूच, गुलजादी बलूच और अन्य लोगों की हिरासत को लेकर संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रक्रियाओं की ओर से जताई गई चिंताओं का जिक्र किया। साथ ही इनके परिवारों के खिलाफ कथित बदले की कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया। संगठन ने कहा कि 22 जून 2026 को पाकिस्तान की एक आतंकवाद विरोधी अदालत ने बीवाईसी नेताओं महरंग बलूच और सिबगतुल्लाह शाहजी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

अब नेपाल में बिना पासपोर्ट लिए घूम सकेंगे विदेशी पर्यटक, इमिग्रेशन विभाग ला रहा नया सिस्टम

विश्व केसरी■



काठमांडू। नेपाल का इमिग्रेशन विभाग एक ऐसी व्यवस्था शुरू करने जा रहा है, जिससे विदेशी नागरिकों को पूरे हिमालयी देश में घूमने के लिए अपना फिजिकल पासपोर्ट साथ लेकर चलने की जरूरत नहीं होगी।

विभाग ने इस सिस्टम को 'पासपोर्ट-फ्री ट्रैवल' नाम दिया है। विभाग का कहना है कि इसका मकसद नेपाल में विदेशी नागरिकों के ठहरने को और अधिक सुविधाजनक बनाना है। इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए विदेशी नागरिकों को नेपाल पहुंचने के बाद अपने मोबाइल में इमिग्रेशन विभाग की आधिकारिक ऐप इंस्टॉल करनी होगी और उसमें जरूरी जानकारी भरनी होगी, जिसमें पासपोर्ट की स्कैन कॉपी और वीजा की डिटेल भी शामिल है।

विभाग के डायरेक्टर जनरल राम चंद्र तिवारी ने कहा, 'फिर वे बिना फिजिकल पासपोर्ट लिए पूरे देश में आजादी से घूम सकते हैं।'

विभाग ने बताया कि यह ऐप एंड्रॉयड और एप्पल आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। एक बार ऐप पर अपनी डिटेल रजिस्टर करने के बाद विदेशी नागरिकों को घरेलू उड़ानों में सवार होते समय, मनी एक्सचेंज काउंटर पर करेंसी बदलते समय, होटल में चेक-इन करते समय या ट्रेकिंग एजेंसियों के जरिए यात्रा की व्यवस्था करते समय अपना फिजिकल पासपोर्ट दिखाने की जरूरत नहीं होगी। राम चंद्र तिवारी ने कहा, 'उदाहरण के लिए, यात्रा के दौरान जो लोग अपना पासपोर्ट होटल में भूल जाते हैं और जरूरत पड़ने पर उसे नहीं दिखा पाते, तो ऐप पर अपनी जानकारी अपडेट करके नेपाल के अंदर रहते हुए पासपोर्ट होटल या कहीं और भूलने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।'

उन्होंने कहा कि असली विदेशी नागरिकों को भी कभी-कभी पासपोर्ट न होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ा है और 'पासपोर्ट-फ्री ट्रैवल' व्यवस्था ऐसी परेशानियों को खत्म करने में मदद करेगी।

एशियन गेम्सः भारतीय टीम ने जापान को 8 विकेट से रौंदा, सेमीफाइनल में बांग्लादेश से होगा मुकाबला



विश्व केसरी ■

निशिन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने उम्मीद के मुताबिक जापान पर एकतरफा जीत हासिल की।

कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। टीम के गेंदबाजों ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के फैसले को सही साबित किया और जापान को 19.5 ओवर में मात्र 57 रन पर समेट दिया।

जापान की तरफ से सलामी बल्लेबाजों हारुना इवासाकी और अयाका काटो स्टेफॉर्ड को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने खड़ी नहीं हो सकी। इवासाकी ने 22 गेंदों पर 10 और अयाका ने 47 गेंदों पर 25 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सकीं।

भारत की तरफ से श्री चरणी ने एक बार फिर बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में मात्र 10 रन देकर 4 विकेट हासिल किया। शेफाली वर्मा ने 2 विकेट लिए। श्रेयांका पाटिल और दीप्ति शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

58 रन का स्कोर भारतीय टीम ने मात्र 5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाकर हासिल कर लिया। ओपनर शेफाली वर्मा मात्र 15 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 40 रन बनाकर रहीं। उनके साथ ऋचा घोष 6 गेंदों पर 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। जी कामालिनी शून्य और भारती फूलमाली 6 रन बनाकर आउट हुईं।

भारत ने 5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीता।

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में 20 सितंबर को भारत का मुकाबला बांग्लादेश को होगा। बांग्लादेश ने चीन के खिलाफ बारिश की वजह से मैच रद्द होने और आईसीसी में चीन से बेहतर रैंक होने के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

भारत और बांग्लादेश की टीम हाल ही में एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में दुबई में आमने-सामने थीं। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी और फाइनल में श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था।

एशियन गेम्स 2026: ब्रॉन्ज मेडल के लिए खेलेगी क्विंसी और इमरान बेग की जोड़ी, रेपचेज मैच में दर्ज की जीत



विश्व केसरी ■

नागोया। भारत के क्विंसी जोआकिम डिसूजा और मोहम्मद अनस इमरान बेग ने शुक्रवार को मिक्स्ड डबल्स रेपचेज मैच जीतकर एशियन गेम्स 2026 में टेकबॉल के ब्रॉन्ज मेडल मैच में जगह बना ली है।

भारतीय जोड़ी ने रेपचेज मैच में फिलीपींस की जोड़ी जोआना अबुलेंसिया और प्रिंस ऑगस्टिन को 2-0 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल मैच में प्रवेश किया है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला सेट 12-3 और दूसरा सेट 12-6 से जीता। भारतीय जोड़ी रविवार को अपना ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेगी और अपने प्रतिद्वंद्वी का इंतजार करेगी। इससे पहले, वे वियतनाम की जोड़ी जिया न्ची ट्रिन्ह और होआंग मिन्ह टैन गुयेन से क्वार्टर फाइनल हार गए थे।

दोनों ने शानदार प्रदर्शन किया है और ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट में जगह बनाई।

क्विंसी के लिए यह मेडल जीतने का एक और मौका होगा, क्योंकि इस डेब्यू करने वाली खिलाड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला सिंगल्स इवेंट के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई है। क्विंसी ने ग्रुप ए के अपने पहले मैच में जापान की युइना सकामोटो को 10-11, 12-11, 13-11 से हराने के बाद कंबोडिया की कोएमयेन डीवाई को 12-9, 12-7 से हराया।

इस जीत के साथ, क्विंसी ने महिला सिंगल्स इवेंट के सेमीफाइनल के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है, जो उनके एशियन गेम्स डेब्यू में एक बड़ी उपलब्धि है। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला इंडोनेशिया की इमा सुमाया से होगा, जहां जीत उनका मेडल पक्का कर देगी।इससे पहले, डेक्लान मार्शल गोंसाल्वेस और मोहम्मद अनस इमरान बेग की भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले देश के पहले एथलीट बने।

गोंसाल्वेस और बेग पहले ही वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीत चुके हैं। उन्होंने वियतनाम में 2024 संस्करण में पुरुष डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इस खेल में भारत का पहला मेडल हासिल किया था। मगर यह जोड़ी अपने दोनों ग्रुप मैच हार गई। पहले वे वियतनाम के ट्रुओंग जियांग बा और एनह खोआ ले से 2-0 से हारे और फिर रिपब्लिक ऑफ कोरिया के जुनसुक ली और ताएबीन ली के खिलाफ भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

दक्षिण अफ्रीका को लगा तगड़ा झटका, ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज से लुंगी एनगिडी बाहर, नकोबानी मोकोएना को मौका



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली घरेलू वनडे सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को करार झटका लगा है। इंजरी की वजह से दाएं हाथ के तेज गेंदबाज वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह नकोबानी मोकोएना को मौका दिया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इसकी पुष्टि शुक्रवार को की।

एनगिडी को डॉल्फिन्स के खिलाफ टाइटन्स के प्रथम श्रेणी मैच के दौरान दाहिने पैर में हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी। बुधवार को हुए स्कैन से यह पुष्टि हुई कि उन्हें रिहैब के लिए कुछ समय की जरूरत होगी और वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 सितंबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। वनडे सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज भी खेलेगी। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि एनगिडी टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध हो पाएंगे या नहीं।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'लुंगी एनगिडी दाहिने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। आगे की टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता का अंदाजा सीरीज शुरू होने के समय लगेगा।

एनगिडी की जगह 20 साल के तेज गेंदबाज नकोबानी मोकोएना को टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान अपना डेब्यू किया था।

इंग्लैंड ने दूसरे टी20 में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई

विश्व केसरी ■

कार्डिफ। इंग्लैंड ने श्रीलंका को कार्डिफ में खेले गए दूसरे टी20 मैच में 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 145 रन बनाए थे। पाथुम निसांका और लाहिरू उदारा ने टीम को तेज शुरुआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 5.3 ओवर में 56 रन जोड़े थे, लेकिन इस जोड़ी के टूटते ही श्रीलंकाई पारी एक बार फिर धराशाई हो गई।

निसांका ने 21 गेंदों पर 4 चौकों और 1 छक्के की मदद से 37 रन, कप्तान चरिथ असालंका ने 31 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 31, वानिंदु हसरंगा ने 22 गेंदों पर 1 छक्का और 2 चौकों की मदद से 27 रन और लाहिरू उदारा ने 20 गेंदों पर 21 रन बनाए।

इंग्लैंड के लिए लियाम डॉसन सबसे सफल गेंदबाज रहे। डॉसन ने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट लिए। जोफ्रा आर्चर और जेमी ओवरटन को 2-2, जबकि सोनी बाकेर और आदिल रशीद को 1-1 विकेट मिला।

146 रन का लक्ष्य इंग्लैंड ने 12.1 ओवर में हासिल कर लिया। जोस बटलर और ए डोनाल्ड ने टीम को तेज शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 4.4 ओवर में 51 रन जोड़ दिए। डोनाल्ड (13 गेंदों पर 21 रन) और बटलर



(16 गेंदों पर 30 रन) का बैक टू बैक गिरा। पिछले मैच के शतकवीर कप्तान हैरी ब्रूक भी 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 23 रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में 79 रन के स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद टॉम बैंटन ने 24 गेंदों पर 4 छक्कों और 2 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन की पारी खेल टीम को जीत दिला दी। बैंटन के साथ विल जैक्स 3 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 12.1 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 146 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। लियाम डॉसन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने 3 टी20 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

बीसीसीआई एजीएमः अरुण धूमल बने रहेंगे आईपीएल के चेयरमैन, अंपायरों की बढ़ेगी सैलरी

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपने हेडक्वार्टर में हुई 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में अरुण सिंह धूमल और एम. खैरुल जमाल मजूमदार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) गवर्निंग काउंसिल के लिए फिर से चुना। इन दो सीटों के लिए किसी और उम्मीदवार ने नॉमिनेशन नहीं भरा, इसलिए आईपीएल चेयरमैन के तौर पर दूसरा कार्यकाल चाह रहे धूमल और इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का प्रतिनिधित्व करने वाले मजूमदार का औपचारिक रूप से फिर से चुना जाना तय हो गया।

बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी ए.के. जोति द्वारा जांच के बाद सही नॉमिनेशन की अंतिम लिस्ट की पुष्टि करने के साथ ही फ्रेंचाइजी टी20 लीग की फैसला लेने वाली संस्था में प्रशासनिक स्थिरता बनाए रखने के लिए इन दोनों का आसानी से फिर से चुने जाने का रास्ता साफ हो गया।

एजीएम में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। आम सभा ने घरेलू अंपायरों और मैच रेफरी के भुगतान ढांचे में बदलाव तथा उनके लिए नए ग्रेड सिस्टम को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। इसके साथ ही बोर्ड ने कई वित्तीय और प्रशासनिक प्रस्तावों को भी हरी झंडी दी। बीसीसीआई ने 2025-26 वित्तीय वर्ष के ऑडिट किए गए खातों को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया और 2026-27 के वार्षिक बजट को मंजूरी दी। इसके अलावा, अगले वित्तीय चक्र के लिए ऑडिटर्स की नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी गई है।

आने वाले वर्षों में कई बड़े पड़ावों को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई की आम सभा ने 2027 में आईपीएल के 20वें संस्करण को विशेष और भव्य तरीके से मनाने का फैसला किया है। इसके लिए बोर्ड पहले से ही तैयारियां शुरू करेगा ताकि टूर्नामेंट के दो दशक पूरे होने का जश्न बड़े स्तर पर मनाया जा सके।

इसके अलावा, बीसीसीआई ने 2028 में अपने 100 साल पूरे होने के अवसर पर होने वाले शताब्दी समारोहों की तैयारी शुरू करने का भी फैसला किया है।

एशियन गेम्सः श्रीलंका ने मलेशिया को 86 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

निशिन। एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट का तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला श्रीलंका और मलेशिया के बीच खेला गया। श्रीलंका ने मलेशिया को 86 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। कप्तान चमारी अथापट्टू की 37 गेंदों पर 3 छक्कों और 7 चौकों की मदद से खेली गई 63 रनों की पारी के दम पर श्रीलंका ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 160 रन बनाए थे। चमारी के अलावा कावीशा दिल्हारी ने 27 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से नाबाद 44, हर्षिता समरविक्रमा ने 18 गेंदों पर 25 और हसिनी परेरा ने 23 रन की पारी खेली।

मलेशिया की तरफ से नूरीन इमानिना ने 4 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए।

161 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी मलेशिया की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 74 रन ही बना सकी और 86



रन से मैच हार गई। मलेशिया के लिए विनीफ्रेड दुरैसिंगम ने 28 और माहिरा इज्जती इस्माइल ने 24 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सकीं।

श्रीलंका के लिए मिथाली अयोध्या, कावीशा दिल्हारी और कप्तान चमारी ने 2-2 विकेट लिए।

इस जीत के साथ श्रीलंका एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

सेमीफाइनल में श्रीलंका का मुकाबला पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के साथ 20 सितंबर को होगा। पाकिस्तान ने क्वार्टर फाइनल में थाइलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

पाकिस्तान को थाइलैंड पर जीत बहुत मुश्किल से मिली थी। पाकिस्तान ने थाइलैंड के दिए 92 रन के लक्ष्य को हासिल करने में अपने 7 विकेट गंवा दिए थे। निर्धारित 11 ओवर के मैच में पाकिस्तान को 2 गेंद पहले जीत मिली थी।

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। हाल ही में महिला एशिया कप 2026 के भी सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें दुबई में आमने-सामने थीं। श्रीलंका ने 4 विकेट से मैच जीत फाइनल में जगह बनाई थी।

नीतीश राणा की वजह से मैनचेस्टर यूनाइटेड का फैन हूं, लाइव फुटबॉल मैच देखने का अनुभव शानदार रहा: रिंकू सिंह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने बताया कि वह मैनचेस्टर यूनाइटेड के बड़े फैन हैं। रिंकू ने बताया कि नीतीश राणा की वजह से उनकी फुटबॉल में रुचि बढ़ी और धीरे-धीरे वह मैनचेस्टर यूनाइटेड को पसंद करने लगे। इसके बाद उन्होंने क्लब के मैच देखना शुरू किया और टीम को नियमित रूप से फॉलो करने लगे।

रिंकू ने हाल ही में ओल्ड ट्रैफर्ड में अपना पहला लाइव फुटबॉल मैच देखा, जिसमें प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ मैनचेस्टर डर्बी का मुकाबला हुआ। इस अनुभव ने भारतीय क्रिकेटर को उस मशहूर स्टेडियम के अंदर से इस प्रतिद्वंद्विता को देखने का मौका दिया, जबकि इससे पहले वह सिर्फ टेलीविजन पर ही फुटबॉल देखते थे।

रिंकू ने 'जियोस्टार' को बताया, 'पहले भी मैं मैनचेस्टर यूनाइटेड का फैन था, और नीतीश राणा की वजह से अब भी कुछ हद तक हूं। उन्होंने ही मुझे फुटबॉल से परिचित कराया और खेल देखने का तरीका सिखाया। वहां



से फुटबॉल में मेरी दिलचस्पी थोड़ी बढ़ी। नीतीश राणा मैनचेस्टर यूनाइटेड के फैन हैं, इसलिए मैं उनके साथ समय बिताता था, और उन्हें देखकर मैं भी यूनाइटेड का फैन बन गया।'

हालांकि, डर्बी का नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा रिंकू के पसंदीदा क्लब ने चाहा होगा।

मैनचेस्टर सिटी ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 1-0 से जीत हासिल की, जिसमें अर्लिंग हालैंड ने दूसरे हाफ में निर्णायक गोल किया। यूनाइटेड के समर्थक के तौर पर आने के बावजूद, रिंकू ने माना कि मैच के कुछ पलों में उन्होंने सिटी का समर्थन किया, क्योंकि यूनाइटेड कोई खास प्रभाव नहीं डाल पा रही थी।

उन्होंने कहा, 'हां, जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, मैंने खुद को थोड़ा सिटी का समर्थन करते हुए पाया। यूनाइटेड उतना अच्छा नहीं खेल रही थी, जबकि उस समय सिटी बेहतर खेल रही थी।' हालांकि, रिंकू के लिए नतीजा उस अनुभव से कम महत्वपूर्ण था जो उन्हें पहली बार लाइव फुटबॉल मैच देखने से मिला।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2027 में 7 प्रतिशत तक रहने की उम्मीदः रिपोर्ट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत चालू वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत हासिल करने की राह पर है। इस दौरान मजबूत घरेलू मांग, बैंक ऋण में तेजी और आर्थिक गतिविधियों में सुधार के चलते नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 11-12 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है। यह जानकारी जेफरीज की ओर से जारी एक रिपोर्ट में दी गई है।

जेफरीज ने अपनी ताजा 'ग्रीड एंड फियर' रिपोर्ट में कहा कि भारत का आर्थिक प्रदर्शन छह महीने पहले की अपेक्षाओं से बेहतर रहा है। इसकी वजह ऋण में व्यापक स्तर पर विस्तार और मांग से जुड़े संकेतकों में सुधार है। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि जुलाई में बैंक ऋण वृद्धि सालाना आधार पर बढ़कर 17.8 प्रतिशत हो गई। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए जाने वाले ऋण में 24.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि उद्योग क्षेत्र को कर्ज 20 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र को ऋण 22.9 प्रतिशत और कॉरपोरेट ऋण में 21.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

रिपोर्ट में कहा गया, 'कॉरपोरेट ऋण में तेजी यह भी संकेत देती है कि लंबे समय से प्रतीक्षित निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) चक्र की शुरुआत आखिरकार हो रही है।

जेफरीज में इंडिया रिसर्च के प्रमुख महेश नंदूरकर ने कहा कि आय वृद्धि चालू वित्त वर्ष के 14 प्रतिशत से बढ़कर 1 अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष में 17 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

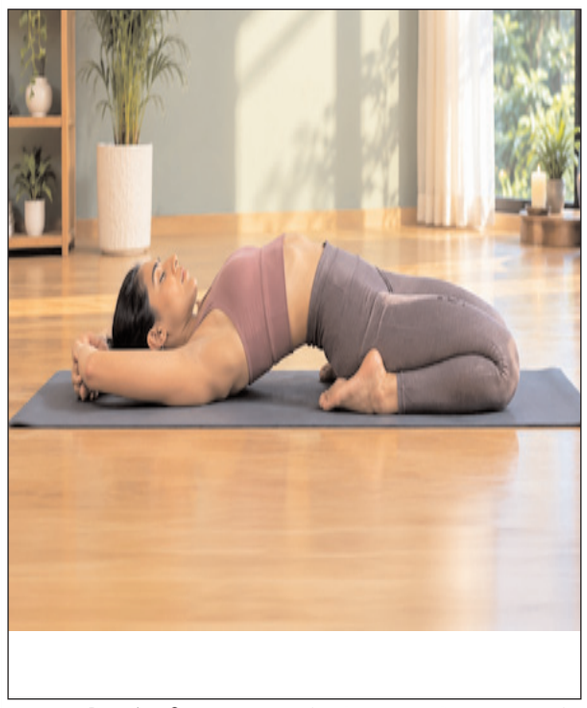
रिपोर्ट में घरेलू मांग में लगातार बनी मजबूती की ओर भी इशारा किया गया है।

इसके अलावा, अगस्त में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि अप्रैल-अगस्त के दौरान बिजली की मांग में वृद्धि बढ़कर 9.4 प्रतिशत हो गई। इसकी तुलना में जनवरी-मार्च की अवधि में बिजली मांग में 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

वहीं, रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एफसीएनआर (बी) पहल के तहत विदेशी मुद्रा का मजबूत प्रवाह देखने को मिला, जिसके तहत सरकार ने अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) से उम्मीद से बेहतर 136 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जमा राशि जुटाई।

राजकोषीय मोर्चे पर ब्रोकरेज ने कहा कि सरकार के राजकोषीय समेकन के प्रयास सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है और आने वाले वर्षों में इसके और कम होने की उम्मीद है।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है सुप्त विरासन, कमर दर्द और थकान से मिलेगा आराम, मन होगा शांत



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग में कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो शारीरिक मुद्रा (पोश्चर) को सुधारने के साथ-साथ मन को भी गहरी शांति प्रदान करते हैं। 'सुप्त वीरासन' उन्हीं विशेष आसनों में से एक है। नियमित रूप से इस आसन का अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी और कूल्हों का लचीलापन बढ़ता है, साथ ही जांघों की मांसपेशियों में खिंचाव (स्ट्रैच) भी आता है।

सुप्त विरासन दो शब्दों से मिलकर बना है - 'सुप्त' का अर्थ है लेटा या सोया हुआ और 'विरासन' का अर्थ है वीर या योद्धा की मुद्रा में बैठना। इस आसन में विरासन में बैठकर पीछे की ओर लेटा जाता है, जिससे शरीर को एक गहरा स्ट्रेच और पूर्ण विश्राम का अनुभव होता है। यह न सिर्फ पाचन तंत्र को मजबूत करता है, बल्कि थके हुए पैरों को आराम, कमर दर्द से राहत और मन को गहरी शांति प्रदान करता है।

आयुष मंत्रालय ने 'सुप्त वीरासन' को महत्वपूर्ण योगासन बताया है, जिसे सामान्य बोलचाल या कुछ क्षेत्रीय ग्रंथावलियों में 'सुप्त वज्रासन' से मिलता-जुलता या इसका ही एक रूप माना जाता है। यह आसन शरीर को नई ऊर्जा और मानसिक शांति प्रदान करने के लिए एक बेहतरीन पुनर्स्थापनात्मक अभ्यास है।

यह पेट की मांसपेशियों को भी स्ट्रेच करता है, जिससे पाचन शक्ति दुरुस्त होती है और कब्ज आदि में राहत मिलती है। साथ ही, यह छाती व हृदय केंद्र (अनाहत चक्र) को खोलता है, जिससे गहरी सांस लेने में मदद मिलती है और मानसिक तनाव व अवसाद कम होता है। लंबे समय तक खड़े रहने या पैदल चलने/साइकिल चलाने के बाद पैरों की थकान को तुरंत दूर करने में यह बेहद प्रभावी है।

इस योगासन को करने का सबसे अच्छा समय दोपहर के भोजन या रात के खाने के 15-20 मिनट बाद है। यह पाचन क्रिया को सुचारू बनाने में भी सहायक होता है। अगर आप इसे करने में सहज महसूस करते हैं, तो इसे अवश्य करें।

यदि कोई व्यक्ति घुटनों, टखनों या पीठ के निचले हिस्से (कमर) में गंभीर दर्द या चोट से ग्रसित है, तो वह इस आसन को करने से बचें। वहीं, गर्भवती महिलाओं को इस आसन को करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

बच्चों में दिखें ये 5 लक्षण तो हो जाएं सावधान, हो सकता है कैंसर का शुरुआती संकेत

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। बच्चों में कैंसर का पता चलते ही माता-पिता के मन में डर बैठ जाता है, लेकिन समय रहते अगर इसकी पहचान हो जाए, तो इलाज की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। बड़ों के मुकाबले बच्चों में होने वाले कैंसर के लक्षण भी आम बीमारियों जैसे लगते हैं, जिस वजह से इन पर ध्यान नहीं दिया जाता। इसलिए जरूरी है कि माता-पिता, शिक्षक और परिवार के लोग बच्चों में दिखने वाले छोटे-छोटे बदलावों को भी गंभीरता से लें।

लगातार बुखार आना, बिना कारण वजन कम होना, शरीर पर नीले निशान, गांठ बनना, आंखों में चमक या सिरदर्द और उल्टी जैसे कुछ शुरुआती चेतावनी संकेत हैं जो शरीर हमें पहले ही दे देता है। इन संकेतों को समझना और समय पर डॉक्टर से संपर्क करना ही बच्चे की जिंदगी बचा सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, बच्चों में होने वाले कैंसर का जल्दी पता चलना उनके बचने की संभावना को काफी हद तक बढ़ा देता है, चूंकि बचपन के कैंसर के कई लक्षण सामान्य सर्दी-जुकाम या वायरल संक्रमण जैसे दिखते हैं, इसलिए माता-पिता और डॉक्टरों के लिए इसके शुरुआती चेतावनी संकेतों को पहचानना बेहद जरूरी है तो चलिए आपको बच्चों में कैंसर के कुछ प्रमुख शुरुआती संकेत के बारे में बताते हैं, जो इस प्रकार होते हैं।

बिना वजह लगातार बुखारः यह बच्चों में सबसे आम कैंसर है। कैंसर सेल्स बोन मैरो में नॉर्मल सेल्स की जगह ले लेते हैं। इससे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और शरीर संक्रमण से लड़ नहीं पाता, इसलिए लगातार बुखार बना रहता है। साथ ही कैंसर सेल्स खुद ऐसे केमिकल्स (पायरोजन) छोड़ते हैं जो दिमाग के टेम्परेचर सेंटर को बढ़ा देते हैं।

असामान्य गांठ या सूजनः लसिका ग्रंथियों में कैंसर सेल्स जमा होने से बिना दर्द वाली गिल्टियां बन जाती हैं। अगर 2 हफ्ते से ज्यादा है, बुखार और वजन कम होने के साथ है, तो तुरंत जांच जरूरी है। गांठ का मतलब है कैंसर सेल्स एक जगह इकट्ठा हो रहे हैं। समय पर इलाज न मिलने पर ये खून के जरिए फेफड़े, लीवर, दिमाग तक फैल सकते हैं।

हड्डियों और जोड़ों में दर्दः ये कैंसर 10 से 18 साल के टीनएजर्स में सबसे ज्यादा होता है, जब हड्डियां तेजी से बढ़ रही होती हैं। कैंसर सेल्स हड्डी के अंदर तेजी से बढ़कर हड्डी को अंदर से कमजोर और खोखला कर देते हैं।

बिना कारण वजन कम होना और थकानः कैंसर सेल्स बच्चों के खाने से मिलने वाली सारी कैलोरी और प्रोटीन खुद खा लेते हैं। बच्चा खा तो रहा है, लेकिन वजन बढ़ने की जगह घट रहा है। अगर बच्चे में यह लक्षण देखने को मिले, तो तुरंत जांच करवाएं। बच्चा खा तो रहा है, लेकिन वजन बढ़ने की जगह घट रहा है। आसानी से चोट लगना, खून बहनाः बच्चों में रक्त कैंसर (ल्यूकेमिया) या अन्य गंभीर बीमारियों के शुरुआती लक्षणों में आसानी से चोट लगना और खून बहना बहुत आम हैं। बोन मैरो (अस्थि मज्जा) में कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने के कारण स्वस्थ प्लेटलेट्स का निर्माण रुक जाता है।

शरीर और मन को संतुलित रखने के लिए करें ताड़ासन, जानिए इसके लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने से हमारा शारीरिक पोस्चर बिगड़ जाता है। ऐसे में शरीर और मन को संतुलित रखने के लिए योगासन सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। योग के विभिन्न आसनों में से एक प्रमुख आसन है 'ताड़ासन', जो देखने में भले ही सहज लगे, लेकिन इसके स्वास्थ्य लाभ अनेक हैं।

ताड़ासन को समस्थिति भी कहा जाता है। 'ताड़' शब्द का अर्थ संस्कृत में 'पर्वत' होता है, जिसके ऊपर इस आसन का नाम रखा गया है। ताड़ासन योग का एक मूलभूत आसन है क्योंकि यह आसन अनेक आसनों का आधार है और योग साधना में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। एक्सपर्ट के अनुसार यह बेहद आसान और फायदेमंद योगासन है, जिसे करने से हाइट भी बढ़ने लगती है।



भारत सरकार के आयुष मंत्रालय बताता है कि ताड़ासन करने से एक-दो नहीं, कई फायदे मिलते हैं। इसे करने के लिए सबसे पहले पैरों को 2 इंच की दूरी पर रखकर सीधे खड़े हों। उंगलियों को आपस में फंसा लें और कलाई को बाहर की ओर मोड़ें। सांस लेते हुए बाजुओं को सिर के ऊपर कंधों की सीध में उठाएं। इसके बाद, एड़ियों को जमीन से ऊपर उठाकर पंजों पर संतुलन बनाएं। इस मुद्रा में 10-15 सेकंड तक रहना चाहिए। आमतौर पर हम अपनी छाती और पीठ की मांसपेशियों में कम-कम खिंचाव ला पाते हैं, लेकिन ताड़ासन करने से छाती, कंधे और पीठ की मांसपेशियों में भी खिंचाव आता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर का कद बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है और स्लिप डिस्क की संभावना नहीं रहती है।

एक्सपर्ट का कहना है कि ताड़ासन एक ऐसा योगासन है जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। हालांकि, सावधानियां बरतनी जरूरी हैं।

लो ब्लड प्रेशर या चक्कर की समस्या वाले लोग पंजों पर संतुलन बनाते समय सतर्क रहें। गर्भवती महिलाओं को योग प्रशिक्षक की देखरेख में यह आसन करना चाहिए। अधिक समय तक मुद्रा में रहने से पैरों पर दबाव पड़ सकता है, इसलिए शरीर की क्षमता के अनुसार अभ्यास करें।

पेशाब में जलन को न करें नजरअंदाज, यह लक्षण दिखें तो हो सकता है यूटीआई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हमारा शरीर जब किसी परेशानी से गुजरता है तो कई बार पहले ही छोटे-छोटे संकेत देने लगता है। बस जरूरत होती है उन संकेतों को समझने की। जैसे अचानक बहुत ज्यादा थकान होना, भूख कम लगना या पेट खराब रहना किसी परेशानी की ओर इशारा कर सकता है। इसी तरह पेशाब करने के तरीके में बदलाव भी शरीर का एक जरूरी संकेत हो सकता है।

अगर कुछ दिनों से पेशाब करते समय जलन हो रही है, बार-बार पेशाब लग रहा है या पेशाब करने के बाद भी ऐसा लग रहा है कि अभी और पेशाब बाकी है, तो इसे सामान्य समझकर टालना ठीक नहीं है। कई बार इसकी वजह कम पानी पीना हो सकती है, लेकिन कुछ मामलों में ये यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन यानी यूटीआई का संकेत भी हो सकता है।

यूटीआई यानी पेशाब की नली और उससे जुड़े अंगों में होने वाला संक्रमण है। जब कुछ बैक्टीरिया पेशाब की नली के रास्ते शरीर के अंदर पहुंच जाते हैं और वहां बढ़ने लगते हैं, तब संक्रमण होता है। यह संक्रमण पेशाब की नली, पेशाब की थैली यानी ब्लैडर या फिर किडनी तक को प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर यूटीआई का इलाज आसानी से हो जाता है, लेकिन अगर संक्रमण बढ़ जाए और किडनी तक पहुंच जाए तो परेशानी गंभीर हो सकती है।

पेशाब करते समय जलन यूटीआई का सबसे आम संकेत माना जाता है। इसके साथ बार-बार पेशाब आता है। पेट के निचले हिस्से में दर्द या भारीपन भी महसूस होता है। कुछ लोगों के पेशाब से सामान्य से ज्यादा तेज गंध आने लगती है या पेशाब साफ होने के बजाय धुंधला दिखाई दे सकता है। अगर पेशाब में खून दिखाई दे तो इसे बिल्कुल नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। अगर पेशाब में जलन या बार-बार पेशाब आने के साथ बुखार, ठंड लगना, कमर या पीठ में दर्द, जी मिचलाना या उल्टी जैसी परेशानी भी हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। ऐसे लक्षण इस बात का संकेत हो सकते हैं कि संक्रमण ब्लैडर के साथ-साथ किडनी को भी प्रभावित कर रहा है। किडनी का संक्रमण ज्यादा गंभीर हो सकता है।

महिलाओं में यूटीआई की समस्या पुरुषों के मुकाबले ज्यादा देखने को मिलती है। इसकी एक बड़ी वजह शरीर की बनावट है। महिलाओं में पेशाब बाहर निकालने वाली नली छोटी होती है, इसलिए बैक्टीरिया के लिए अंदर जाकर ब्लैडर तक पहुंचना आसान हो जाता है। यौन संबंध के बाद भी कुछ महिलाओं में यूटीआई का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा मेनोपॉज के बाद शरीर में होने वाले हार्मोन बदलावों की वजह से भी संक्रमण की संभावना बढ़ सकती है।

एफएसएसएआई ने शिशु पोषण उत्पादों को लेकर नेस्ले इंडिया के खिलाफ तीन मामलों में शुरू की कानूनी कार्रवाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने नेस्ले इंडिया के खिलाफ उसके शिशु पोषण उत्पादों को लेकर कथित नियामकीय उल्लंघनों के संबंध में तीन अलग-अलग न्यायनिर्णयन (एडजुडिकेशन) मामले शुरू किए हैं। इनमें एनएएन एक्सेला प्रो स्टेज 1 और लैक्टोजेन प्रो 1 जैसे उत्पाद शामिल हैं।

खाद्य नियामक द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए नोटिस के अनुसार, एफएसएसएआई ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर सूचीबद्ध इन उत्पादों और उनसे जुड़े प्रचार सामग्री की जांच की तथा कुछ दावों पर आपत्ति जताई।

एनएएन एक्सेला प्रो स्टेज 1 के मामले में नियामक ने '5 एचएमओएस' और 'व्हे प्रोटीन' से जुड़े दावों पर सवाल उठाए हैं। वहीं लैक्टोजेन प्रो 1 के लिए व्हे प्रोटीन को आसानी से पचने योग्य बताए जाने वाले दावे पर आपत्ति दर्ज की गई है।

एफएसएसएआई ने कहा कि इन दावों के संबंध में नेस्ले इंडिया से स्पष्टीकरण मांगा गया था। जांच के बाद नियामक ने पाया कि ये उत्पाद फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड्स फॉर इन्फेंट न्यूट्रिशन) रेगुलेशंस, 2020 के नियम 4(2) का उल्लंघन करते हैं।

यह नियम शिशु आहार उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के उद्देश्य से किए जाने वाले प्रचार और दावों पर प्रतिबंध लगाता है। एफएसएसएआई ने इन्फेंट मिल्क सब्स्टीट्यूट्स, फीडिंग बॉटल्स एंड इन्फेंट फूड्स (रेगुलेशन ऑफ प्रोडक्शन, सप्लाई एंड डिस्ट्रीब्यूशन) अधिनियम, 1992 की धारा 3 का भी हवाला दिया, जो ऐसे उत्पादों के विज्ञापन और प्रचार पर रोक लगाती है।

एक अन्य मामले में एफएसएसएआई ने कहा कि नेस्ले इंडिया द्वारा निर्मित एक फॉलो-अप फॉर्मूला के नमूने में प्रयोगशाला परीक्षण के दौरान बायोटिन की मात्रा निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई।

गैर-संचारी रोगों से निपटने के लिए मरीजों की सुरक्षा को मजबूत करना बेहद जरूरीः एनएचएम

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि मरीजों की सुरक्षा सिर्फ किसी एक प्रोग्राम या विभाग की जिम्मेदारी नहीं हो सकती बल्कि इसे पूरे हेल्थ सिस्टम में शामिल किया जाना चाहिए। गैर-संचारी रोगों (एनडीसी) की रोकथाम, पहचान, इलाज और लंबे समय तक देखभाल के मामले में मरीजों की सुरक्षा को मजबूत करना बहुत जरूरी है।

मंत्रालय ने 'गैर-संचारी रोगों (एनसीडीएस) के लिए सुरक्षित देखभाल' थीम के साथ 'विश्व मरीज सुरक्षा दिवस 2026' मनाया।

सभा को संबोधित करते हुए पटनायक ने कहा कि भारत में होने वाली कुल मौतों में से लगभग 63 प्रतिशत मौतें एनसीडीएस के कारण होती हैं, जिससे मरीजों की सुरक्षा स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव और मिशन डायरेक्टर (एनएचएम) आराधना पटनायक ने देशभर में मरीजों की सुरक्षा को मजबूत करने, देखभाल की गुणवत्ता बेहतर बनाने और सुरक्षित स्वास्थ्य प्रणालियां बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

पब्लिक हेल्थकेयर में हाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि एनएफएचएस-6 के अनुसार, 96 प्रतिशत टीकाकरण और 90.6 प्रतिशत संस्थागत प्रसव सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों के जरिए किए जा रहे हैं।





बच्चों की अपनी भाषा बनी सीखने की ताकत

स्थानीय बोली से मानक हिंदी तक आसान हुई राह : कृष्णा सिंह ठाकुर

विश्व केसरी■



जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बच्चों की परिचित भाषा में संवाद शिक्षा को सहज और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब शिक्षक बच्चों से उनकी स्थानीय भाषा में बातचीत करते हैं, तो उनमें अपनत्व और आत्मविश्वास की भावना विकसित होती है। बच्चे बिना झिझक अपनी बात रखते हैं, प्रश्न पूछते हैं और अपने अनुभवों को साझा करते हैं। इससे कक्षा में संवाद का वातावरण मजबूत होता है और बच्चों की सीखने में रुचि बढ़ती है। संकुल खड़का मधोता के संकुल समन्वयक कृष्णा सिंह ठाकुर ने प्राथमिक स्तर के बच्चों के साथ स्थानीय भाषा में संवाद शुरू किया है।

इस दौरान बच्चों ने संकुल समन्वयक कृष्णा सिंह ठाकुर को अपनी भाषा में गीत और कविताएं सुनाईं तथा अपने आसपास के परिवेश से जुड़ी विभिन्न बातें साझा कीं। बच्चों की सहजता और उत्साह ने यह दिखाया कि परिचित भाषा में बातचीत करने से वे अपनी बात अधिक आत्मविश्वास के साथ रख पाते हैं। इस दौरान बच्चों की स्थानीय भाषा को आधार बनाकर धीरे-धीरे उन्हीं बातों को मानक हिंदी में भी समझाया गया। परिचित भाषा के माध्यम से बच्चों ने हिंदी के नए शब्दों और वाक्यों को समझने का प्रयास किया। स्थानीय भाषा से मानक हिंदी की ओर बढ़ने की यह प्रक्रिया बच्चों के लिए सीखने को सरल और स्वाभाविक बनाने में सहायक हो सकती है।संकुल समन्वयक कृष्णा सिंह ठाकुर ने कहा कि स्थानीय भाषा बच्चों की कमजोरी नहीं, बल्कि उनके सीखने की मजबूत नींव है। बच्चों की भाषा को सम्मान देने का अर्थ उनके अनुभव, संस्कृति, परिवेश और सोचने के तरीके को सम्मान देना भी है। स्थानीय भाषा में संवाद से आत्मविश्वास बढ़ता है, आत्मविश्वास से अभिव्यक्ति मजबूत होती है और अभिव्यक्ति के माध्यम से सीखने की नई राह खुलती है। श्री ठाकुर ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा में बच्चों की स्थानीय भाषा का उपयोग केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शराब के नशे में धूत युवक नदी में डूबा

विश्व केसरी■



अंतागढ़ (डम्पी खान)। नगर के बड़े पुल के समीप नदी में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब पानी में एक युवक काफी देर तक बेसुध अवस्था में पड़ा दिखाई दिया। युवक की हालत देखकर मौके पर मौजूद लोगों को लगा कि उसकी डूबने से मौत हो गई है। देखते ही देखते नदी किनारे लोगों की भीड़ जुट गई और मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए युवक को नदी से बाहर निकालने की तैयारी शुरू की। इसी दौरान रेस्क्यू के बीच अचानक युवक के शरीर में हलचल हुई। पुलिसकर्मियों ने तत्काल उसे पानी से बाहर निकाला। बाहर निकालने के बाद पता चला कि युवक जीवित है और वह शराब के नशे में बेसुध होकर नदी में पड़ा हुआ था। बताया गया कि युवक की पहचान रामसाय यादव (लगभग 27 वर्ष), निवासी ग्राम सुरवाही के रूप में हुई है। वह अंतागढ़ के एक व्यापारी के यहां ट्रक चालक के रूप में कार्यरत है।

विश्वकर्मा जयंती पर बंद था काम, जमकर पी शराब

मिली जानकारी के अनुसार विश्वकर्मा जयंती के कारण ट्रक का काम बंद था। इसी दौरान युवक ने शराब का सेवन किया और नहाने के लिए नदी में उतर गया। नहाते समय नशा अधिक होने के कारण वह नदी के भीतर ही बेसुध होकर सो गया। जिस स्थान पर युवक पड़ा था, वहां पानी की गहराई इतनी थी कि उसका चेहरा पानी से बाहर था, जबकि शरीर लगभग पूरा पानी में डूबा हुआ था। करीब एक घंटे तक वह इसी अवस्था में पड़ा रहा। दूर से देखने पर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई है। युवक के जीवित मिलने की जानकारी सामने आते ही मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस युवक को अपने साथ थाने ले गई और बाद में समझाइश देकर छोड़ दिया। घटना के दौरान नदी किनारे कुछ समय के लिए लोगों की भारी भीड़ जुट गई थी। युवक के जिंदा होने की जानकारी सामने आने के बाद मौके पर मौजूद लोगों के बीच यह घटना चर्चा का विषय बनी रही।

दीये तेल-घी से जलेंगे या पानी से? दीपक बैज ने सेवा संकल्प पर उठाए सवाल

कहा-25 साल में महंगाई-बेरोजगारी के सिवा कुछ नहीं



विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। संगठन सृजन अभियान के तहत सरगुजा संभाग स्तरीय ब्लाक अध्यक्ष एवं मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने होटल मयूरा में पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री के जन्मदिन और 25 वर्षीय सेवा संकल्प के नाम पर देशभर में जलाए जा रहे लाखों दियों पर सवाल उठाया।

बैज ने कहा कि तेल मत खाओ, सोना मत खरीदो कहने वाले प्रधानमंत्री के नाम पर हजारों करोड़ का दिया जलाया जा रहा है। दिया तेल से जलेगा या घी से, पैसा कहां से आएगा, सरकार को बताना चाहिए। भाजपा नेताओं को पानी से दिया जलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी के ढाई दशक के कार्यकाल में देश को महंगाई, बेरोजगारी और किसानों को धोखा ही मिला है। 2014 में 100 दिन में महंगाई कम करने, 2 करोड़ नौकरियों, 15 लाख खाते में आने जैसे वादे किए थे, लेकिन पेट्रोल 70 से 110, डीजल 50 से 100 और सिलेंडर 400 से 1020 रुपये तक पहुंच गया। छत्तीसगढ़ में 1 लाख नौकरियों का वादा भी पूरा नहीं हुआ।

झीरम पर सरकार और एनआईए पर आरोप

बैज ने कहा कि झीरम कांड में 500 से 1000 नक्सली शामिल थे, लेकिन सिर्फ झोला उठाने और गड्ढा खोदने वाले 10 लोगों को पकड़कर खानापूर्ति की गई। 3000 टॉप नक्सलियों ने सरेंडर किया है, उनका नाम सामने नहीं आया। सरकार और एनआईए ने मिलकर टॉप नक्सलियों को बचाया है। यह कांग्रेस परिवार के लिए अधूरा न्याय है।

2028 में मजबूती से लड़ेंगे

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रशिक्षण 2028 की तैयारी है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनना तय है और सरगुजा की 14 सीटें जीतेंगे। तारा कोल ब्लॉक को लेकर भी सरकार पर आरोप लगाया। इस दौरान पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि झीरम हमले के दिन 1000 नक्सली थे, लेकिन तीसरे दिन एक भी सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं था। नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने कहा कि विधानसभा में 136 सवाल पूछे, एक का भी जवाब नहीं मिला। कार्यक्रम में अमरजीत भगत, प्रेमसाय सिंह, बालकृष्ण पाठक सहित कई नेता मौजूद थे।

विधायक के अंतागढ़ दौरे में ग्रामीणों ने रखीं क्षेत्रीय समस्याएं, खिलाड़ियों को मिली खेल सामग्री

विश्व केसरी■



अंतागढ़ (डम्पी खान)। क्षेत्रीय विधायक विक्रम देव उसेंडी के अंतागढ़ क्षेत्र के दौरे के दौरान विभिन्न ग्रामों के ग्रामीणों ने उनसे मुलाकात कर अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं एवं आवश्यकताओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर विधायक के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए और निराकरण की मांग रखी। दौरे के दौरान ग्राम जेठेगांव के खिलाड़ियों ने पूर्व में विधायक से खेल सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की थी। ग्रामीणों एवं खिलाड़ियों की मांग को ध्यान में रखते हुए विधायक विक्रम उसेंडी ने खिलाड़ियों को आवश्यक खेल सामग्री का वितरण किया। खेल सामग्री मिलने पर खिलाड़ियों में उत्साह देखने को मिला। खिलाड़ियों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेल सामग्री मिलने से उन्हें अभ्यास एवं खेल गतिविधियों में सुविधा मिलेगी।

इसी क्रम में ग्राम सरगीकोट के ग्रामीणों ने भी विधायक से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने गांव में विद्युत लाइन को थ्री-फेज करते हुए विस्तार करने, साथ ही सड़क एवं पुल निर्माण की मांग रखी।

कांग्रेस का विरोध अभियान, 'सेवा संकल्प' के बजाय बेरोजगारी-महंगाई दिवस मनाने का ऐलान

विश्व केसरी■



सुकमा (अमन भदोरिया)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को लेकर छत्तीसगढ़ जिला कांग्रेस कमेटी ने विरोध का कार्यक्रम घोषित किया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरीश कवासी ने प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन और उनके कार्यकाल के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा द्वारा इसे सेवा और समर्पण के रूप में मनाया जाना उचित नहीं है। कांग्रेस ने इसके बजाय बेरोजगारी दिवस, महंगाई दिवस, वनाधिकार दिवस और किसान धोखा दिवस जैसे कार्यक्रमों के रूप में इसे मनाने की बात कही है।

हरीश कवासी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को लेकर विभिन्न मुद्दे उठाए हैं। इनमें महंगाई, रोजगार, किसानों की आय, नोटबंदी, जीएसटी, पेट्रोल-डीजल की कीमतें, रुपये की स्थिति, वन अधिकार कानून, सार्वजनिक उपक्रमों की बिक्री और अग्निवीर योजना सहित कई विषय शामिल हैं। उन्होंने दावा किया है कि केंद्र सरकार द्वारा किए गए कई वादे पूरे नहीं हुए। जिलाध्यक्ष ने वर्ष 2014 में रोजगार के अवसर बढ़ाने, किसानों की आय दोगुनी करने और महंगाई कम करने जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा है। वहीं नोटबंदी और जीएसटी के आर्थिक प्रभावों पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से संबंधित 43 सवालों की सूची भी जारी की है। इनमें बेरोजगारी, महंगाई, पेट्रोल-डीजल के दाम, किसानों की आय, शिक्षा संस्थानों की स्थिति, सरकारी अस्पताल, स्मार्ट सिटी, सरकारी संपत्तियों की बिक्री, विदेश यात्राओं पर खर्च और नोटबंदी से जुड़े सवाल शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की उपलब्धियों के दावों के बीच इन सवालों का जवाब जनता के सामने आना चाहिए।

कांकेर में धूमधाम से मनाई गई विश्वकर्मा जयंती

विश्व केसरी■



कांकेर (सीताराम शर्मा)। कांकेर नगर में भगवान विश्वकर्मा जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगर के विभिन्न स्थानों पर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। दिनभर पूजा-पाठ और धार्मिक आयोजनों का दौर चलता रहा। पीटी मजदूर संघ द्वारा मंडी प्रांगण के समीप भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित की गई। वहीं नगर के विश्वकर्मा गैरेज में भी प्रतिमा स्थापना कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। शाम के समय धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। रात्रि में भजन-कीर्तन के साथ सुंदरकांड का पाठ किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में शामिल होकर भगवान विश्वकर्मा की आराधना की। विश्वकर्मा जयंती के दूसरे दिन हवन-पूजन का आयोजन किया गया। विधि-विधान से पूजा संपन्न होने के बाद भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाने से पूर्व नगर भ्रमण कराया गया।

विश्वकर्मा पूजा में शामिल हुए विधायक उसेंडी

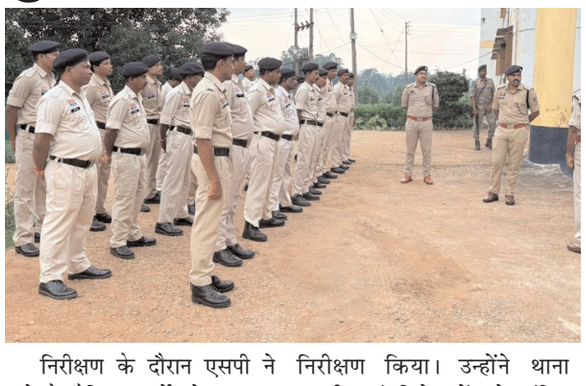
विश्व केसरी■



अंतागढ़ (डम्पी खान)। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर गुरुवार को अंतागढ़ में विश्वकर्मा (लोहार) समाज द्वारा भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति स्थापना एवं विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक विक्रम उसेंडी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समाजजनों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के दौरान विश्वकर्मा समाज की ओर से समाज के लिए भवन निर्माण की मांग क्षेत्रीय विधायक विक्रम उसेंडी के समक्ष रखी गई। समाजजनों ने बताया कि सामाजिक गतिविधियों, बैठकों, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए स्थायी भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।समाज की मांग पर विधायक विक्रम उसेंडी ने सकारात्मक पहल करते हुए भवन निर्माण हेतु इस्टीमेट बनाकर भेजने की बात कही ताकि जल्द से जल्द समाज के मंशानुरूप भवन निर्माण कराया जा सके । विधायक की पहल पर समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। समाजजनों ने कहा कि भवन निर्माण से समाज के विभिन्न आयोजनों के लिए सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा सामाजिक गतिविधियों को भी बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकेगा। कार्यक्रम में विश्वकर्मा समाज के पदाधिकारियों एवं समाज प्रमुखों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे तथा सर्व समाज के प्रमुख एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर जयंती की शुभकामनाएं दीं।

फरसेगढ़ थाने में एसपी का आकस्मिक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

विश्व केसरी■



बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले में कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक बीजापुर श्री उमेश प्रसाद गुप्ता ने 17 सितंबर 2026 को थाना फरसेगढ़ का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर सहित क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और तैनात पुलिस एवं सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा समस्याओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाने के दैनिक कार्यों, रोजनामचा, अपराध पंजी, मालखाना, शस्त्रागार और हवालात का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने थाना प्रभारी एवं विवेचकों को लंबित अपराध, शिकायत, मर्ग और गुमशुदगी के मामलों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा न्यायालय में प्रकरणों के चालान शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

एसपी ने क्षेत्र में प्रभावी गश्त और चेकिंग अभियान चलाने, संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आम नागरिकों के साथ मित्रवत एवं संवेदनशील व्यवहार रखते हुए उनकी शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए।

सार्वजनिक स्थान बना कचरे का डंपिंग ग्राउंड

नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

विश्व केसरी■





चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर पंचायत चारामा की सफाई व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। सार्वजनिक स्थान पर लगातार कचरा जमा होने से यहां कचरे का बड़ा ढेर बन गया है। इससे आसपास रहने वाले नगरवासी और वार्डवासी भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। गंदगी के कारण दुर्गंध फैलने के साथ ही संक्रमण और मच्छर-मक्खियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

नगरवासियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा जमा होना नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था की गंभीर अनदेखी को दर्शाता है। जिम्मेदार अधिकारियों को नियमित सफाई और कचरा उठाव की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, लेकिन मौके की स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है।

अधिकारी करें मौके का निरीक्षण, तत्काल हटाया जाए कचरा - नगरवासियों ने नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि वे सिर्फ कार्यालय में बैठकर व्यवस्था की समीक्षा करने के बजाय मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखें। सार्वजनिक स्थान को कचरा डंपिंग स्थल बनने से रोकने, तत्काल कचरा हटाने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

नगरवासियों का कहना है कि सफाई के नाम पर सिर्फ कागजी व्यवस्था नहीं, बल्कि धरातल पर साफ-सफाई दिखाई देनी चाहिए। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो गंदगी की समस्या और गंभीर हो सकती है।

15 दिनों से जीओ नेटवर्क बंद, ग्रामीणों ने एसडीएम से की नेटवर्क चालू कराने की मांग

विश्व केसरी■



भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। दुर्गूकोंदल तहसील के ग्राम पंचायत भीरावाही के ग्रामीणों ने पिछले करीब 15 दिनों से बंद पड़े Jio मोबाइल नेटवर्क को चालू कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने इस संबंध में 17 सितंबर 2026 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भानुप्रतापपुर के नाम आवेदन सौंपा।

आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पिछले 15 दिनों से Jio का नेटवर्क बंद है, जिसके कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से विशेष रूप से बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई प्रभावित हो रही है और उन्हें पढ़ाई के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित दूरसंचार कंपनी से समन्वय कर गांव में Jio नेटवर्क की समस्या का जल्द निराकरण कराया जाए, ताकि मोबाइल एवं इंटरनेट सेवाएं सुचारू रूप से शुरू हो सकें। आवेदन में ग्राम भीरावाही के उपसरपंच, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों, ग्राम पटेल सहित अन्य ग्रामीणों के हस्ताक्षर दर्ज हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251